Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 13 । अंक 45
नई दिल्ली, बुधवार, 18 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10
आगे तेजी से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

जाड़े की धुंध की गिरफ्त में दिल्ली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड और घना कोहरा छाया रहा, जिससे वायु गुणवत्ता फिर से 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई और पूरे शहर में दृश्यता में भारी कमी आई। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 433 रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से दो डिग्री कम है, जबकि अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है। अगले दो दिनों तक एक्यूआई के 'गंभीर' श्रेणी में रहने की उम्मीद है। दिल्ली के 35 निगरानी स्टेशनों में से 28 ने वायु गुणवत्ता को 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया, जबकि कुछ ने 450 अंक को पार कर लिया, जिसे 'गंभीर प्लस' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। मंदिर मार्ग, जहांगीरपुरी, नरेला, नेहरू नगर, पटपड़गंज, पंजाबी बाग, रोहिणी, आईटीओ, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, डीटीयू, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, मंदिर मार्ग, पूसा, शादीपुर में निगरानी स्टेशनों ने एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में दर्ज किया। अलीपुर, आनंद विहार, अशोक विहार, बवाना, बुराड़ी, सीआरआरआई मथुरा रोड, नॉर्थ कैंपस, ओखला फेज 2, सिरीफोर्ट, सोनिया विहार और विवेक विहार में एक्यूआई गंभीर प्लस श्रेणी में था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, प्रदूषकों के प्रभावी फैलाव के लिए मौसम संबंधी स्थिति प्रतिकूल रहने की संभावना है। दिल्ली के प्रदूषण का प्रमुख स्रोत वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन था, जिसने पीएम 2.5 का 18.8 प्रतिशत योगदान दिया। पंजाब और हरियाणा में मौसम खत्म होने के कारण दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का कोई योगदान नहीं था। पीएम 2.5 प्राथमिक प्रदूषक रहा, जिसका स्तर शाम 4 बजे 252 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर दर्ज किया गया। इस बीच, धुंध और शीत लहर की स्थिति ने पूरे क्षेत्र में गंभीर व्यवधान पैदा कर दिया है। जिले के विभिन्न हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता बहुत कम हो गई और यात्रियों के लिए चुनौतियां पैदा हो गईं। आईएमडी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में सुबह 5.30 बजे न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बाद में औसतन 5.9 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। दिल्ली के कुछ इलाकों में तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला गया। पूसा में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आयानगर में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नजफगढ़ में न्यूनतम तापमान थोड़ा अधिक 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा। तापमान में और गिरावट आने और कोहरे के कारण दृश्यता कम होने के कारण दिल्ली हवाईअड्डा प्रशासन ने मंगलवार को कम दृश्यता प्रक्रिया लागू की। सफदरजंग हवाईअड्डे पर मध्यम कोहरा रहा। सफदरजंग हवाईअड्डे पर सुबह आठ बजे सबसे कम दृश्यता 350 मीटर दर्ज की गई, जो इसके बाद सुधर कर आठ बजकर तीस मिनट पर 400 मीटर हो गई हालांकि, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों से उड़ान संचालन प्रभावित नहीं हुआ है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी संबंधित एयरलाइनों से नवीनतम उड़ान अपडेट के लिए संपर्क करें। हवाई अड्डा प्रशासन ने एक्स पर पोस्ट किया, 'दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता प्रक्रियाएं लागू हैं। उड़ान संचालन सामान्य बना हुआ है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे उड़ान के बारे में नवीनतम जानकारी के लिए अपनी एयरलाइन से संपर्क करें।'

इस बीच, दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों ने मंगलवार को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण 4 के तहत प्रदूषण विरोधी उपायों को फिर से लागू करने के बाद कक्षाएं संचालित करने के हाइब्रिड मोड पर स्विच कर दिया। संशोधित जीआरएपी कार्यक्रम के अनुसार, दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में कक्षा छह से नौ और 11 के छात्रों के लिए चरण 4 के तहत हाइब्रिड मोड (भौतिक और ऑनलाइन) में कक्षाएं संचालित होनी चाहिए। हालांकि, दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों को व्यक्तिगत रूप से स्कूल जाना होगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर अंकुश लगाने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) चरण चार लागू होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी और सीमावर्ती क्षेत्रों में वाहनों की जांच बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, प्रत्येक जिले में 10 पुलिस पिकेट लगाए जाएंगे। आईएमडी ने कहा, पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में मुख्य रूप से शांत हवाएं चलीं, जिससे सोमवार को पालम में हल्के कोहरे में दृश्यता 800 मीटर से घटकर मंगलवार सुबह सफदरजंग में मध्यम कोहरे में 350 मीटर रह गई। इसमें कहा गया है कि शांत या पूर्वी सतही हवाओं के चलने की उम्मीद के कारण अगले दो दिनों में दिल्ली में मध्यम कोहरे की स्थिति (दृश्यता 200 मीटर और 500 मीटर के बीच) बनी रहने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर के लिए (शेष पृष्ठ 9)

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण पर बरसा सुप्रीम कोर्ट

● परेशान घर खरीदारों की दुर्दशा पर कहा, गड़बड़ी के लिए आप जिम्मेदार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

परेशान घर खरीदारों की दुर्दशा को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीएनआईडीए) से शिकायत निवारण के लिए प्रस्ताव पेश करने को कहा और समय पर जवाब दाखिल न करने पर उस पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने जीएनआईडीए के रवैये पर असंतोष व्यक्त किया और कहा, 'इस गड़बड़ी के लिए आप ही जिम्मेदार हैं। बेशक, डेवलपर्स ने घर खरीदारों से पैसे कमाए हैं। लेकिन इससे आपके कृत्यों को माफ नहीं किया जा सकता।' पीठ ने कहा कि अगर जीएनआईडीए घर खरीदारों की शिकायतों के निवारण के लिए कोई योजना नहीं लेकर आता है तो वह इस पूरी 'गड़बड़ी' की सीबीआई जांच का आदेश दे सकती है। सीजेआई ने कहा, 'आप 10 दिनों में कोई योजना लेकर आएं... अन्यथा हम सीबीआई जांच का आदेश देंगे... आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि घर खरीदारों के हितों की रक्षा हो। आप भी इस समस्या का हिस्सा हैं। आपने इस गड़बड़ी को होने दिया।'

पीठ ने जीएनआईडीए को सुझाव दिया कि वह पूरी जमीन अपने कब्जे में ले, परियोजनाओं का विकास करे और घर खरीदने वालों को फ्लैट दे। जीएनआईडीए से विस्तृत हलफनामा मांगते हुए पीठ ने उसे जमीन के आवंटन की तारीख और निजी कंपनी के पक्ष में लीज डीड के निष्पादन की तारीख सहित जानकारी देने को कहा। घर खरीदने वालों के लिए एक व्यापक प्रस्ताव मांगने के अलावा, पीठ ने जीएनआईडीए से यह जानकारी देने को कहा कि जब डेवलपर्स ने परियोजनाओं की शर्तों का उल्लंघन किया तो जमीन का आवंटन रद्द क्यों नहीं किया गया। 800 से अधिक घर खरीदने वालों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता शोएब आलम ने कहा कि एक पीएसयू रुकी हुई परियोजनाओं को विकसित करने और जीएनआईडीए और अन्य को बकाया राशि का भुगतान करने को तैयार है, और इसके अलावा, किसी भी लेनदार या निवेशक को कटौती का सामना नहीं करना पड़ेगा।

शीर्ष अदालत कर्ज में डूबी रियल्टी फर्म अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की दिवालिया कार्यवाही के संबंध में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के फैसले से उत्पन्न 12 अपीलों पर सुनवाई कर रही थी। एनसीएलएटी ने घर खरीदने वालों के एक समूह की याचिका को खारिज कर दिया था, जिन्होंने अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के अधिग्रहण के लिए अल्फा कॉर्प डेवलपमेंट की बोली को एनसीएलटी की मंजूरी को चुनौती दी थी। एनसीएलएटी ने 8 जून, 2021 को अल्फा कॉर्प डेवलपमेंट की समाधान योजना को मंजूरी दे दी थी। अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के लेनदारों की समिति ने 99 प्रतिशत बहुमत के साथ अल्फा कॉर्प के पक्ष में मतदान किया था। लंबी कानूनी लड़ाई के कारण, रियल्टी फर्म की पांच आवासीय परियोजनाएं, ग्रेटर नोएडा में तीन और गुरुग्राम में दो, रुकी हुई हैं, जिससे सैकड़ों घर खरीदार मुश्किल में हैं। इससे पहले, अल्फा कॉर्प ने कहा था कि वह ग्रेटर नोएडा में दिवालियापन प्रक्रिया के माध्यम से अधिग्रहित अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की तीन रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए लगभग 900 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। (शेष पृष्ठ 9)

नीट-यूजी परीक्षा के लिए विकल्पों पर विचार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हर साल मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के बाद विवादों के बीच केंद्र ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालय इस बात पर विचार कर रहे हैं कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को पेन और पेपर मोड में आयोजित किया जाए या ऑनलाइन मोड में और इस संबंध में जल्द ही निर्णय होने की उम्मीद है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ दो दौर की बातचीत की है। वर्तमान में, नीट-यूजी ऑफ़लाइन - पेन और पेपर मोड में आयोजित की जाती है - जिसमें छात्रों को ओएमआर शीट पर बहुविकल्पीय प्रश्न हल करने होते हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या के मामले में देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा है। 2024 में, रिकॉर्ड 24 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने परीक्षा दी।

जबकि नीट कथित लीक सहित कई अनियमितताओं को लेकर जांच के दायरे में था, यूजीसी-नेट को रद्द कर दिया गया क्योंकि मंत्रालय को इनपुट मिले थे कि परीक्षा की अखंडता से समझौता किया गया था। दोनों मामलों की सीबीआई द्वारा जांच की जा रही है। दो अन्य परीक्षाएँ - CSIR-UGC NETऔर NEET PG - को अंतिम समय में एक पूर्व-निवारक कदम के रूप में रद्द कर दिया गया। प्रधान ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) 2025 से कोई भर्ती परीक्षा आयोजित नहीं करेगी, इसके बजाय केवल उच्च शिक्षा प्रवेश परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करेगी। अगले साल एजेंसी का पुनर्गठन किया जाएगा और नए पद सृजित किए जा रहे हैं।

यह कदम राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित लीक और संदिग्ध लीक और अन्य गड़बड़ियों के कारण कई अन्य परीक्षाओं को रद्द करने के बाद इस साल की शुरुआत में गठित एक उच्च स्तरीय पैनल की सिफारिशों के आधार पर परीक्षा सुधारों का हिस्सा है। देश में प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और तकनीकी शिक्षा की वर्तमान स्थिति पर एक विशेष प्रेस ब्रीफिंग में प्रधान ने कहा, NEET का प्रशासनिक मंत्रालय स्वास्थ्य मंत्रालय है और इसलिए हम उनके साथ इस बारे में बातचीत कर रहे हैं कि NEET को पेन और पेपर मोड में या ऑनलाइन मोड में आयोजित किया जाना चाहिए। जेपी नड्डा के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ हमारी दो दौर की बातचीत हुई है। परीक्षा आयोजित करने के लिए जो भी विकल्प सबसे उपयुक्त माना जाएगा, NTA उसे करने के लिए तैयार है। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में जल्द ही निर्णय होने की उम्मीद है और सुधार परीक्षा के 2025 संस्करण में लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'नीट की कार्यप्रणाली क्या होगी, प्रोटोकॉल क्या होगा... जल्द ही निर्णय होने की उम्मीद है। हम जल्द ही इसे अधिसूचित करेंगे।'

एनटीए हर साल मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए नीट आयोजित करता है। एमबीएसएस पाठ्यक्रम के लिए कुल 1,08,000 सीटें उपलब्ध हैं। एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए उपलब्ध सीटों में से लगभग 56,000 सीटें सरकारी अस्पतालों में और लगभग 52,000 निजी कॉलेजों में हैं। दंत चिकित्सा, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी नीट के परिणामों का उपयोग किया जाता है। नीट के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड पर स्विच करने का विचार नया नहीं है और इस पर पहले भी कई बार विचार-विमर्श किया जा चुका है। हालांकि, इस साल की शुरुआत में पेपर लीक विवाद के बाद परीक्षा सुधारों के लिए जोर आया। नीट और पीएचडी प्रवेश परीक्षा नेट में कथित अनियमितताओं को लेकर आलोचनाओं के बीच केंद्र ने जुलाई में एनटीए द्वारा परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पैनल का गठन किया था। पैनल ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की है, 'प्रत्येक चरण में स्कोरिंग और रैंकिंग के लिए सीमा और परीक्षण उद्देश्यों तथा प्रयासों की संख्या आदि के साथ एक स्वीकार्य ढांचा विकसित किया जा सकता है।' उच्च स्तरीय पैनल द्वारा की गई सिफारिशों में प्रतिरूपण की जांच के लिए एक DIGI-EXAM प्रणाली, बहु-चरणीय और बहु-सत्रीय परीक्षण, परीक्षा केंद्र आवंटन नीति, प्रत्येक जिले में सुरक्षित परीक्षा केंद्र और ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मोबाइल परीक्षण केंद्र स्थापित करना शामिल है। पैनल नेDIGI-YATRA (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली के 30 से अधिक स्कूलों को फिर मिली बम की धमकी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के 30 से अधिक स्कूलों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ई-मेल की जरिए मिली यह धमकी इस सप्ताह की दूसरी और नौ दिनों के अंदर पांचवीं ऐसी घटना है, जिससे दिल्ली के छात्र, कर्मचारी और अधिकारी दहशत में हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दक्षिणी दिल्ली के द इंडियन स्कूल, सफदरजंग एन्क्लेव के एंबियंस पब्लिक स्कूल, दिलशाद गार्डन के दिलशाद पब्लिक स्कूल और बाहरी दिल्ली के क्रिसेंट स्कूल समेत 30 से ज्यादा स्कूलों ने बताया कि उन्हें बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दिल्ली के कुछ स्कूलों को मंगलवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली जो राष्ट्रीय राजधानी में इस प्रकार की एक सप्ताह में दूसरी और नौ दिन में पांचवीं घटना है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी (शेष पृष्ठ 9)

द इंपीरियल होटल का विवाद सुलझा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली के प्रतिष्ठित 'द इंपीरियल' होटल के ट्रेडमार्क से संबंधित 16 साल पुराने मुकदमे का निपटारा कर दिया। होटल के मालिक और संचालक अकोई परिवार के सदस्यों के बीच समझौता हो गया। समझौते में स्वीकार किया गया कि ट्रेडमार्क 'इंपीरियल' का संयुक्त स्वामित्व हरदेव सिंह अकोई (50 प्रतिशत) और उनके भाई जसदेव सिंह अकोई के बच्चों, रायदेव सिंह अकोई (25 प्रतिशत) और गोबिंद सिंह अकोई (25 प्रतिशत) के पास है। दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति मिनी पुष्करना ने आदेश में कहा, 'समझौते के अनुसार, हरदेव सिंह अकोई और स्वर्गीय जसदेव सिंह अकोई के परिवार स्वीकार करते हैं कि आज की तारीख में हरदेव सिंह अकोई [50 फीसदी], रायदेव सिंह अकोई [25 फीसदी] और गोबिंद सिंह अकोई [25 फीसदी] ट्रेडमार्क इंपीरियल के संयुक्त और अनन्य मालिक हैं और कोई भी व्यक्ति अलग से ट्रेडमार्क इंपीरियल या किसी अन्य ट्रेडमार्क, व्यापार नाम, कॉपीराइट, चाहे वह पंजीकृत हो या अपंजीकृत, समान या भ्रामक रूप से समान हो, पर कोई अधिकार नहीं रखेगा या उस पर कोई अधिकार नहीं रखेगा।' नई दिल्ली स्थित इंपीरियल एक ऐतिहासिक स्थल है, जिसने भारत के इतिहास में महत्वपूर्ण घटनाओं को देखा है। 1931 में स्थापित यह होटल गणमान्य व्यक्तियों और मशहूर हस्तियों के बीच समान रूप से पसंदीदा रहा है। इसकी स्थापना एसबीएस रंजीत सिंह ने की थी, जिन्होंने इसे राजदेव सिंह को दे दिया था। जसदेव और हरदेव राजदेव सिंह के बच्चे थे। इसकी परिकल्पना 1934 में की गई थी और आधिकारिक तौर पर 1936 में भारत के वायसराय लॉर्ड विलिंगडन द्वारा इसे खोला गया था। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, होटल महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे प्रमुख नेताओं के लिए बैठक स्थल के रूप में कार्य करता था। ब्रिटिश और भारतीय नेताओं के बीच महत्वपूर्ण चर्चाओं के लिए गोलमेज सम्मेलन यहीं आयोजित किए गए थे। स्वतंत्रता के बाद, होटल राजनीतिक और सामाजिक समारोहों का केंद्र बना रहा। उच्च न्यायालय ने भी समझौते की शर्तों को वैध पाया और पुष्टि की कि ट्रेडमार्क से संबंधित कोई अन्य विवाद लंबित नहीं था। पार्टियों ने ट्रेडमार्क या किसी भ्रामक समान चिह्नों के लिए व्यक्तिगत आवेदन या अधिकार का दावा नहीं करने पर सहमति व्यक्त की।

आदेश में कहा गया है, पक्षकारों की ओर से यह प्रस्तुत किया गया है कि वर्तमान कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान, पारिवारिक शांति, सद्भाव और सद्भावना बनाए रखने के लिए, सभी पारिवारिक सदस्यों ने आपसी सहमति से वर्तमान मुकदमे को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने पर सहमति व्यक्त की है। न्यायालय ने समझौते को स्वीकार करते हुए, सहमत शर्तों के आधार पर मुकदमे का आदेश दिया। इसने निर्देश दिया कि सभी पक्षों के मूल हस्ताक्षरों वाले आवेदन को केस फाइल में रखा जाए। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि एक डिक्री शीट तैयार की जाए और सभी लंबित सुनवाई को रद्द कर दिया जाए। विवाद ट्रेडमार्क 'इम्पीरियल' और उसके शेर के (शेष पृष्ठ 9)

रॉन्ग साइड लेन में धरे गए सिंगर बादशाह

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम यातायात पुलिस ने सिंगर बादशाह का रॉन्ग साइड गाड़ी चलाने पर साढ़े 15 हजार रुपये का चालान काट दिया। बादशाह यहां सेक्टर-68 में करण आहुजा के म्यूजिक कन्सर्ट में भाग लेने पहुंचे थे। वे तीन गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचे थे। बता दें कि सोहना रोड आयरिया मॉल में रविवार को पंजाबी सिंगर करण आहुजा का लाइव कन्सर्ट था। इस कन्सर्ट में बॉलीवुड सिंगर बादशाह भी पहुंचे थे। वे एक थार गाड़ी के साथ तीन गाड़ियों के काफिले में थे। बादशाह का काफिला जैसे ही बादशाहपुर में पहुंचा तो ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना की। उनकी गाड़ियों का काफिला बादशाहपुर से आयरिया मॉल तक रॉन्ग साइड में चला। यह सारा वाकया सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार के अनुसार थार गाड़ी का नंबर एचआर-60एल-0005 है। काफिले में जो बाकी गाड़ियां थी, उनमें टेंपरेरी नंबर लगा हुआ था। जिस गाड़ी में बादशाह बैठे थे, वह गाड़ी पानीपत के दीपेंद्र माली के नाम से पंजीकृत है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि किसी को भी यातायात के नियम तोडने की इजाजत नहीं है। इस बीच, गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने जनवरी 2024 से नवंबर 2024 तक गलत साइड ड्राइविंग के लिए 1.46 लाख ट्रैफिक उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ 10.28 करोड़ रुपये का चालान लगाया है, पुलिस ने कहा। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि लोग खुलेआम ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं क्योंकि गलत साइड ड्राइविंग से कई पैदल यात्रियों और अन्य मोटर चालकों की जान जा सकती है।

उमर अब्दुल्ला ने परोसा कश्मीरी वाज़वान

मोहित कंधारी। जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की गर्मजोशी से भरी मेहमाननवाज़ी जम्मू-कश्मीर में सत्ता के गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। पिछले हफ़्ते जब सीएम ने जम्मू में अपने आधिकारिक आवास पर नागरिक समाज के सदस्यों की मेज़बानी की, तो उन्होंने न केवल आम नागरिकों के लिए अपने आवास के दरवाज़े खोले, बल्कि कश्मीरी शेफ़ (वाज़ा) की एक टीम को शानदार कश्मीरी वाज़वान पकाने के लिए आमंत्रित किया, जो एक बहु-कोर्स भोजन है। काफ़ी लंबे अंतराल के बाद मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर मेहमानों को जम्मू में मांसाहारी भोजन परोसा गया। इसके अलावा, नवनिर्वाचित सीएम ने अपने आवास पर विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों, विभिन्न समितियों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों और शिक्षाविदों के साथ-साथ अन्य प्रमुख नागरिकों की मेज़बानी भी की।

अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त किए जाने के बाद, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा राजभवन में आयोजित समारोहों में आम तौर पर केवल शाकाहारी भोजन/नाश्ता परोसा जाता था। केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) प्रशासन ने एक प्रसिद्ध स्थानीय कैटरर को भी नियुक्त किया था, ताकि विभिन्न क्षेत्रों से आए मेहमानों की पसंद के अनुसार शानदार डिनर और लंच मीटिंग

आयोजित की जा सके। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विभिन्न पड़ोसी राज्यों के प्रसिद्ध व्यंजनों को भी प्राथमिकता दी गई।

नियमित मेनू में पारंपरिक मीट कबाब और अन्य मांसाहारी व्यंजनों की जगह वेज कबाब और अन्य पाक व्यंजन शामिल किए गए। सीएम की संगति में भोजन करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए एक प्रतिष्ठित नागरिक ने पायनियर को बताया, 'बैठक में शामिल होने वाले सभी लोगों को मुख्यमंत्री खुद भोजन कक्ष में ले गए, जहां शानदार भोजन परोसा गया। उमर ने वहां मौजूद लगभग सभी लोगों से बातचीत की और उनकी बातों को ध्यान से सुना। पहले वे अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों और अन्य वीवीआईपी मेहमानों के साथ व्यस्त रहते थे। लेकिन इस बार हम उमर अब्दल्ला के एक अलग (शेष पृष्ठ 9)

पार्षद उपचुनाव : मतदान केंद्रों पर उमड़ी मतदाताओं की भीड़

गाजियाबाद नगर निगम की वार्ड 19 और वार्ड 21 की रिक्त सीटों के लिए मंगलवार को हुआ उपचुनाव

● मतदान करने के लिए सुबह से ही पहुंचने लगे लोग, दोपहर तक लगी मतदाताओं की भीड़

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में निगम चुनाव के लिए मतदान के लिए लाइन में लगे मतदाता।

गाजियाबाद नगर निगम की दो रिक्त सीटों के लिए मंगलवार को उपचुनाव हो रहा है। वार्ड-19 और वार्ड-21 के मतदाताओं ने अपने प्रत्याशी को चुनने के लिए मतदान किया। सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हुआ लेकिन शुरू के दो घंटे यानि दस बजे तक मतदान केन्द्रों पर भीड़ अधिक दिखाई नहीं दी। लेकिन उसके उपरांत मतदान केन्द्रों पर मतदातओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई। दोपहर 12 बजे तक मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लाइन लगनी शुरू हो गई थी।

वार्ड 19 से भाजपा से रंजीता कल्याणी, कांग्रेस से रेखा मकवाना, आसपा से प्रियंका हांडा, निर्दलीय राजकुमारी प्रत्याशी हैं। वार्ड.19 में तीन मतदान केन्द्रों पर 12 बूथ बनाए गए हैं। जिसमें सेठ मुकंदलाल इंटर कॉलेज गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज और दयानंद पब्लिक स्कूल में बूथ बनाए गए थे। गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज में दो बूथ बने थे। इसी बूथ पर मतदाताओं की भीड़ सबसे कम दिखाई दी। बाकी सेठ मुंकदलाल और गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज पर मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या नजर आई। यहां वोट डालने को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

वार्ड-21 के कौशांबी मतदान केन्द्र पर भी मतदाताओं की भीड़ अधिक थी। यहां भी मतदान के लिए 21 बूथ बनाए गए थे। मतदान के लिए 92 कर्मचारियों की डयूटी लगाई गई है। वार्ड-19 पटेल नगरए मुकंदनगर की सटी अनुसूचित जाति महिला और वार्ड-21 की सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। वार्ड.19 की सीट पार्षद उर्मिला चौहान और वार्ड-21 की सीट पार्षद आनंद गौतम के निधन के चलते रिक्त हो गई थी। वार्ड-21 से भाजपा से बिन्नूरामए कांग्रेस से ओमप्रकाश और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में गौमा गौतम प्रत्याशी है। सुबह नौ बजे तक वार्ड.19 में 2.96 फीसदी और वार्ड.21 में 4.56 फीसदी वोटिंग हुई थी। खबर लिखे जाने तक वार्ड.19 में 8.92 और वार्ड.21 में 11.85 फीसदी वोटिंग हो गई थी। आज मतदान के दौरान के लिए सभी प्रत्याशियों के बस्ते मतदान केन्द्रों पर लगाए गए मगर भीड़ सबसे अधिक भाजपा के बस्ते पर नजर आई। असपा और कांग्रेस के बस्तों पर इक्का.दुक्का मतदाता ही नजर आएं। हालांकि सभी बस्तों पर पार्टी के समर्थक मौजूद रहे। गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज में भाजपा के बस्तों पर ही मतदाता नजर आए। दयानंद पब्लिक स्कूल मतदान केन्द्रों पर भी भाजपा के बस्ते पर भीड़ दिखाई दी। सेठ मुकंदलाल इंटर कॉलेज के मतदान केन्द्र पर भाजपाए कांग्रेस के बस्तों पर मतदाता दिखाई दिए। पार्षद उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों को लाने के लिए ऑटो रिक्शा लगाए गए थे। हालांकि यह ऑटो रिक्शा किस पार्टी या प्रत्याशी के थेए इसकी कोई जानकारी नहीं मिल सकी। लेकिन तीनों केन्द्रों पर प्रत्याशियों को लाने ले जाने के लिए ऑटो लगाए गए थे। जो उन्हें निशुल्क लेकर आ रहे थे। इतना ही नहीं बाइक-स्कूटी से भी मतदाताओं को लाया जा रहा था। चुनाव चाहे मेयर का हो, लोकसभा का हो या विधानसभा उपचुनाव हो, भाजपा पार्टी हर चुनाव को जीतने के लिए पूरी रणनीति न सिर्फ तैयार करती है बल्कि उस पर अमल भी करती है।

भड़काऊ वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● देश के संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं के खिलाफ की थी टिप्पणी

नोएडा में देश के संवैधानिक पद पर बैठे जन नेता के संबंध में आपत्तिजनक, झूठी और भड़काऊ टिप्पणी करने वाले आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आरोपीको थाना सेक्टर-9 पुलिस ने उसे सेक्टर-7 बस स्टैंड से पकड़ा है। इसकी पहचान शेख अताउल पुत्र उसमान गनी निवासी पश्चिम बंगाल हुई है।

पूछताछ में बताया कि मेरा परिवार बांग्लादेश बार्डर से कुछ दूरी पर ग्राम बराल में रहता है। काफी समय पहले हम परिवार सहित बांग्लादेश से आकर ही यहां मालदा में रहने लगे थे। बाद में मालदा से दिल्ली आकर शाहिन बाग में रहने लगे। मुझे किसी ने बताया कि देश के एक बड़े नेता हमारी सभी मस्जिदों को ध्वस्त करा रहे हैं। इसी बात पर मैंने उस नेता के खिलाफ एक वीडियो बनाकर उसमे भड़काऊ बयान दिया।

शेख अताउल से आपत्तिजनक तस्वीर व तमंचे और चाकू के बारे में पूछा तो बताया कि यह फोटो अपने धर्म के लोगों को दिखाने के लिए रखता हूं व तमंचा व चाकू अपनी सुरक्षा तथा लोगों के लिए है। दरअसल, 16 दिसंबर को मीडिया सेल गौतमबुद्धनगर ने अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो वायरल होने पर थाना सेक्टर 9 में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस वीडियो में सोशल मीडिया एक्स में देश में संवैधानिक पद पर बैठे जननेता के संबंध में आपत्तिजनक, झूठे और भडकाऊ बातें कहीं जा रही थी।

हत्यारोपियों को गिरफ्तार नहीं करने का पुलिस पर आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पीड़ित पिता।

मथुरा निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली पुलिस पर अपने बेटे के हत्यारोपियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित पिता का कहना है कि घटना के करीब डेढ़ महीने बाद पुलिस ने केस दर्ज किया था। लेकिन उसके बावजूद भी आज तक आरोपियों की गिरफ्तार नहीं हुई है। जिसके चलते मृतक पिता कोतवाली के चक्कर काट रहा है। जिसने अब मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से करने को कहा है। मथुरा निवासी महेश का कहना है कि इसी साल 15 अगस्त को उनके बेटे चंदन की गांव के ही चार लोगों ने दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित एक बिल्डर साइड से धक्का देकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामला हादसे का बताते हुए सब का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था।

कार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, चार महिला समेत पांच घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली दादरी क्षेत्र के पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर समाधि पुर गांव के समीप अज्ञात वाहन द्वारा कार में टक्कर मार दी। जिससे कार सवार चार महिला समेत पांच लोग घायल हो गए और कार सड़क से नीचे गिरने पर क्षतिग्रस्त हो गई । इस मामले में एक सप्ताह बाद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है । पुलिस मामले की जांच में लगी है ।

प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि हरियाणा के दयालपुर गांव निवासी पवन कुमार परिवार के साथ रहते हैं। वह परिवार के साथ कार में सवार होकर हापुड़ से अपने गांव दयालपुर जा रहे थे । जब कोतवाली दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर समाधिपुर गांव के समीप पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने पीछे से कार में टक्कर मार दी । जिससे कार सड़क के किनारे लगी रेलिंग को तोड़ते हुए सड़क से नीचे गिर गई। गिरने पर चालक पवन कुमार ए विनीता ए लक्ष्मी ए बबीता ये नेपाल कौर घायल हो गई थी । उपचार कराने के बाद एक सप्ताह बाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

जेवर एयरपोर्ट कर्मचारी की सड़क हादसे में मौत

नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के रामनेर नगर गांव के पास एयरपोर्ट की साइट पर काम करने वाले एक कर्मचारी की बाइक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनको ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी सोमवार की रात मौत हो गई। इस मामले में मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। लखीमपुर खीरी जिला निवासी दीपक जेवर में स्थित एयरपोर्ट की साइट पर काम करते थे। बताया जाता है कि रविवार रात को वह साइड से किसी काम के लिए जेवर कस्बे को जा रहे थे। इस दौरान किसी अज्ञात वाहन ने सामने से रामनेर गांव के पास उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि इस घटना में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। साथ ही दीपक गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

रेलवे ट्रैक पर दो हिस्सों में मिला युवक का शव

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेहटा अंडर रेलवे पास के निकट एक 20.22 वर्षीय युवक की लाश दो हिस्सों में विभक्त मिली। उक्त घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर उसकी शिनाख्त एवं मौत की गुत्थी सुलझाने के प्रयास शुरू कर दिये हैं।

गाड़ी-बाइक की टक्कर एक जख्मी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली दादरी क्षेत्र के रामपुर गांव गोल चक्कर के समीप गाड़ी व बाइक की टक्कर हो गई । जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया । घटना की रिपोर्ट तीन सप्ताह बाद कोतवाली में दर्ज कराई गई है । पुलिस आरोपी चालक की तलाश में लगी है । प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि बुलंदशहर जनपद के भौरा गांव निवासी अजय पाल सिंह परिवार के साथ रहते हैं । उनका बेटा मोहित भाटी ग्रेटर नोएडा की कंपनी में नौकरी करता है । ड्यूटी कर मोटरसाइकिल से वह गांव जा रहा था । जब कोतवाली दादरी क्षेत्र के रामपुर गांव के गोल चक्कर के समीप पहुंचा तो गलत दिशा से आ रही गाड़ी से बाइक की टक्कर हो गई । जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया । तथा बाएं पैर में गंभीर चोट लगने से टूट गई । उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया । घायल ने हेलमेट लगा रखा था । घटना की रिपोर्ट घायल के पिता अजय पाल ने कोतवाली में गाड़ी नंबर के आधार पर दर्ज कराई गई है । पुलिस आरोपी चालक की तलाश में लगी है ।

कमरे में पंखे से लटकर युवक ने दी जान

● पीड़ित बिहार से पांच दिन पहले भाई और मां के पास रहने आया था

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के थाना फेस-1 के सेक्टर-15 में एक युवक ने सुसाइड कर लिया। युवक ने कमरे में फांसी लगाई। जब उसने फांसी लगाई घर में अकेला था। रात में जब परिजन घर पहुंचे तो उन्हें जानकारी हुई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया।

जानकारी मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुंची। कमरे को लॉक किया और छानबीन शुरू की। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक विजय कुमार (25) बिहार से पांच दिन पहले ही अपने भाई और मां के पास रहने आया था। वो काफी दिनों से किसी बात को लेकर परेशान था। हालांकि पुलिस को अब सुसाइड करने का कोई स्पष्ट कारण नहीं मिल सका है। विजय कुमार का मोबाइल और अन्य दस्तावेज देखे जा रहे है।

इसके साथ परिजनों से पूछताछ भी की जा रही है। मूल रूप से मधुबनी बिहार निवासी विजय कुमार अपने परिजनों के साथ सेक्टर-15 में किराए पर रह रहा था। सोमवार को उसके परिजन घर से बाहर गए थे। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो उन्हें विजय कुमार फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

'ना अच्छा बेटा बन पाया और ना ही अच्छा भाई', सुसाइड नोट लिखकर खुद को मारी गोली

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● अपने जन सुविधा केंद्र में अवैध पिस्टल से वारदात को दिया अंजाम

ग्रेटर नोएडा में एक युवक ने अवैध पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले युवक ने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने लिखा कि ना तो मैं अच्छा बेटा बन पाया हूं और ना ही अच्छा भाई बन पाया हूं। इसलिए मैं अपना जीवन समाप्त कर रहा हूं। युवक ने जन सुविधा केंद्र में ही खुद को गोली मार दी और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

सूरजपुर थाना क्षेत्र के महामेधा वाली गली में रहने वाला अमन भारद्वाज (24) जन सुविधा केंद्र चलाता था। आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि अमन नाम के युवक ने अपने जन सुविधा केंद्र में खुद की अवैध पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली है।

सूचना मिलते ही तत्काल प्रभाव से पुलिस मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अमन के आसपास किसी के नहीं होने के कारण पुलिस इस घटना को आत्महत्या मान रही है।

'जीने की इच्छा नहीं रही इसलिये कर रही हूं आत्महत्या'

गाजियाबाद । अब जीने की ईच्छा नहीं रही है और मेरी मौत के लिये कोई जिम्मेदार भी नहीं है और ना ही कोई प्रेम प्रसंग हैंए इन पंक्तियों को एक पेपर पर भेजकर बोकारो स्टील सिटी में रहने वाली 20 वर्षीय युवती कमरा बंद करके फांसी के फंदे पर झूल गई। इस घटना की सूचना मिलने के बाद एसएचओ इंदिरापुरम भी फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस के मुताबिक जिस युवती ने आत्महत्या की है उसका नाम कीर्ति पाठक पुत्री विनोद पाठक निवासी राणा प्रतापनगर जोड़ा मंदिर चास बोकारों स्टील सिटी बोकारों झारखण्ड है। वह कुछ दिन पूर्व मकनपुर निवासी राजकुमार त्यागी के मकान में रहने वाली अपनी बड़ी बहन उमा पाठक के यहां रहने आई थी। कमरा बंद करके उसने फांसी लगा ली। मृतका के पास एक सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस इस मामले में हर एंगिल पर जांच कर रही है।

आईटीआई के रोजगार मेले में 44 का चयन

नोएडा। जिला सेवायोजन कार्यालय गौतम बुद्ध नगर के तत्वाधान में मंगलवार को राजकीय आईटीआई जेवर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार सहायता अधिकारी मनीषा अत्री ने बताया कि रोजगार मेले में 04 कंपनियां साक्षात्कार लेने हेतु उपस्थित हुई। मेले में कुल 97 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण कराया जिनमें से 44 अभ्यर्थियों को रोजगार हेतु चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में जिन अभ्यर्थियों का रोजगार हेतु चयन हुआ उनको मौके पर ही नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

गरीबों और बेसहारों को ठंड से बचा रही नोएडा पुलिस

● शीत लहरी में जरूरतमंद लोगों को रैनबसेरा तक पहुंचा रहे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में जरूरतमंदों की मदद करती पुलिस।

गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने मानव मूल्यों की रक्षा के लिए एक अनोखी पहल शुरू की है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति अगर 112 पर कॉल करता है या करवाता है और बताता है कि वह जरूरतमंद हैए वह ठंड में परेशान है तो उसे पीआरबी की गाडिय़ों द्वारा नजदीक के रहने बसेरा में ले जाया जा रहा है। इस पहल को नोएडा के लोगों ने दिल से स्वीकारा है तथा तीन दिन में 50 से अधिक व्यक्तियों ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है, जिन्हें रैनबसेरा तक छोड़ा गया है। पुलिस उपायुक्त, यातायातद्ध लखन सिंह यादव ने बताया कि 1× दिसंबर से अत्यधिक सर्दी होने कारण पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के आदेशानुसार ठंड से परेशान या कोई भी बीमार व्यक्ति जो बेसहारा है अगर 112 पर कॉल करके सहायता मांगता है तो मौके पर पीआरबी की गाड़ी पहुंचेगी तथा उसे नजदीक के रैनबसेरा में ले जाकर भर्ती करवाया जा रहा है। उसकी पुलिस हर तरह से मदद करती है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों में 50 से अधिक व्यक्तियों ने 112 पर कॉल करके मदद मांगीए जिन्हे रैनबसेरा तक पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गृहमंत्री से शिवकुमार के गवाह ने लगाई सुरक्षा की गुहार, बताया जान को खतरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सुंदर, अनिल भाटी के जेल से बाहर आने के बाद जताई आशंका

कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी और उसके भतीजे अनिल भाटी के जेल से रिहा होने के बाद एक परिवार ने अपनी सुरक्षा को लेकर गृहमंत्री और मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है।

2017 में भाजपा नेता शिवकुमार सहित तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी। जिसमे सूंदर भाटी, अनिल भाटी सहित कई लोगों पर मुकदमा दर्ज हो गया था। उस मामले में गवाह की पत्नी ने सुरक्षा का हवाला देते हुए गृह मंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मामले में गुहार लगाई है। दरअसल नोएडा के बहलोलपुर निवासी वंदना ने गृह मंत्रालय को लेटर भेज कर बताया कि उनके जेठ शिवकुमार सहित तीन लोगों की 2017 में दिनदहाड़े बिसरख थाना क्षेत्र में हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में बदमाश सुंदर भाटी, अनिल भाटी, अरुण और नरेश तेवतिया सहित अन्य लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। महिला ने अपने लेटर में लिखा कि उनके पति शिवराम इस केस में गवाह हैं और पैरोकार हैं। उनके अनुसार, पहले भी इस गैंग के द्वारा गवाहों और पैरोंकारों को डराया-धमकाया गया था। इसको लेकर मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। अब शिवकुमार सहित तीनों लोगों की हत्या के मामले में गवाही चल रही है।

सुंदर भाटी सहित अनिल भाटी जेल से बाहर है। जिसको लेकर महिला ने अपने पति के जान का खतरा बताते हुए कहा कि कभी भी किसी घटना को अंजाम दे सकते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री से अपने पति और पूरे परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट व जान से मारने की धमकी में दो नामजद

नोएडा। कोतवाली दादरी क्षेत्र के चिटहेरा गांव के समीप एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना की रिपोर्ट पीड़ित ने दो नामजद व अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है । प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के तिलपता गांव निवासी आयुष साथ रहते हैं । वह 15 दिसंबर की रात्रि में फूलपुर गांव में आयोजित रिसेप्शन से लौटते समय स्कॉर्पियो व क्रेटा गाड़ी में सवार आजाद और हनी व कुछ अज्ञात लोगों ने उनके साथ गाली गलौज और मारपीट की।

चोरी के सामान के साथ पांच चोर गिरफ्तार

नोएडा। कोतवाली दादरी क्षेत्र के जीटी रोड पर एनटीपीसी कट के पास से पुलिस ने जांच के दौरान पांच चोरों को गिरफ्तार किया है । उनके कब्जे से एयरटेल टावर के आर आर यूए तीन बैटरी व अन्य सामान चोरी का बरामद किया है। पुलिस चोरों के अन्य साथियों की तलाश में लगी है । प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि कोतवाली दादरी क्षेत्र के जीटी रोड पर एनटीपीसी कट के पास पुलिस जांच कर रही थी।

नगदी के साथ चार जुआरी गिरफ्तार

नोएडा। जारचा कोतवाली क्षेत्र के ताजपुर गांव में टंकी के पास जुआ खेलते हुए चार लोगों को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा है । उनके कब्जे से पांच हजार दो सौ रुपए की नकदी व ताश की गड्डी बरामद कर कार्रवाई की गई है । प्रभारी निरीक्षक सोमनेश सिंह ने बताया कि जारचा कोतवाली क्षेत्र के ताजपुर गांव में गांव के ही चार लोग ताश की गड्डी लेकर जुआ खेल रहे थे । मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने छापा मारा । छापे के दौरान जगदीश ए सुरेश ए संजय और पिंटू ताश खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। उनके कब्जे से पांच हजार दो सौ रुपए की नकदी और ताश की गड्डी बरामद कर कार्रवाई की गई है।

यदु पब्लिक स्कूल का 21 को वार्षिक उत्सव

नोएडा। नोएडा सर्फाबाद सेक्टर 73 स्थित यदु पब्लिक स्कूल का 21 दिसंबर को वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस बात की जानकारी स्कूल प्रबंधन ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में दी। स्कूल की एमडी कुंज यादव ने बताया कि स्कूल का मुख्य उद्देश्य कम से कम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि स्कूल में शिक्षा के साथ-साथ खेल को भी प्राथमिकता दी जाती है, जिससे बच्चे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि खेलों में भी आगे बढ़ें। राज नारायण सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, डीपी यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर विजेंद्र सिंह और जिलाधिकारी मनीष वर्मा उपस्थित रहेंगे।

पेंशनर दिवस पर कलेक्ट्रेट परिसर में लगा मेडिकल कैंप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पेंशनर दिवस पर मेडिकल कैंप में पहुंचे लाभार्थी।

जनपद गौतम बुद्ध नगर के पेंशनरों की समस्याओं का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से संबंधित विभागों के अधिकारियों के माध्यम से निस्तारण हो सके इस उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में आज पेंशनर दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश ने जनपद के वरिष्ठ पेंशनर्स यशोदा गुप्ता उम्र 96 वर्षए रामेश्वर दयाल जी उम्र 91 वर्षए सुरेश चंद्र गुप्ता जी उम्र 90 वर्ष एवं डॉ रमेश पंडित जी उम्र 87 वर्ष तथा दुर्गा प्रसाद सिंघल जी उम्र 8× वर्ष को फूल माला एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने वरिष्ठ कोषाधिकारी से कहा कि पेंशनर्स के सम्मुख जो भी समस्या आ रही हैंए आज पेंशनर दिवस के अवसर पर उनका अनुश्रवण करते हुए शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश द्वारा आयोजित पेंशनर दिवस की अध्यक्षता करते हुऐ उपस्थित सभी पेंशनरों से उनका परिचय प्राप्त करते हुए उनकी सेवाओं के लिए बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रघुराज सिंह चौहान ने प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील शर्मा को जनपद के पेंशनर्स के सम्मुख आ रही समस्याओं तथा शिक्षा विभाग में लंबित चल रहे प्रकरणों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया जिनका प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी ने बहुत ही गहनता के साथ अनुश्रवण करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कहा कि हमारे सभी पेंशनर्स ने अपने जीवन के अहम पल शासकीय सेवाओं में दिए हैं, इसलिए हम सबका भी दायित्व बनता है कि हमारे पेंशनर्स ने पेंशनर दिवस के अवसर पर अपनी जिन समस्याओं से अवगत कराया है उनका यथाशीघ्र संज्ञान लेते हुए गुणवत्ता के आधार पर समयबद्धता के साथ निस्तारण कराया जाए। प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी ने पेंशनर दिवस में आए सभी पेंशनरों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आज चिकित्सा प्रतिपूर्ति एवं अन्य जो भी समस्याएं पेंशनर दिवस में दर्ज कराई गई हैं उनको शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराए जाने का कार्य संबंधित अधिकारियों के माध्यम से कराया जाएगा।

न्यायालय के आदेश पर दस लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली दादरी क्षेत्र के डाबरा गांव में दो माह पूर्व एक व्यक्ति मौत हो गई। मौत के बाद मृतक की पत्नी को प्रॉपर्टी न देने मारपीट कर घर से भागने और जान से मारने की धमकी देने के मामले को लेकर न्यायालय के आदेश पर पीड़िता ने तीन महिलाओं समेत दस लोगों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में लगी है ।

प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि कोतवाली दादरी क्षेत्र के डाबरा में अंशु देवी परिवार के साथ रहती है । अंशु देवी के पति सुनील कुलेसरा में दुकान करते थे । 21 सितंबर की रात में करीब 12 बजे सुनील को विधवा अंशु देवी की जेठ सतीश ने फोन कर कुलेसरा बुलाया और उसे ले गया। अंशु देवी ने 24 सितंबर को बताया कि उसकी अस्पताल में मौत हो गई है। शव को घर लेकर आ गए और अंतिम संस्कार कर दिया गया। लेकिन मौत का कारण किसी ने पीड़िता को नहीं बताया और सुनील की दुकान पर जेठ सतीश ने कब्जा कर लिया । जबकि विधवा अंशु देवी पर एक पांच वर्षीय पुत्र कुनाल है।

सतीश अपनी दो बहन कविता सविता और पत्नी अनीता के साथ पीड़िता को डरा धमका कर घर से भागने पर आमदा है । और उसके पति की संपूर्ण संपत्ति पर अवैध कब्जा करने पर आमदा है ।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 18 दिसंबर, 2024

दिल्ली सरकार के इमारतों में पांच स्टार रेटिंग बिजली उपकरण लगाना अनिवार्य

सीएम आतिशी फाइल को मंजूरी के लिए एलजी को भेजेंगी

● इस पहल से राजधानी में बिजली खपत होने के साथ ही सालाना करोड़ों रुपयों की बचत भी होगी : मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो।

राजधानी दिल्ली में जहां पर्यावरण प्रदूषण में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, वहीं आम आदमी की जेब पर भी जोर लगातार बढता जा रहा है। ऐसे में लोगों में एनर्जी एफिशिएंट घरेलू उपकरणों की मांग में बढ़ोतरी देखी जा रही है। लोग अपने कार्बन फुटप्रिंटस तो कम करना चाहते हैं साथ ही वे अपने बिजली के बिल पर भी बचत करना चाहते हैं। इसी दिशा में अब आम आदमी पार्टी की सरकार ने महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

दिल्ली सरकार ने अपनी सभी इमारतों में 5 स्टार रेटिंग एसी और एनर्जी एफिशिएंट पंखों का उपयोग अनिवार्य कर दिया है। सरकार का दावा है कि इस कदम से न केवल बिजली खपत कम होगी बल्कि सालाना करोड़ों रुपयों की बचत भी होगी। ये पहल देशभर के लिए एक मिशाल बनेगी कि कैसे तकनीक के सही इस्तेमाल और बेहतर योजना के जरिए ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री आतिशी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार फाइल को मंजूरी के लिए उपराज्यपाल के पास भेजेगी।

इस बाबत जानकारी साझा करते हुए आतिशी ने कहा कि, उनकी सरकार ने ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया है कि सभी सरकारी इमारतों में कम बिजली इस्तेमाल करने वाले बीएलडीसी पंखे, 5-स्टार रेटेड एयर कंडीशनर और अन्य ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग अनिवार्य होगा। यह कदम न केवल बिजली खपत और बिलों को कम करेगा, बल्कि एक हरित भविष्य की दिशा में भी बड़ा योगदान देगा। हमारा लक्ष्य है कि सरकारी इमारतों में ऊर्जा दक्ष उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए बिजली को बचाया जाए और इस निर्णय से हर साल करोड़ों रुपये की बचत करेंगे। साथ ही यह कदम पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में भी बड़ा योगदान देगा। मालूम हो कि दिल्ली सरकार की इमारतें बिजली की बड़ी खपतकर्ता हैं। सरकार के विभाग हर साल 2000 मिलियन यूनिट से अधिक बिजली का उपयोग करते हैं, जिसकी लागत 8.50 रुपये से 11.50 रुपये प्रति यूनिट होती है। इस कारण से बिजली बिलों पर 1900 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होते हैं।

बिजली की बचत के लिए उपलब्ध हैं कई विकल्प

तकनीक में सुधार के कारण बिजली बचाने के कई विकल्प उपलब्ध हैं। जैसे कि एलईडी लाइट्स ने पहले ही ऊर्जा बचत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, अब फोकस पंखों और एयर कंडीशनर्स पर है। बीएलडीसी पंखे, पारंपरिक पंखों की तुलना में, लगभग 40-45 वाट कम बिजली की खपत करते हैं। इससे हर साल प्रति पंखा लगभग 96 यूनिट बिजली बचाई जा सकती है, जिससे 950 से 1100 रुपये की बचत संभव है।

इसी तरह, 5-स्टार रेटेड एयर कंडीशनर सामान्य एसी की तुलना में 2800 से 3042 यूनिट बिजली बचा सकते हैं, जो सालाना 27,000 से 29,000 रुपये की बचत का कारण बनता है। इस पहल का मुख्य मकसद बिजली की बढ़ती मांग को नियंत्रित करना और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना है। इस साल गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 8656 मेगावाट तक पहुंच गई थी, जो पिछले वर्ष के 7438 मेगावाट के मुकाबले काफी अधिक है।

ऐसे में सरकारी इमारतें, जो बिजली की प्रमुख खपतकर्ता हैं, इस पहल से बिजली का दक्षता से इस्तेमाल करते हुए बिजली बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कैग रिपोर्ट सदन में पेश नहीं करना अपराध : विजेंद्र

● बोले, सरकार ने लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान की हत्या की है, सड़क से अदालत तक की लड़ाई लड़ेगा विपक्ष

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा 14 कैग रिपोर्ट्स को लेकर आम आदमी पार्टी पर हमलावर है। नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि कैग की रिपोर्ट्स को छुपाना, दबाना और सदन में नहीं रखना हत्या जैसा गंभीर अपराध। सरकार ने लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान की हत्या की है। विपक्ष इन रिपोर्ट्स को सदन में रखवाने के लिये सड़क से अदालत तक की लड़ाई लड़ेगा। इस मुद्दे पर सरकार बेनकाब हो चुकी है। कैग की ये रिपोर्ट्स आप सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होंगी।

विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली सरकार पर जानबूझकर कैग की 14 रिपोर्ट्स को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि आम आदमी पार्टी की सरकार अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए बार-बार विपक्ष की मांग और उपराज्यपाल के आदेश के बावजूद इन रिपोर्ट्स को विधानसभा में पेश नहीं कर रही है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए अगले 48 घंटे के अंदर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर तुरंत ही कैग की सभी 14 रिपोर्ट्स को सदन पटल पर रखने की मांग की है और कहा है कि यदि सरकार विधानसभा का विशेष सत्र नहीं बुलाती है तो भाजपा फिर से हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। ताकि कोर्ट कैग की रिपोर्ट्स को विधानसभा पटल पर रखने के लिए सरकार को आवश्यक निर्देश दे।

उन्होंने कहा कि विपक्ष इन रिपोर्ट्स को सदन में रखने के लिए सरकार को विवश कर देंगे। चाहे कुछ भी हो सरकार को ये सभी रिपोर्ट्स सदन के पटल पर रखनी ही होंगी।

'केजरीवाल जांच के घेरे में होंगे'

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की यह अजीब विडम्बना है की केजरीवाल ने वर्ष 2011-12 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत सीएजी रिपोर्टों को सार्वजनिक कर उन पर कार्रवाई एवं पावर डिस्कॉम की भागीदार निजी कम्पनियों के खातों की जांच मांग से की थी उन्हीं अरविंद की सरकार आज दो साल से सीएजी की रिपोर्टों को सार्वजनिक करने से बच रही है। साथ ही अब आप सरकार पावर डिस्कॉम के निजी पार्टनरों के बचाव में भी सक्रिय है।

नुक्कड़ नाटकों के जरिए भाजपा ने केजरीवाल पर बोला हमला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● भाजपा के चुनाव नैरेटिव को जन जन तक पहुंचा रही हैं नुक्कड़ सभाएं : वीरेंद्र

विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई है। इसके मद्देनजर विभिन्न दलों की तरफ से तरह-तरह के प्रचार प्रसार के साधन अपनाए जा रहे हैं। इस कड़ी में दिल्ली भाजपा ने आम आदमी पार्टी की सरकार और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नुक्कड़ नाटकों के जरिए निशाना साध रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की सामान्यता भाजपा चुनाव एवं प्रत्याशी की औपचारिक घोषणा के बाद सभाओं का आयोजन करती रही है पर दिल्ली वालों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं में केजरीवाल की अकर्मण्य एवं भ्रष्ट सरकार उखाड़ फेंकने का नया उत्साह है और उसी उत्साह ने चुनावी मौहाल में पार्टी ने प्रचार नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शुरू करने को प्रोत्साहित किया है।

सचदेवा ने कहा है की किसी भी चुनाव वह हर पार्टी अपना नैरेटिव सेट करती है और भाजपा अपने पहले चरण के प्रचार में केजरीवाल सरकार की बेसिक विफलताओं को उठा रही है। दिल्ली भाजपा की नुक्कड़ सभा समिति के पूर्व अध्यक्ष सतीश उपाध्याय के नेतृत्व में चुनाव नैरेटिव को जन जन तक पहुंचा रही हैं।

उपाध्याय के साथ 15 कार्यकर्ताओं की एक टीम रोजाना शक्ति केन्द्र स्तर यानि हर 3 से 4 पोलिंग बूथ पर एक नुक्कड़ सभा का आयोजन कर रही है। दिल्ली में रोजाना लगभग हर नगर निगम वार्ड स्तर पर एक सभा का आयोजन हो रहा है। सतीश उपाध्याय ने कहा है की भाजपा ने पिछले एक सप्ताह में 1812 नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से गली गली तक उठाई हैं अरविंद केजरीवाल सरकार की विफलताएं। दिल्ली वाले ठप्प विकास, प्रदूषण के आलावा लचर जन स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्थाओं, जल जमाव एवं पेयजल संकट से परेशान है।

तंग गलियों में बनाया वर्ल्ड क्लास एकेडमिक ब्लॉक : सीएम

● आतिशी ने मुकुंदपुर गांव में किया उद्घाटन, बोलीं, मैंने बड़े प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई की, लेकिन ऐसी सुविधाएं वहां भी नहीं थीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्कूल भवन का उद्घाटन करतीं सीएम आतिशी।

आप सरकार ने मुकुंदपुर गांव की तंग गलियों में बनाया स्कूल का वर्ल्ड क्लास अकेडमिक ब्लॉक। बनवाया। मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को उद्घाटन किया। साथ ही कहा कि यह निजी स्कूलों से भी शानदार हैं। मैंने बड़े प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई की, लेकिन ऐसी सुविधाएं वहां भी नहीं थीं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1947 से 2015 तक सरकारी स्कूलों में 24,000 कमरे बने। आप सरकार ने मात्र 10 सालों में किया 65 सालों का काम 22,000 से ज्यादा कमरें बनवाए। आप सरकार की शिक्षा क्रांति की बदौलत अब गरीब का बच्चा गरीब नहीं बनता, अच्छी शिक्षा पाकर अपने सपने पूरे करता है।

आतिशी ने कहा कि स्कूल के नए अकेडमिक ब्लॉक के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि, इतनी घनी आबादी वाले इलाके में जहाँ मात्र कुछ दूरी में ही 1 लाख को आबादी है। इतनी घनी आबादी, इतनी संकरी गलियों के बीच इतनी शानदार बिल्डिंग बनी है। आज 36 कमरों की ये बिल्डिंग इस पूरे इलाके के प्राइवेट स्कूलों में इतनी शानदार बिल्डिंग, इतने शानदार क्लासरूम, लैब नहीं मिलेंगे। नए अकेडमिक ब्लॉक से छात्राओं को होगा फायदा। पढ़ाई के लिए घर से दूर नहीं जाना होगा। क्लासरूम पर कम होगा स्टूडेंट्स का दबाव पढ़ाई का स्तर सुधरेगा। इस नई बिल्डिंग के बाद खासतौर पर लड़कियां जो दसवीं के बाद अक्सर दूर के स्कूलों में जाती थी। इस नई बिल्डिंग से सबसे ज्यादा फायदा यहां की छात्राओं को होगा। उन्हें पढ़ाई के लिए घर से दूर नहीं जाना पड़ेगा। पहले एक कक्षा में 80-80 बच्चे बैठते थे। उसमें अब 50 बच्चे पढ़ेंगे। लेकिन इस नई बिल्डिंग के साथ अब यहाँ पढ़ाई के स्तर में भी सुधार आएगा।

उन्होंने कहा एक समय ऐसा था जब लैब में मौजूद उपकरणों को बच्चों को हाथ भी नहीं लगाने दिया जाता था लेकिन आज इस लैब को देखकर इस लैब को दिखाने वाली बच्ची का आत्मविश्वास देखकर समझ आ गया कि अब जमाना बदल गया है। जिस आत्मविश्वास से 11 वीं की बच्ची ने एक एक इक्यूपमेंट्स के बारे में बताया वो हमारे स्कूलों में पढ़ाई के स्तर में हुए बदलाव को दिखाता है। यही हमारा सपना भी था

विशेषताएं : चार मंजिले भवन में 36 कमरें, 3 शानदार लैब, प्रिंसिपल ऑफिस, समता विहार और मुकुंदपुर गाँव के 1000 बच्चों को फायदा होगा।

येलो लाइन पर बुधवार से 10 दिनों तक प्रभावित रहेगी मेट्रो सेवा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की एलो लाइन पर जहांगीरपुरी और समयपुर बादली स्टेशनों के बीच ट्रेन सेवाएं बुधवार से दस दिनों के लिए प्रभावित रहेंगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने यह जानकारी दी।

डीएमआरसी ने एक्स पर कहा कि जहांगीरपुरी से समयपुर बादली के बीच ट्रेन सेवाएं मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि से 28 और 29 दिसंबर की मध्यरात्रि तक रात 10.45 बजे के बाद राजस्व सेवा समाप्त होने तक और राजस्व सेवा शुरू होने से सुबह 7.02 बजे तक उपलब्ध नहीं रहेंगी। इस दौरान समयपुर बादली, रोहिणी सेक्टर-18, 19 और हैदरपुर बादली मोड़ स्टेशन बंद रहेंगे। हालांकि, जहांगीरपुरी-मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम के बीच ट्रेन सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी। डीएमआरसी ने यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

'कांग्रेस मजबूत स्थिति में, चुनाव जीतेंगे'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस उम्मीदवारों का कमेटी के सदस्यों के परिचय के दौरान।

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की घोषित पहली सूची के 21 उम्मीदवार का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से दिल्ली प्रभारी मौहम्मद काजी निजामुद्दीन समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों का परिचय कराया और उनको जीत के लिए शुभकामनाएं भी दी। यादव ने कांग्रेस नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि पहली सूची में अनुभवी, सक्षम, युवा, महिला सभी वर्गों को समाहित करके कांग्रेस उम्मीदवारों की घोषणा की है और जल्द ही अगली सूची में भी इसी तरह का समावेश सुनिश्चित करके प्रत्याशियों की घोषणा करेंगे, जिस पर चर्चा चल रही है।

देवेन्द्र यादव ने चुनाव से संबंधित सभी दस्तावेज, विधानसभा के कार्यकर्ता व नेताओं की सूची, मूल वोटर लिस्ट और पेन में वोटर लिस्ट व अन्य जानकारी सभी 21 कांग्रेस उम्मीदवारों को देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में पूरी व्यवस्था का विकेन्द्रीकरण किया जाएगा। जिसके लिए पार्टी ने प्रियव्रत सिंह की अध्यक्षता में वार रूम बनाया है जो पूरी तरह उम्मीदवारों के साथ सहयोग करने के लिए काम करेगा। उन्होंने कहा कि नामांकन, चुनाव, कानूनी अथवा व्यक्तिगत रूप से संबंधित यदि कोई भी आपको मुश्किल होगी, आपके सहयोग और परेशानी को दूर करने का काम वार रुम करेगा। वार रुम हमेशा कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों के साथ तालमेल बनाकर रखेगा जिसके लिए एक सेंट्रलाइज नम्बर भी होगा। कांग्रेस मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। सभी विधानसभाओं के लोगों और नेताओं को एकजुट होकर, बूथ स्तर तक के एजेंट व कार्यकर्ताओं के साथ सम्पर्क बनाकर विधानसभा में जीत का लक्ष्य साधकर जीतने के लिए चुनाव लड़ना होगा, तभी अच्छे परिणाम सामने आऐंगे। मौहम्मद काजी निजामुद्दीन ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुश्किल समय में जो विश्वास आप लोगों पर जताया है, वह कांग्रेस नेतृत्व का धन्यवाद करते हैं।

दिल्ली के किसानों को नहीं मिल रहा लाभ : शिवराज चौहान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● केंद्रीय कृषि मंत्री ने लोकसभा में कहा, अन्न दाताओं को महत्वपूर्ण लाभों से वंचित किया जा रहा है

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्र की कृषि संबंधी योजनाओं को लागू नहीं करने के लिए दिल्ली सरकार की आलोचना करते हुए मंगलवार को कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि यहां के किसानों को महत्वपूर्ण लाभों से वंचित किया जा रहा है।

चौहान ने लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के सांसद रामवीर सिंह विधूड़ी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार को राजधानी के क्षेत्र में किसानों के फायदे के लिए केंद्र की योजनाओं को लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा, वह दिल्ली सरकार से अनुरोध करते हैं कि किसानों के लाभ के लिए किसान केंद्रित योजनाओं को लागू करे। केंद्र किसानों को लाभान्वित करने के लिए राज्य सरकारों के साथ समन्वय से काम करती है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली सरकार अनेक केंद्रीय योजनाओं का लाभ नहीं उठा रही है।

उपराज्यपाल की मौजूदगी में नष्ट किया नशीला पदार्थ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मादक पदार्थों को नष्ट करते उपराज्यपाल।

नशा मुक्ति अभियान का उद्देश्य नशे के खतरे के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सरकार के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करना और समाज को सुरक्षित बनाना है। इसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक छापेमारी और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने नशामुक्त दिल्ली 2027 अभियान के तहत मेगा ड्रग डिस्ट्रक्शन इवेंट आयोजित किया।

दिल्ली पुलिस के अनुसार 15 दिसंबर, 2024 तक, दिल्ली में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुल 1,714 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 2169 ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी हुई है। साथ ही 3.13 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है, तथा 3 करोड़ की अतिरिक्त संपत्ति जब्ती के अंतिम चरण में है। इसके अलावा, 7 ड्रग तस्करों के खिलाफ पीआईटीएनडीपीएस के तहत कार्रवाई शुरू की गई है, जबकि 37 अन्य के खिलाफ कार्यवाही जारी है।

● पुलिस ने वर्ष 2027 तक दिल्ली को नशा मुक्त बनाने का विशेष अभियान चलाया है

एलजी के मार्गदर्शन में, वर्ष 2027 तक ड्रग-मुक्त दिल्ली करने के अपने दृढ़ मिशन के अनुरूप, दिल्ली पुलिस ने ड्रग को नष्ट करने की योजना पर काम कर रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को बायोटिक वेस्ट लॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड एसएसआई औद्योगिक क्षेत्र में जब्त नशीले पदार्थों को नष्ट किया। 1 दिसंबर से 31 दिसंबर 2024 तक चलने वाली पायलट परियोजना का लक्ष्य अपराध शाखा से संबंधित लगभग 6,370.7 किग्रा नशीले पदार्थों को नष्ट करना है। इसमें गांजा (3,498.8 किग्रा), हशीश (188 किग्रा), हेरोइन (219 किग्रा), कोकेन (1.3 किग्रा), एलएसडी (13 ग्राम) व अन्य मादक पदार्थों को नष्ट किया।

लैंडफिल साइटों पर घटा ठोस अपशिष्ट कचरे का निपटान : एलजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ओखला लैंडफिल साइट का अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना।

● उपराज्यपाल ने ओखला लैंडफिल साइट का किया निरीक्षण, जैविक उपचार की घटती दर पर चताई चिंता

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ओखला समेत अन्य लैंडफिल साइटों पर ठोस अपशिष्ट कचरे के जैविक उपचार की मंद और कई मामलों में घटती दर पर गंभीर चिंता और निराशा जताई। एलजी ओखला गाजीपुर और भलस्वा की लैंडफिल साइटों पर बायोरिमेडिएशन कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उनके देखरेख में मई 2023 तक, केवल एक वर्ष के भीतर, कचरे निपटान की दर 1.41 लाख मीट्रिक टन प्रति माह से बढ़कर 6.5 लाख मीट्रिक टन प्रति माह हो गई थी। एलजी के निरीक्षण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि औसत निपटान, जो बढ़कर लगभग 22,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया था, अब घटकर लगभग 20,000 मीट्रिक टन ही रह गया है जबकि उपराज्यपाल ने ऐसी प्रणाली की कल्पना की थी, जिसमें ठोस अपशिष्ट कचरे का निपटान 10 लाख मीट्रिक टन प्रति माह यानी 33,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन तक बढ़ सके।

उपराज्यपाल ने सोमवार को ओखला लैंडफिल साइट का दौरा किया। यह दौरा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन, नागरिक समूहों और जनप्रतिनिधियों द्वारा शहर की सड़कों पर खुले में पड़े कचरे और उसके निपटान में हो रही कमी के कारण उत्पन्न स्वच्छता और स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर की गई शिकायतों के बाद किया गया।

यह उल्लेखनीय है कि उपराज्यपाल ने शहर में ठोस अपशिष्ट कचरे के निपटान की निगरानी से खुद को अलग कर लिया था, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के उस आदेश पर रोक लगवा दी थी, जिसमें 11 जुलाई 2023 को यमुना नदी की सफाई और पुनरुद्धार के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्हें नियुक्त किया गया था।

एनजीटी ने उपराज्यपाल को ठोस कचरे के प्रबंधन और निपटान की निगरानी के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया था, इस मामले को आम आदमी पार्टी की सरकार ने चुनौती दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कोई रोक नहीं लगाई है, और मामला अब भी लंबित है। इसके बावजूद, उपराज्यपाल ने इसे यमुना मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए स्थगन से उत्पन्न परोक्ष प्रभाव मानते हुए स्वेच्छा से ठोस कचरे के प्रबंधन के मुद्दे से पीछे हटने का निर्णय लिया।

उपराज्यपाल को अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में जैविक उपचार का कार्य बंद हो चुका है।

संक्षिप्त समाचार

बवाना की फैक्टरी में आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बवाना इलाके में मंगलवार को एक प्लास्टिक फैक्टरी में आग लग गई। राहत की बात है कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने बताया, हमें सुबह 6 बजकर 19 मिनट पर सूचना मिली और दमकल की 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घटना में अब तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

ईसीआई चुनाव तैयारियों की आज करेगा समीक्षा

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग बुधवार को दिल्ली में अपने चुनाव तंत्र की तैयारियों की समीक्षा करेगा, जहां अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। सूत्रों ने बताया कि स्थानीय चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के अलावा निर्वाचन आयोग यहां पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से भी बातचीत करेगा। चुनाव कार्यक्रम तय करने से पहले आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेगा। दिल्ली विधानसभा में 70 सदस्य हैं। विधानसभा का कार्यकाल अगले वर्ष 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है और उससे पहले चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव पारंपरिक रूप से एक ही चरण में होते रहे हैं।

हाईकोर्ट ने जामा मस्जिद का निरीक्षण का दिया समय

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में जामा मस्जिद का निरीक्षण करने और रिपोर्ट दाखिल करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को और समय दिया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने जामा मस्जिद को संरक्षित स्मारक घोषित करने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर विचार करते समय 29 जनवरी 2025 को अगली सुनवाई से कम से कम एक हफ्ते पहले एएसआई को अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

एआईसीटीई और सीआईआई के बीच साझेदारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और भारतीय उद्योग परिसंघ ने कौशल विकास पर 11वें सीआईआई वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। इस सहयोग का उद्देश्य सभी एआईसीटीई अनुमोदित तकनीकी संस्थानों में वर्तमान और भविष्य में उद्योग जगत की जरूरतों पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना है। इस दौरान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव एवं राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद के अध्यक्ष अतुल कुमार तिवारी, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम, भारत में ऑस्ट्रेलिया के उप उच्चायुक्त निकोलस मैककैफ्रे समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 18 दिसंबर, 2024

ट्रेन से कटकर दो युवकों की दर्दनाक मौत

पलवल असावटी के बीच अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसे, एक की नहीं हो पाई पहचान

दयाराम वशिष्ठ। पलवल

- रेलवे ट्रैक पार कर खेत पर जा रहा था देवली गांव का तिलकराज
- दिल्ली से आगरा जा रहे एक अन्य युवक की एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर मौत, नहीं हो सकी है शिनाख्त

पलवल असावटी रेलवे स्टेशन के बीच अलग-अलग स्थानों पर ट्रेन से दो युवकों की मौत हो गई। इनमें एक की मौत रेलवे लाइन पार करते वक्त हुई, जबकि दूसरे युवक की मौत का किसी एक्सप्रेस ट्रेन के गिरकर हुई। मृतकों में एक की पहचान देवली गांव के युवक के रूप में हुई है, जबकि ट्रेन से गिरे युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव पोस्टमार्टम एवं पहचान के लिए पलवल के सरकारी अस्पताल में रखवाया गया है।

असावटी जीआरपी चौकी इंचार्ज एवं जांच अधिकारी नवल सिंह ने बताया कि उन्हें दोपहर करीब तीन बजे सूचना मिली थी कि देवली गांव के समीप एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। वे टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान देवली गांव निवासी तिलक राज के रूप में हुई। उन्होंने शव पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों के हवाले कर दिया है। मृतक अपने परिवार का इकलौता बेटा था तथा वह घर से ट्रैक पार कर खेतों पर जा रहा था। जहां ट्रैक पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गया।

वहीं, दूसरी दुर्घटना पलवल-असावटी के बीच पटाखा गोदाम के समीप में हुई, जिसमें करीब 30 वर्षीय युवक की किसी एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। यह हादसा रात 12 बजे के बाद का है। रेलवे कर्मचारियों ने सुबह करीब पांच बजे इसकी सूचना असावटी चौकी इंचार्ज नवल सिंह को दी। सुबह होने पर इंचार्ज अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। युवक का शव अप मेन लाइन व डाउन लाइन के बीच में पडा हुआ था। मृतक ने सफेद जैकेट और लोअर पहना हुआ है। उसकी जेब से एक रेलवे का दिल्ली से आगरा तक का टिकट भी मिला है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक किसी एक्सप्रेस के साधारण डिब्बे से आगरा जा रहा था। जिसकी अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है।

जीआरपी आगरा व मथुरा को भेजी गई है सूचना

चौकी इंचार्ज नवल सिंह ने मृतक युवक की शिनाख्त न होने पर शव को पहचान के लिए पलवल के सरकारी अस्पताल में रखवा दिया है। इसकी सूचना मथुरा व आगरा राजकीय रेलवे पुलिस को फोन पर दे दी गई है, ताकि उसकी शिनाख्त की जा सके। मृतक के पास न तो कोई मोबाइल मिला है और न ही कोई पहचान पत्र। पहनावे को देखकर लगता है कि वह किसी अच्छे घराने से संबंध रखता होगा। फरीदाबाद जीआरपी थानाध्यक्ष राजपाल के नेतृत्व में असावटी चौकी इंचार्ज नवल सिंह व अन्य टीम मृतक की शिनाख्त में जुटी है।

बाइक पर स्टंट कर महिलाओं को परेशान करने वाले दो मनचले धरे

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह के दिशा निर्देश के अंतर्गत जिला पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा के मध्य नजर लगातार कार्य किया जा रहा है, इसी क्रम में मंगलवार को महिला थाना एनआईटी की दुर्गा शक्ति की टीम ने रोज गार्डन पार्क एनआइटी के पास से दो युवकों को मोटरसाइकिल पर स्टंट बाजी करते हुए काबू किया है।

युवकों द्वारा मोटरसाइकिल पर स्टंट किया जा रहा था और मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी हुई थी, स्टंटबाजी करने से पार्क में घूम रही महिलाओं व बुजुर्गों को परेशानी हो रही थी, जिस पर दुर्गा शक्ति की टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मोटरसाइकिल को इंपाउंड कराया गया है तथा नवयुवकों के परिजनों को बुलाकर समझाया गया और भविष्य में इस तरह की हरकत ना करने बारे निर्देशित किया गया। गौरतलब है कि महिलाओं से छेड़खानी की घटनाएं शहर में बढ़ने के साथ ही पुलिस ने इन पर लगाम लगाने को कदम बढ़ाया है।

विपुल गोयल बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

- शहरी स्थानीय निकाय मंत्री बोले, हरियाणा में पार्टी से जोड़े जाएंगे 50 लाख से ज्यादा सदस्य

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य बनने के बाद हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि हरियाणा में भाजपा का सदस्यता अभियान जोरों पर हैं और भाजपा के सदस्य बनने के लिए हरियाणा की जनता में खासा उत्साह है। प्रदेश में भाजपा का लक्ष्य 50 लाख लाख नए सदस्य जोड़ने का है और अभी तक 35 लाख से ज्यादा नए सदस्य बन चुके हैं। गोयल ने कहा कि अगले कुछ दिनों में हम सदस्यता अभियान को पूर्ण करेंगे और प्रदेश में 50 लाख से ज्यादा नए सदस्य जोड़ेंगे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार लगातार योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की जनता को सशक्त करने और प्रदेश का विकास कर रही है जिससे प्रदेश की जनता में भाजपा के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है और हजारों की तादाद में लोग लगातार भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन रहे हैं । सोमवार को प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भाजपा के सक्रिय सदस्य बने । इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा, फरीदाबाद सक्रिय सदस्यता अभियान के संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष पंकज रामपाल, फरीदाबाद विधानसभा के सक्रिय सदस्यता संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष वजीर सिंह डागर, पंकज सिंगला, मंडल अध्यक्ष कुलदीप साहनी, नीरज मित्तल आदि उपस्थित रहे। गोयल ने कहा कि हमारे कार्यकर्ता ही भाजपा की शक्ति और सामर्थ्य हैं। साधारण सदस्यता के साथ भाजपा की सक्रिय सदस्यता अभियान भी शुरू हो चुका है और जो कार्यकर्ता अपने साथ 50 सदस्य जोड़ेंगे उसे ही पार्टी में सक्रिय सदस्य बनाया जायेगा और सक्रिय सदस्य को ही पार्टी संगठन में मौका मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा कि जिले में सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत हो चुकी है।

बांग्लादेशी व रोहिंग्या को लेकर पुलिस अलर्ट

- जिले में चलाया जा रहा है सर्च अभियान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली में अवैध रुप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर छापेमारी की गई है। इस कारण दिल्ली में रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों का फरीदाबाद में आगमन की संभावना से इंकार नही किया जा सकता, जिसपर संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह ने सभी पुलिस उपायुक्त को निर्देशित किया है कि अपने अपने क्षेत्र में इस ओर विशेष ध्यान देकर निगरानी का स्तर बढ़ाया जाए तथा लगातार चेकिंग कराई जाए।

पुलिस प्रवक्ता ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली से बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों का फरीदाबाद में आगमन की संभावना के मध्यनगर पुलिस आयुक्त के दिशा निर्देशों के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए सभी थाना प्रबंधक, चौकी प्रभारियों व अपराध शाखा की टीमों द्वारा दिल्ली के सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही जिले के सभी होटलों/ धर्मशालाओं/ सराय इत्यादि की चैकिंग के साथ-साथ यातायात व लोकल पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर वाहनों की भी चेकिंग की जा रही है।

आगे उन्होंने बताया कि मामले को लेकर फरीदाबाद पुलिस गम्भीर है किसी भी घुसपैटिया को फरीदाबाद में प्रवेश नही करने दिया जाएगा। फरीदाबाद पुलिस के गुप्त तंत्रों अलर्ट है और सभी प्रबंधक थाना, चौकी प्रभारी व अपराध शाखा द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में लगातार सर्च की जा रही है।

फर्जी सर्टिफिकेट से नप का चुनाव जीती अध्यक्ष अंजू देवी की कुर्सी छिनी

- हाईकोर्ट ने दिया पद से इस्तीफा देने का आदेश
- राजस्थान से जारी फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर लड़ा था चुनाव
- आम आदमी पार्टी से चुनाव जीती प्रत्याशी ने कराया था केस दर्ज
- 30 दिन जेल में रहने के बाद फिर से संभाला था पदभार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोहना नगर पालिका चेयरपर्सन का पद ग्रहण करती अंजू देवी। (फाइल फोटो)

आखिरकार सोहना नगर परिषद की चेयरपर्सन अंजू देवी को अपना पद गंवाना ही पड़ा। स्कूल के फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर उन्होंने चुनाव लड़कर जीत दर्ज की थी। दूसरे नंबर पर रही आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी ने अंजू देवी के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इस मामले में अंजू देवी 30 दिन राजस्थान में जेल में भी रहीं। जमानत पर रिहा होकर फिर से पद पर आसीन हो गई।

बता दें कि नगर परिषद सोहना के चुनाव 19 जून 2022 को हुए थे। इस चुनाव में अंजू देवी ने जीत दर्ज की थी। अंजू देवी द्वारा चुनाव प्रक्रिया में जमा कराए गए दस्तावेजों में से 8वीं कक्षा की मार्कशीट को फर्जी बताते हुए आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार ललित ने राजस्थान में केस दर्ज कराया था। साथ ही पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की थी। अंजू देवी को 28 मई 2023 को नगर परिषद सोहना के वार्ड-2 स्थित गलोबल हाईट सोसायटी के फ्लैट से राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन्हें अदालत ने जमानत ना देकर जेल भेज दिया। 30 दिन तक वे राजस्थान में जेल में रहीं। जेल जाने पर हरियाणा सरकार ने अंजू देवी को चेयरपर्सन पद से निलंबित कर दिया था तथा चार्ज वाईस चेयरपर्सन को दे दिया गया। चार जुलाई को अंजू देवी की जमानत याचिका को अदालत ने स्वीकार कर जमानत दे दी थी।

इस तरह से चला पूरा प्रकरण

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में बहस के दौरान याचिकाकर्ता के वकील आर. कार्तिकेय ने कोर्ट को जानकारी दी गई कि भाजपा प्रत्याशी अंजू देवी ने फरीदाबाद के भाकरी से पढ़ाई की थी। वहां पर वह आठवीं कक्षा में फेल हो गई थी। चुनाव लडने के लिए अंजू देवी ने राजस्थान से बना सर्टिफिकेट जमा कराया था। जांच में सामने आया कि उस सर्टिफिकेट पर स्कूल मुखिया के फर्जी हस्ताक्षर थे। यानी सर्टिफिकेट पूरी तरह से फर्जी थी। स्कूल प्रिंसिपल ने भी अंजू देवी के खिलाफ राजस्थान में मुकदमा भी दर्ज कराया है। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि अंजू ने चुनाव में जीत तो हासिल की है, लेकिन चुनाव लडने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र लगाया गया। कोर्ट से मांग की गई अंजू देवी की चेयरपर्सन की शपथ पर रोक लगाई जाए। मामले की सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि राज्य चुनाव आयोग के आदेश पर डीसी को इस मामले की जांच सौंपी गई है।

ढाबा-गाड़ियों में तोड़फोड़ तथा आगजनी की घटना में दोनों पक्षों से तीन गिरफ्तार

- पकड़े गए लोगों में ढाबा संचालक भी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सोहना चौक के पास ओल्ड जेल कॉम्पलेक्स में रविवार की रात व सोमवार की सुबह हुए झगड़े, आगजनी की घटना में पुलिस ने दो केस दर्ज किए हैं। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दोनों पक्षों से ढाबा संचालक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि 15 दिसंबर रविवार को थाना शिवाजी नगर क्षेत्र स्थित सोहना चौक के पास जेल की रोटी बोटी ढाबा पर झगड़ा हो गया था। हमलावरों ने वहां पर तोड़फोड़ की। इसके बाद सोमवार को भी यहां झगड़ा हुआ। इस दौरान गाड़ियों में आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस थाना शिवाजी नगर की पुलिस टीम को शिकायतकर्ता ने कहा कि वह 15 दिसंबर को जेल की रोटी बोटी ढाबा पर ढाबा संचालक हेमंत शर्मा तथा अपने अन्य दोस्त के साथ खाना खा रहा था। वहीं पर कुछ व्यक्ति एक खड़ी कार के पास जन्मदिन की पार्टी कर रहे थे। जब उसने खाने का आर्डर दिया तो उन व्यक्तियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। जब उसके दोस्त छुड़ाने आए तो उन लोगों ने उनके साथ भी मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी। इस शिकायत कर थाना शिवाजी नगर में केस दर्ज किया गया। इस घटना के संबंध में दूसरे पक्ष से भी एक व्यक्ति द्वारा थाना शिवाजी नगर में शिकायत दी गई। बताया गया कि वह अपने दोस्तों के साथ सोहना चौक के नजदीक जन्मदिन की पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने बैठने के लिए जेल की रोटी बोटी ढाबा के पास से कुर्सी उठा ली। इसी बात को लेकर ढाबा मालिक व उसके साथियों ने इनके साथ मारपीट की। जब हम वहां से चले गए तो उनके ऑटो व गाड़ी में तोड़फोड़ की।

एक इको गाड़ी में आग लगा दी। इस शिकायत पर थाना शिवाजी नगर में केस दर्ज किया गया। दोनों पक्षों की तरफ से केस दर्ज करके पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मंगलवार को एक आरोपी को काबू किया। आरोपी की पहचान अनिकेत निवासी गांव खांडसा के रूप में हुई है। इसके अलावा दोआरोपियों को शिवाजी नगर से काबू किया गया है। आरोपियों की पहचान हेमंत (ढाबा संचालक) व मोहित दोनों निवासी इस्लामपुर जिला गुरुग्राम के रूप में हुई है।

जिला अटॉर्नी कार्यालय ने तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर किया जागरुक

पलवल। जिला अटॉर्नी कार्यालय पलवल द्वारा तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) पर व्यापक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आदर्श पब्लिक स्कूल रसूलपुर में शिक्षकों और छात्रों के बीच तथा गांव लुलवाड़ी और नंदावाला में ग्रामीणों की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अटॉर्नी विकास शर्मा और सह अध्यक्षता डिप्टी जिला अटॉर्नी विनोद शर्दाना ने की। सहायक जिला अटॉर्नी नवदीप सिंह व थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुंदरपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिला अटॉर्नी विकास शर्मा ने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य अपराधियों को कड़ी सजा देने के साथ-साथ पीड़ितों को त्वरित न्याय प्रदान करना है। इन कानूनों के माध्यम से न्याय की सरलता और नागरिक अधिकारों के संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। जिला अटॉर्नी विकास शर्मा ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव लाएंगे।

गुरुग्राम में 3.80 लाख पहुंची भाजपा की सदस्यता संख्या: यादव

- सरपंच सुंदर लाल यादव ने लोगों को अधिक से अधिक संख्या में भाजपा से जुड़ने का किया आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पिरामिड ए-1 यूनिसेक्स सैलून का उद्घाटन करते सरपंच सुंदर लाल यादव।

भाजपा हरियाणा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि जिले में भाजपा के सदस्यता अभियान को तेजी से चलाया जा रहा है। सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से सदस्यता संख्या जिला में 3.80 लाख के करीब पहुंच गई है। यह बात उन्होंने मंगलवार को सेक्टर-86 स्थित पिरामिड ए-1 यूनिसेक्स सैलून का उद्घाटन करने के बाद स्थानीय लोगों के बीच कही।

इस अवसर पर आयोजकों की ओर से किए गए स्वागत व मान-सम्मान के लिए उन्होंने आभार जताया। सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि जनहित में भाजपा सरकार ने जो कार्य किए हैं, वे पहले की सरकारें कभी नहीं कर पाई। भय और भ्रष्टाचार को खत्म करके सरकार ने प्रदेश में बेहतर माहौल दिया है। उन्होंने कहा कि गरीबों, जरूरतमंदों के लिए भाजपा सरकार ने योजनाएं चलाकर अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले बतौर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया। अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश को विकास के मामले में मजबूत और अग्रणी राज्य बना रहे हैं। सुंदर लाल यादव ने कहा कि अंत्योदय का मिशन लेकर प्रदेश सरकार काम कर रही है। सरकार द्वारा अंत्योदय परिवारों की महिलाओं को 500 रुपये में सिलेंडर देने का निर्णय लेकर ऐतिहासिक कार्य किया गया है। डिजिटलीकरण को लागू करके लोगों को घर बैठे सुविधाएं देने का काम सरकार ने किया है। डिजिटल के दौर में भ्रष्टाचार पर काफी हद तक लगाम लगी है।

संक्षिप्त समाचार

जरूरतमंदों को कंबल भेंट करते रेड क्रॉस सचिव विकास कुमार व नवकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल आर्य, महासचिव सुनील आर्य तथा अन्य।

नवकल्प फाउंडेशन ने गरीबों को बांटे कंबल व जूते

गुरुग्राम। नवकल्प फाउंडेशन और रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से गरीबों, जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए आओ हाथ बढ़ाएं अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत कंबल, जूतों का वितरण किया जा रहा है। इस अभियान का यह चौथा है। टीम नवकल्प ने जिला रेड क्रॉस के साथ मिलकर बस स्टैंड, शीतला माता मंदिर के आस-पास गर्म कंबल वितरित किए। रेड क्रॉस सचिव विकास कुमार की अगुवाई में नवकल्प के अध्यक्ष अनिल आर्य, महासचिव डॉ. सुनील आर्य, समाजसेवी ललित कुमार, राजेंद्र प्रशाद तिवारी व रेड क्रास की टीम शामिल रही। सचिव विकास कुमार ने नवकल्प की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल से ही नवकल्प सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के लिए सतत काम कर रही हैं। स्वयंसेवी संस्थाओं के कामों से समाज में जरूरतमंदों को बड़ा सहारा मिलता है।

लूट की साजिश रचते तीन गिरफ्तार

गुरुग्राम। अवैध हथियार के बल पर लूट की वारदात को अंजाम देने की कोशिश कर रहे तीन आरोपियों को अवैध हथियार के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 16/17 दिसंबर 2024 को निरीक्षक विश्व गौराव इन्चार्ज अपराध शाखा सेक्टर-39 गुरुग्राम की पुलिस टीम को एक सूचना मिली थी। जिसमें कहा गया कि हथियारों के साथ तीन युवकों द्वारा नजदीक डीपीजी कॉलेज सेक्टर-72 गुरुग्राम पर आने जाने वालों के साथ लूटपाट करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस टीम ने इस सूचना पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए एक विशेष पुलिस टीम गठित की। पुलिस बताए गए स्थान पर पहुंची, जहां पर एक युवक ने टॉर्च दिखाकर पुलिस की गाड़ी रुकवाई। तीनों युवकों ने पुलिस टीम को रोककर हथियार के बल पर लूटने का प्रयास किया। पुलिस टीम द्वारा साहस का परिचय देते हुए तीनों आरोपियों को हथियार सहित काबू किया। आरोपियों की पहचान मोसिम खान (23) निवासी गांव पचानका जिला पलवल, सलीम खान (23) निवासी गांव पचानका का जिला पलवल व जितेंद्र (30) निवासी सूरत नगर फेज-2 गुरुग्राम के रूप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जा से एक पिस्टल, एक जिन्दा कारतूस, एक डंडा व एक टॉर्च बरामद की गई। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के विरुद्ध थाना सदर गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया।

एचएसजीपीसी चुनाव की अधिसूचना का प्रकाशन आज

गुरुग्राम। आयुक्त गुरुद्वारा चुनाव, न्यायमूर्ति एचएस भल्ला द्वारा हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के प्रदेश भर में बने सभी 40 वार्डों के प्रथम आम चुनाव के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। जिसके तहत हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी वार्ड-39 गुरुग्राम के सदस्य के लिए आम चुनाव होना है। इस वार्ड मं गुरुग्राम, झज्जर, रेवाड़ी, चरखी दादरी एवं महेन्द्रगढ़ जिला शामिल है। डीसी अजय कुमार के मुताबिक यह चुनाव 19 जनवरी 2025 को होंगे। नामांकन आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना का प्रकाशन बुधवार 18 दिसंबर 2024 को होगा। इसके बाद 20 दिसंबर से लेकर 28 दिसंबर 2024 तक नामांकन भरे जाएंगे। 30 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच और छटंनी की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी के आदेश में संशोधन के लिए डीसी को आवेदन दायर करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 की है।

एक परिवार के चार सदस्यों की हत्या के दोषी को उम्रकैद

- अदालत ने दोषी को सश्रम कारावास की सुनाई सजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एक अदालत ने हत्या के आरोप में एक ही परिवार के चार सदस्यों को दोषी ठहराते हुए उम्र कैद (सश्रम कारावास) की सजा सुनाई है। साथ ही दोषियों को जुर्माना भी लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार 29/30 अगस्त 2018 को पुलिस चौकी हेली मंडी जिला गुरुग्राम की पुलिस टीम को गांव बृजपुरा में एक बच्ची के बेहोश होने, एक महिला के फांसी पर लटकने, एक व्यक्ति तथा एक महिला की मौत होने की सूचना मिली थी। उस सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। फिंगरप्रिंट, डॉग स्क्वायड, सीन ऑफ क्राइम टीमों से घटनास्थल का निरीक्षण करवाया गया। मृतक व्यक्ति के भाई ने पुलिस पुलिस को शिकायत देकर कहा कि 29 अगस्त 2018 को किसी व्यक्ति ने उसके भाई मनीष, मां फूलवती, मनीष की पत्नी पिंकी की हत्या कर दी। मनीष की लड़की चारू की चोटों के कारण ईलाज के दौरान मौत हो गई। इस शिकायत पर थाना पटौदी में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा एक आरोपी को काबू करके गिरफ्तार किया गया था। आरोपी की पहचान सुरेश कुमार निवासी गांव खोड़ जिला गुरुग्राम के रूप में हुई थी। इस केस में पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद आरोपी के खिलाफ सभी आवश्यक साक्ष्य व गवाह एकत्रित करके अदालत में पेश किया गया। गुरुग्राम पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई 16 दिसंबर 2024 को एडिशनल सेशन जज जगदीप सिंह की अदालत ने साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर उसे दोषी करार दिया।

सर्दियों में 53 प्रतिशत तक बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा

- ठंड के मौसम में रक्त वाहिकाओं में होती है सिकुड़न

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

तापमान में कमी होने से ही हृदय से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इस वजह से सर्दी का मौसम हृदय संबंधी स्वास्थ्य के लिए मुश्किल भरा हो गया है। रिसर्च से पता चला है कि गर्मियों की तुलना में सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा 53 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

किसी खास मौसम में इस तरह की वृद्धि उस खास मौसम में जागरुकता बढ़ाने और हृदय की देखभाल के लिए ज्यादा सक्रिय होने की आवश्यकता को दर्शाता है। ठंड के मौसम में रक्त वाहिकाओं में सिकुड़न होती है, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। हृदय को खून को पंप करने में कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। तापमान में हर एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ हार्ट अटैक का खतरा 2 प्रतिशत बढ़ जाता है। अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि गर्मियों की तुलना में सर्दियों में हृदय की समस्याओं के कारण 26 से 36 प्रतिशत ज्यादा मौतें होती हैं। इसके अलावा ठंडी हवा में सांस लेने से धमनियों (आर्टरीज) में ऐंठन हो सकती है जिससे हृदय में खून का प्रवाह कम हो जाता है। साथ ही शरीर द्वारा गर्मी पैदा करने का प्रयास हृदय गति को तेज कर देता है। इस वजह से कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम पर और ज्यादा दबाव पड़ता है।

पारस हेल्थ गुरुग्राम में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर और यूनिट हेड डॉ. अमित भूषण शर्मा का कहना है कि सर्दियों का मौसम कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम पर ज्यादा दबाव डालता है। ठंड का मौसम न केवल ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है, बल्कि पहले से मौजूद हृदय संबंधी बीमारियों को भी ज्यादा खतरनाक बनाता है। गर्म कपड़े पहनना, घर के अंदर एक्टिव रहना और नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की निगरानी जैसे सरल उपाय खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए साल के इस समय में नियमित जांच और सतर्कता बहुत जरूरी होती है। उनका कहना है कि पारस हेल्थ में कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में सर्दियों के दौरान हर महीने 200-300 केस आते हैं। इनमें से ज्यादातर मामले हार्ट ब्लॉकेज के होते हैं। यह ठंड के मौसम में हृदय संबंधी खतरों का जल्द पता लगाने और इलाज के महत्व को दर्शाता है।

सर्दियों में हृदय की समस्याओं को रोकने के लिए शरीर को गर्म रखने के लिए कई परत में कपड़े पहनना, अचानक थका देने वाली गतिविधियों को न करना और ज्यादा मेहनत वाली एक्सरसाइज करने के बजाय हल्की इनडोर एक्सरसाइज करना आदि। फल, सब्जियां, साबुत अनाज और ओमेगा-3 युक्त डाइट कोकोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने और हृदय संबंधी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी मदद करता है। ब्लड प्रेशर की निगरानी और सीने में दर्द या सांस फूलने जैसे चेतावनी संकेतों के बारे में सतर्कता गंभीरता को रोकने के लिए जरूरी होता है। समय पर स्वास्थ्य जांच से लोगों को संभावित समस्याओं का जल्द पता लगाने और सर्दियों के महीनों के दौरान उचित देखभाल प्राप्त करने में भी मदद मिल सकती है।

अब फील्ड में उतरेंगे सभी मंत्री और विधायक

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया फैसला, विभागों से जुड़ी योजनाओं का चार्ट बनाकर करेंगे काम

- विधायकों, मंत्रियों की मांग जल्द खोले जाएं तबादले

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री के अलावा सभी मंत्री और विधायक अब फील्ड में नजर आएंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री ने आज मंत्रिमंडल के सहयोगियों तथा विधायकों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी हलकों में होने वाले 'धन्यवादी दौरों' को लेकर भी चर्चा हुई। साथ ही, विकास का रोडमैप भी बनाने के निर्देश सीएम ने दिए।

बैठक में प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर लम्बे समय तक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अधिकारियों को भी वार्डबंदी का काम जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान कुछ विधायकों ने परिवार पहचान-पत्र की त्रुटियों का मुद्दा भी उठाया। मुख्यमंत्री को बताया गया कि जिलों में लगाए जा रहे समाधान शिविरों पर और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने हलकावार किए जाने वाले धन्यवादी दौरे को लेकर भी मंत्रियों व विधायकों से चर्चा की।

उन्होंने मंत्रियों को कहा कि वे अपने-अपने विभागों से जुड़ी योजनाओं की मॉनिटरिंग करें। विकास परियोजनाओं को सिरे चढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाएं। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों व विधायकों से भी उनके हलका की प्राथमिकता के आधार पर सूची देने को कहा है। मार्च में हरियाणा की नायब सरकार अपना पहला वार्षिक बजट पेश करेगी। मंत्रियों व विधायकों से इसलिए विकास योजनाओं की लिस्ट बनाने को कहा है ताकि उन्हें बजट में शामिल किया जा सके। उन्होंने ग्राउंड पर चल रहे विकास कार्यों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी मंत्रियों व विधायकों को दिए। बैठक में कुछ मंत्रियों के अलावा विधायकों ने अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले की मांग उठाई। मुख्यमंत्री के सामने यह मुद्दा रखते हुए, कहा कि सामान्य ट्रांसफर के लिए मंत्रियों को कुछ समय के लिए अधिकार दिए जाने चाहिएं। कुछ विधायकों ने तर्क दिया कि फील्ड में अभी भी ऐसे कई अधिकारी व कर्मचारी मुख्य पदों पर बैठे हैं, जिन्होंने विधानसभा चुनावों के दौरान खुलकर कांग्रेस की मदद की थी।

मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को दी बड़ी राहत

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। सरकार की 2014 की रेगुलराइजेशन पॉलिसी के तहत रेगुलर हुए कर्मचारी 13 जून 2024 से प्रथम एसीपी स्केल के लाभ के लिए पात्र होंगे। कर्मचारियों के लिए, पात्रता की शर्तों को पूरा करना जरूरी होगा। इसके अलावा, 13 जून से पहले पात्रता की तिथि से पदोन्नति या प्रथम एसीपी स्केल के लाभ के संबंध में निर्णय बाद में लिया जाएगा। मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी एक पत्र में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के छह मार्च, 2024 के आदेश में जारी निर्देशों के बाद विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों से काफी मामले आ रहे हैं, जिनमें स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है कि नियमित कर्मचारियों को पदोन्नति या प्रथम एसीपी स्केल के लाभ के लिए दावे स्वीकार किए जाएं या नहीं।

प्रदेश के डिपुओं के बाहर लगेंगे हेल्पलाइन नंबर, उपभोक्ताओं की शिकायतें होंगी रिकॉर्ड

- पलवल में राशन में रेत मिलने के मामले में असिस्टेंट फूड सप्लाई ऑफिसर को सस्पेंड करने के आदेश
- एनआईसी और जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारियों के तथ्यों का मिलान होना सुनिश्चित करें

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश के सभी डिपुओं के बाहर हेल्पलाइन नंबर लगाए जाएँ ताकि उपभोक्ता कोई भी परेशानी होने पर अपनी बात हेल्पलाइन नंबर पर कह सकें। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता द्वारा हेल्पलाइन फोन नंबर पर की गई बातचीत की रिकॉर्डिंग भी होनी चाहिए, ताकि इस बात का ट्रैक रखा जा सके कि क्या शिकायत थी और उस पर क्या कारवाई की गई। डिपुओं में सीसीटीवी कैमरे लगाने की बात वे पहले ही कह चुके हैं। नागर आज चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में प्रदेश भर से विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे।

बैठक में अधिकारियों ने अपनी समस्याएं राज्य मंत्री से कही और विभाग की व्यवस्था और समस्याओं पर चर्चा की। राज्य मंत्री ने कहा कि वे कभी भी प्रदेश के किसी भी जिले-गांव में जाकर राशन डिपुओं का मुआयना कर सकते हैं। उन्होंने पिछले दिनों जिला पलवल में राशन के कट्टे में रेत पाए जाने वाले मामले में असिस्टेंट फूड सप्लाई ऑफिसर को सस्पेंड करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने दर्ज की गई एफआईआर की स्थिति पूछी और मामले में आगे करवाई नहीं किए जाने पर सम्बंधित एएफएसओ को निलंबित करने के आदेश दिए।

नागर ने अधिकारियों से पूरे प्रदेश में पिछले छह माह की सभी एफआईआर की वर्तमान स्थिति के बारे में रिपोर्ट सबमिट करने को कहा। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री ने नेशनल इन्फार्मेटिक्स सेंटर और राशन डिपुओं के तथ्यों के मेल न खाने पर भी अधिकारियों से जवाब तलब किया। उन्होंने इस बारे में जिला अधिकारियों से रिपोर्ट सबमिट करने के आदेश दिए।

नागर ने तीन सौ कार्ड पर एक राशन डिपो अलॉट करने वाले मामले पर अधिकारियों से स्थिति जानी। उन्होंने कहा कि नए डिपो के लिए आवेदन ऑनलाइन की बजाय ऑफलाइन किए जाएं और यदि आवेदनकर्ता से कोई त्रुटि हो जाती है तो जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक के कार्यालय में जाकर उसे ठीक करवाया जा सकता है। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, निदेशक राजेश जोगपाल समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सिंगर करण औजला के म्यूजिक कंसर्ट में बवाल

- नशे में धुत्त युवकों ने जमकर किया हंगामा, इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ी
- आरोपियों में तीन डॉक्टर बताए जा रहे हैं, एक एनएसजी में है तैनात

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बादशाहपुर स्थित आयरिया मॉल में स्टार नाइट में हंगामा करने वाले युवकों को कोर्ट में पेशी पर ले जाती पुलिस।

बादशाहपुर स्थित सोहना रोड आयरिया मॉल में आयोजित पंजाबी सिंगर करण औजला के म्यूजिक कंसर्ट में शराब पीकर पहुंचे युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। शांत करवा रहे पुलिसकर्मियों को भी युवकों ने अपना निशाना बनाया। पुलिसकर्मियों की वर्दी तक फाड़ डाली। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बता दें कि रविवार को आयरिया मॉल में पंजाबी सिंगर करण औजला का लाइव म्यूजिक कंसर्ट था। इसमें बॉलीवुड सिंगर बादशाह भी पहुंचे थे। कार्यक्रम में कुछ युवक शराब पीकर पहुंचे। वे बाहर निकलने वाले गेट से अंदर जाने की जिद करने लगे। उन्होंने शराब के नशे में हंगामा करना शुरू कर दिया। वहां पुलिसकर्मियों ने उन्हें शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन युवक नहीं माने। वे हंगामा करते ही रहे। मौके पर तैनात इंस्पेक्टर ने युवकों को बार-बार समझाया, लेकिन उन्होंने जिद नहीं छोड़ी। देखते ही देखते चारों ने इंस्पेक्टर के साथ मारपीट शुरू कर दी। यहां तक कि इंस्पेक्टर की वर्दी तक फाड़ दी। कंधों पर लगे स्टार फाड़ डाले। हंगामा बढ़ता देख मौके पर और अधिक पुलिस बुलाई गई। चारों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों में तीन डॉक्टर बताए जा रहे हैं। एक एनएसजी में तैनात है। युवकों के हंगामे की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

कर्मचारियों को घर से काम करने के निर्देश दें निजी संस्थान

- डीसी ने वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निजी संस्थानों से आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा निर्देश की पालना करते हुए डीसी विक्रम सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आस-पास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा यह निर्देश दिया गया है कि वायु गुणवत्ता में और गिरावट को देखते हुए, ग्रेप गंभीर वायु गुणवत्ता के चरण के तहत परिकल्पित सभी कार्रवाइयों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संबंधित सभी एजेंसियों द्वारा सही गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए और एनसीआर राज्य सरकारें सार्वजनिक, नगरपालिका और निजी कार्यालयों को 50 प्रतिशत क्षमता पर काम करने और बाकी को घर से काम करने की अनुमति देने पर निर्णय ले सकती हैं।

डीसी विक्रम सिंह द्वारा जिला फरीदाबाद के सभी निजी संस्थानों और कॉर्पोरेट कार्यालयों को सलाह दी जाती है कि वे अपने कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से अगले आदेश तक घर से काम करने के लिए निर्देशित करें और ऐसा करके, क्षेत्र में वायु गुणवत्ता को बनाए रखने और सुधारने के उद्देश्य से ग्रेप उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन में सहायता करें और उन्होंने बताया कि अगले आदेश तक जिले के सभी सार्वजनिक कार्यालयों में निम्नलिखित कार्यालय समय प्रभावी रहेगा। राज्य सरकार के अधीन कार्यालय सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक तथा नगर निगम, के अंतर्गत कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक लगेंगे।

कुरूक्षेत्र पैनोरमा व विज्ञान केन्द्र में नई 3डी फिल्म का उद्घाटन

कुरुक्षेत्र। कुरूक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में मंगलवार को एक नई 3डी फिल्म का उद्घाटन उपायुक्त नेहा सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि कुरूक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र गैर पारंपरिक विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि नई 3डी फिल्म जिसका शीर्षक मून ओडेसी है, चंद्रमा के संदर्भ में विद्यार्थियों के लिए बहुत ज्ञानवर्धक है तथा इसे त्रियायमी रूप में देखना न केवल विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाएगा अपितु उन्हें अन्तरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में प्रेरित भी करेगा।

केन्द्र के परियोजना समन्वयक सुरेश कुमार सोनी ने बताया कि केन्द्र विज्ञान से संबन्धित नित नई जानकारियाँ प्रभावी एवं मनोरंजक तरीके से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि दर्शक बार बार केन्द्र का भ्रमण करना पसंद करते हैं। केन्द्र के शिक्षा अधिकारी जीतेन्द्र कुमार दास ने बताया कि 3डी फिल्म (त्रियायमी फिल्म) से अभिप्राय उन फिल्मों से होता है, जिनमे वस्तुएं, पात्र, दर्शक को अपनी और आते हुए प्रतीत होते हैं।

महिला आयोग की तर्ज पर पुरुष आयोग भी बनाए सरकार: नरेश

- अतुल की आत्महत्या के विरोध में टीम पुरूष आयोग ने निकाला मार्च
- कहा- मर्द को भी होता है दर्द, हमसे आकर संपर्क कर सकते हैं प्रताड़ित पुरुष

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पूरे भारत वर्ष में पुरूषों के लिए कार्य कर रही संस्था टीम पुरूष आयोग ने बीके चौक से नीलम चौक के बीच एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्मा की शांति के लिए कैंडल मार्च निकाला और दो मिनट का मौन रखकर अतुल सुभाष को श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीम पुरूष आयोग के संस्थापक अध्यक्ष नरेश मेंहदीरत्ता ने अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद एक बार फिर केन्द्र सरकार से महिला आयोग, राष्ट्रीय बाल आयोग की तर्ज पर पुरूष आयोग बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मर्द को कभी दर्द नहीं होता, लेकिन यह मात्र एक कहावत है, मर्द को भी दर्द होता है। इंजीनियर अतुल सुभाष ने कितनी प्रताड़ना सही है, यह केवल वही पुरूष जान सकता है जो इन केसों में फंसकर प्रताड़ित हो रहा है। 84 हजार रूपए मासिक वेतन पाने वाला केवल 10 लाख रूपए ससुराल पक्ष से दहेज में मांगता है। इसमें कितनी सच्चाई है यह पूरा देश जानता है। मेंहदीरत्ता ने कहा कि अगर किसी भी पुरूष को इस तरह की कोई समस्या आती है तो वह उनसे सम्पर्क कर सकता है। मार्च में अनुराधा, राजेश खटाना, सुनील यादव, रविन्द्र सिद्धू, संजीव सिद्धू, संत राम,कृष्ण कृण, गिरजेश शर्मा, जय शर्मा आदि मौजूद थे।

विस अध्यक्ष से मिले पूर्व विधायक, पेंशन रिवाइज करने की रखी मांग

- कहा- बैंकों से मिलना चाहिए 25 लाख तक का लोन
- छत्तीसगढ़ की तर्ज पर मिले कैशलेस सुविधा, बढ़ाया जाए यात्रा भत्ता

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व विधायकों ने अपनी पेंशन को रिवाइज करने की मांग की है। पूर्व विधायक एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण से मुलाकात कर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। उनकी प्रमुख मांगों में पेंशन रिवाइज करना और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर चिकित्सा भत्ता और अन्य सुविधाएं प्राप्त करना है। विस अध्यक्ष ने उनकी मांगों को प्रदेश सरकार के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया है। मांगों की समीक्षा के लिए विस अध्यक्ष ने देश की दूसरी विधानसभाओं से भी जानकारी संग्रहित करने के भी निर्देश दिए हैं।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामबीर सिंह और महासचिव रणबीर मंदौला पूर्व विधायकों की मांगों के बारे में विस्तार से बात रखी। पूर्व विधायकों के प्रति सरकारी अधिकारियों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार की शिकायत पर विस अध्यक्ष ने कहा कि हम सब एक ही समाज के घटक हैं। इसलिए हम सभी को समाज में एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना विकसित करनी चाहिए। ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें कि बड़े बुजुर्ग अधिकारपूर्वक युवाओं को समझा सकें। नैतिकता का विकास धरातल स्तर से होना चाहिए।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विस अध्यक्ष को बताया कि छत्तीसगढ़ में पूर्व विधायकों को इलाज के लिए चिकित्सा भत्ता व अन्य सुविधा दी जाती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में प्रतिमाह कम से कम 20 हजार रुपये आउटडोर इलाज के लिए दिया जाए और इनडोर इलाज के लिए कैशलैस कार्ड उपलब्ध करवाए जाएं। वहीं, एसोसिएशन के महासचिव रणबीर मन्दौला ने कहा कि 60 वर्ष की उम्र के बाद पूर्व विधायकों को बैंक लोन नहीं देते। हिमाचल प्रदेश में पूर्व विधायकों को 4 प्रतिशत ब्याज पर लोन दिया जाता है। हरियाणा में भी पूर्व विधायकों को इसी तर्ज पर कार खरीदने व मकान की मुरम्मत के लिए विधानसभा से 25 लाख रुपये का लोन दिया जाना चाहिए। इसकी रिकवरी पेंशन से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि की वजह से यात्रा भत्ता भी बढ़ाया जाना चाहिए। पूर्व विधायकों को मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में 2 लाख रुपये और झारखंड में 3 लाख रुपये प्रति वर्ष यात्रा भत्ता दिया जाता है। हरियाणा में भी यह भत्ता 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 25 हजार रुपये प्रति माह किया जाना चाहिए। उन्होंने ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के लिए नो लोस नो प्रोफिट पर पंचकूला में भू-खण्ड की भी मांग की है।

उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से पूर्व विधायकों की पेंशन रिवाइज नहीं हुई। वर्ष 2016 में भत्ते व पेंशन संशोधन बिल में पेंशन पर एक लाख रुपये होने पर कैप लगाया था। इस कैप में मंहगाई भत्ता, यात्रा भत्ता आदि भी जोड़ दिया। इसलिए मंहगाई भत्ते सहित सभी भत्तों से यह कैप हटाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकारें पेंशनर्स को 80 वर्ष की आयु पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन देती है। इसमें अब केन्द्र व राजस्थान-हिमाचल व कई प्रदेशों में पेशनर्स की मांग पर इस स्लैब में संशोधन स्वीकार कर 65 वर्ष पर 5 प्रतिशत, 70 वर्ष पर 10 प्रतिशत, 75 वर्ष पर 15 प्रतिशत, 80 वर्ष पर 20 प्रतिशत और 85 वर्ष पर 30 प्रतिशत करने का फैसला हुआ है। इसलिए पूर्व विधायकों की पेंशन बढ़ोतरी भी इसी तर्ज पर होनी चाहिए।

इस अवसर पर पूर्व विधायक रामवीर सिंह, रामफल कुंडू, आजाद मोहम्मद, बिजेंद्र सिंह कादियान, रमेश गुप्ता, शशि रंजन परमार, मास्टर धर्मपाल ओबरा, डॉ. शिव शंकर भारद्वाज, जसवीर सिंह मलौर, सुभाष कत्याल, रामकुमार कटवाल, ईश्वर सिंह पलाका, लहरी सिंह, सोमवीर सिंह, अनीता यादव समेत अनेक पूर्व विधायक मौजूद रहे।

संविधान में शामिल हो गांव की परिभाषा: सुनील

- ग्राम एसोसिएशन ऑफ भारत समर्थन में पारित कराएगी प्रस्ताव
- सदन की चर्चा में भी माननीयों के भाषण का हिस्सा नहीं बने गांव

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

भारत के संविधान में गांव शब्द को परिभाषित कर शामिल करने के लिए ग्राम एसोसिएशन ऑफ भारत द्वारा एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस प्रस्ताव के अनुसार, देश भर की ग्राम पंचायतों को ग्राम सभाओं के माध्यम से रिज़ॉल्यूशन पास करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजने के लिए तैयार किया जा रहा है।

ग्राम एसोसिएशन ऑफ़ भारत के शेरपा सुनील जागलान ने बताया कि यह बहुत दुखद बात है कि आजादी के 77 वर्षों बाद भी ग्राम स्वराज की भावना को सर्वोपरि रखने वाले देश भारत के संविधान में गांव को परिभाषित नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों को विशेष रूप से 29 अधिकार संविधान में दिए गए हैं, लेकिन आज तक देश की पंचायतें इन अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं।

ग्राम एसोसिएशन ऑफ भारत द्वारा यह प्रस्ताव तैयार किया गया है ताकि गांव शब्द को संविधान में परिभाषित किया जा सके और देश की सत्तर प्रतिशत आबादी को सम्मान मिल सके। महात्मा गांधी जी ने भी जब ग्राम स्वराज की बात की थी तो उसमें गांव की बात की थी।

डॉ. जय भगवान सिंगला की पुस्तक को मिला प्रथम पुरस्कार

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में देश के विभिन्न राज्यों से अपनों द्वारा नकारे एवं घरों से निकाले बुजुर्गों को वर्षों से आश्रय दे रहे प्रेरणा वृद्धाश्रम के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने समाज सेवा के साथ साहित्य में भी अच्छा खासा नाम कमाया है। जीवन के हर क्षेत्र को लेकर 50 के करीब पुस्तकों का लेखन कर चुके डा. जय भगवान सिंगल द्वारा रचित पुस्तक याद सुहानी गांव की, को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार मिला है। उनकी 400 पन्नों की पुस्तक को जयपुर में हुई राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में प्रथम पुरस्कार मिला है।

डा. जय भगवान सिंगला ने कुरुक्षेत्र में बताया कि उनकी पुस्तक जो करीब 7 दशक पूर्व के हरियाणा की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति का आईना है। उनकी पुस्तक को जयपुर साहित्य संगीति संस्था द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धा में उनकी पुस्तक को याद सुहानी गांव की प्रथम पुरस्कार मिला है। डा. सिंगला ने बताया कि इस प्रतिस्पर्धा में देशभर से हजारों साहित्यकारों ने भाग लिया था। उन्होंने बताया कि उन्हें 200 से अधिक पुस्तकों के रचयिता और सूर पुरस्कार विजेता डा. मधु कांत ने प्रोत्साहित किया। डा. मधु कांत ने कहा कि डा. जय भगवान सिंगल के इस पुरस्कार से हरियाणा के साहित्यकारों के लिए भी गर्व एवं गौरव की बात है। प्रो. श्याम लाल कौशल, प्रो. बाबूराम, डा. रमाकांत शर्मा, बृजबाला गुप्ता इत्यादि ने डा. सिंगला को बधाई दी है। संदेश भेज कर कहा है कि हरियाणा प्रदेश के पूरे साहित्य जगत में इस उपलब्धि से प्रसन्नता की लहर है।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना श्रीमती अर्चना जैन पत्नी स्वर्गीय नरेश चंद्र (नरेश चंद जैन), सुश्री अंशुल जैन पुत्री स्वर्गीय नरेश चंद जैन, सुश्री उन्नति जैन पुत्री स्वर्गीय नरेश चंद जैन और सुश्री वर्णिका जैन पुत्री स्वर्गीय नरेश चंद जैन की ओर से दी जाती है, कि स्वर्गीय नरेश चंद जैन आवासीय फ्लैट संख्या-एफएफ-1 प्रथम तल सामने की ओर एमआईजी बिना छत अधिकार के प्लॉट संख्या 132/41 और 132/42, खसरा संख्या 844 एमआई में से, सिरोही एन्क्लेव वीरंदावन गार्डन गांव पासौंदा परगना लोनी राजबाग मेट्रो स्टेशन के पास तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, दिनांक 26.02.2018 के बिक्री विलेख दस्तावेज संख्या 1445, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 13321, पृष्ठ 171 से 214, दिनांक 26.02.2018 को SRO- गाजियाबाद में पंजीकृत के माध्यम से मालिक था दुर्भाग्य से नरेश चंद जैन की मृत्यु 22.05.2021 को हो गई (मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार पंजीकृत संख्या MCDOLIR-0221-140046 पंजीकृत 26.05.2021) और अपने जीवनकाल के दौरान उन्होंने पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ऋण खाता संख्या 111900002862 से ऋण सुविधा का लाभ उठाया था, स्वर्गीय नरेश चंद के निधन के बाद, श्रीमती अर्चना जैन पत्नी स्वर्गीय नरेश चंद्र (नरेश चंद जैन), सुश्री अंशुल जैन पुत्री स्वर्गीय नरेश चंद जैन, सुश्री उन्नति जैन पुत्री स्वर्गीय नरेश चंद जैन और सुश्री वर्णिका जैन पुत्री स्वर्गीय नरेश चंद जैन के एकमात्र जीवित सदस्य हैं (जीवित सदस्य प्रमाण पत्र दिनांक 09.09.2021 के अनुसार प्रमाण पत्र संख्या 2966/2021) और स्वर्गीय नरेश चंद जैन का कोई अन्य जीवित सदस्य नहीं है पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की कानूनी आवश्यकताओं का पालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित रखता है तो वह आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Nidhi Goyal, W/o Abhay Pandey, resident of F-7/7, third Floor, Arjun Marg, DLF City Phase 1, Sector 26A, Gurugram, HR 122002, have changed my name from "Nidhi Neogi" to "Nidhi Goyal". Henceforth I would be known by the name of "Nidhi Goyal" for all future purposes.

PD(1088)A

LOST & FOUND

I, HEMLATA W/o LATE SH. SURYA MOHAN THAKUR have lost my original Share Certificate of FLAT NO.B-502, SWAMI DAYANAND CGHS LTD., PLOT NO.5, SECTOR-6, DWARKA, NEW DELHI, finder please contact: 9811558356

PD(1091)A

सार्वजनिक सूचना

एतद्व द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वक्लि **श्री सतेन्द्र शर्मा पुत्र श्री रामगोपाल शर्मा** निवासी फलैट न०-बी-2-102, उनिनव ब्लीस्स, अपोसिट एवीएस सीटी पैलेस, राजनगर एक्सेन्शन, गाजियाबाद, यूपी, ने अपने पुत्र तरून शर्मा जो शादीशुदा है और अपनी पत्नी और बच्चे को मेरे मुव्वक्लि के पास छोडकर अलग रहता है, मेरे मुव्वक्लि के कहने से बाहर हैं, व उसके साथ लड़ाई-झगड़ा करता हैं इसी कारण मेरे मुव्वक्लि ने अपने बेटे तरून शर्मा से सारे संबंध व रिश्ते तोड़ दिए हैं, व तरून शर्मा को अपनी तमाम चल व अचल संपति से बेदखल कर सभी संबंध समाप्त कर दिए हैं, भविष्य में तरून शर्मा के साथ कोई भी किसी भी प्रकार का लेने-देन करता है या वास्ता रखता है तो इसकी जिम्मेवारी उसकी स्वयं की होगी, मेरे मुव्वक्लि या उसके परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **विकास शर्मा एडवोकेट सेक्टर-12, जिला कोर्ट फरीदाबाद**

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती **मिलन देवी** पत्नी श्री राजेन्द्र साह जो कि प्लॉट संख्या 2ए, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज यानि 41.80, खसरा संख्या 124 का भाग, ग्राम इलयचीपुर, पगाना एवं तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, श्री शिवम एवं श्री प्रवीण कुमार पुत्र श्री चन्द्र पाल द्वारा विक्रय विलेख दिनांक 17.04.2023 के आधार पर (दस्तावेज संख्या 5513), निष्पादित किया गया। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/ग्रहणाधिकार, अधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी के पते पर सूचित करे। अन्यथा ऐसे व्यक्ति/संस्था के सभी दावे उक्त संपत्ति या क्रेता पर बाध्यकारी नहीं होंगे। **मोहम्मद के. हुसैन (एडवोकेट)**, मोबाइल: 8810391672 और 9871308962, 2ई/23, तृतीय तल, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली - 110055

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mrs. Jebul Nisha had acquired Built-up Plot bearing No. 40-43, area 50 sq. yrds., Khasra No. 18/22, situated in the area of Village Razapur Khurd Colony known as Nohan Garden, Block-A2, R-III, New Delhi vide GPA Dt. 17.03.2004 along with ATS and regd. will executed by Mr. Sagir Ahmad and Mr. Naushad Ali and Now Mrs. Jebul Nisha is the undisputed owner of the said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.
Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

सार्वजनिक सूचना

चूंकि श्री मनीश गुप्ता आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से संपत्ति के लिए गृह ऋण मांग रहे हैं, अर्थात क्षेत्रफल 117.5 वर्ग गज का संपत्ति, प्लॉट नंबर 746, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-1, हदबस्द गांव पसौंडा, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, जिसे आगे "उक्त संपत्ति" कहा जाएगा, यह कि (1) श्री उमाकांत शर्मा, (2) श्रीमती कुसुमलता शर्मा, (3) श्रीमती सुमन लता शर्मा, (4) श्रीमती अर्चना शर्मा और (5) श्रीमती अलका शर्मा, दिवंगत श्रीमती लक्ष्मी देवी के कानूनी उत्तराधिकारी हैं, जो ब्रिकी विलेख 1856 दिनांक 06.02.1985 के माध्यम से मालिक बन गईं। यह कि, श्रीमती लक्ष्मी ने एक वसीयत और जीपीए संख्या 58381, दिनांक 02.12.1996 को निष्पादित किया है: 3 दिनांक 06.01.2015 को श्री उमाकांत शर्मा के पक्ष में उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में किया गया। श्रीमती कुसुमलता शर्मा, श्रीमती सुमन लता शर्मा, श्रीमती अर्चना शर्मा और श्रीमती अलका शर्मा को इस बात पर कोई आपत्ति नहीं हैं कि उनका उक्त संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं है और न ही उन्हें इस लेन-देन पर कोई आपत्ति हैं।

अब, मैं आम जनता के लिए यह धोषणा करना चाहता हूं कि कोई भी व्यक्ति जिसका उक्त संपत्ति/शेयर या दस्तावेजों के खिलाफ कोई अधिकार, स्वामित या हित है, तो वह सात दिनों के भीतर दस्तावेजी वैध साक्ष्य के साथ हमारे दिल्ली कार्यालय में आकर अपना दावा प्रस्तुत कर सकते है यदि कोई ऐसा नहीं करते है, तो उसे अस्वामिक और अप्रतिबंधित माना जाएगा और तदनुसार आगे बढ़ाया जाएगा।
मैसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी बी-132, एल.जी.एफ, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017, मो. 9991116006

PUBLIC NOTICE

We, Raghbir Singh Sandhu and Smt. Navpreet Singh both R/o DDA SFS Flat no. 1344, Third Floor, Sector-A, Pocket B&C, Vasant kunj, Delhi-110070, owner's of **DDA SFS FLAT NO.1344, on Third Floor, Pocket-B&C, Sector-A, situated at Vasant Kunj, Delhi, Vide DDA File No.97(106)1987/SFS/KG/II.** The original documents i.e. **Allocation and fifth and final Demand Letter and Possession Letter, Site Possession Slip, NOC Water and Electricity** and other documents relation of the of the above said property have been lost or misplaced by us and not traceable inspite of his best efforts. An F.I.R./NCR to this effect has been lodged in the Police Station, Crime Branch, Delhi (LR No. 2407792/2024 dated 17.12.2024).
Any person(s) claiming any rights, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No.9968310038 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director LAB (Housing/SFS) or Director (Housing/SFS), D-Block, Third Floor, Vikas Sadan, New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Sushil Tandon is the owner as well as Partner of M/s Doon Caterers is in process to avail the working capital against his property bearing no. Municipal Corporation no. 5198 (Part) in Ward no. XV, area measuring 60 sq.yds., situated at Gali Bal kishan Dass Basant Road Pahar Ganj, New Delhi-110055 purchased from Prem Gupta and Krishna Gupta, vide Sale deed dated 02.09.2002 (doc. No. 4133). He Confirmed that below mentioned Sale Deed is not available in original with him and for the same, he already done a FIR on dated 3/5/2005
Original Sale Deed dated 29.02.1997 executed by Jai Ram Gurnani for self and attorney of (1) Devendra Kumar Gurnani, (2) Sant Kumar Gurnani, (3) Kamla Gidwani, (4) Vidya Rattan in favour of Prem Gupta and Krishna Gupta (Doc no 1231)
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 14 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. **Kamal Kant Gupta (Advocate)**
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

न्यायालय- कृतिका डहेरिया, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड के इक्कसीवें अतिरिक्त न्यायाधीश, इंदौर (म.प्र.)

जावक- इंदौर, दिनांक
दिवानी प्रकरण क्रमांक- आरसीएसबी 336/2024
संस्थित दिनांक-..............
सुनवाई दिनांक-24.01.2025

ई विटामिन ....वादी
विरुद्ध
एएसआई इंटरप्राइजेज ....प्रतिवादी

प्रेषिती-
1. श्री एएसआई इंटरप्राइजेज (न्यू) तर्फे डायरेक्टर मो. आसिफ पता 4बी फर्स्ट फ्लोर डीडीए फ्लेट्स माता सुंदरी रोड न्यू दिल्ली, इंडिया पिनकोड 110002

यह कि वादी ने आपके विरूद्ध उपरोक्त दीवानी प्रकरण क्रमांक आरसीएसबी 336/2024 संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के दीवानी प्रकरण का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन/सूचित किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस दीवानी प्रकरण में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके शक्ति में है पेश करे जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करे।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो दीवानी प्रकरण की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 04.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा
(कृतिका डेहरिया)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड के इक्कसीवें अतिरिक्त न्यायाधीश, इन्दौर (म.प्र.)

टिप्पणी-
कृपया ध्यान दे:-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था

थोड़ी सुस्ती

भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था है, पर इसमें थोड़ी सुस्ती के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, इसके बावजूद वह अभी दुनिया में सबसे तेज प्रगति वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है और वह विकसित देशों की वृद्धि दर से आगे है। जुलाई और सितंबर, 2024 के बीच देश की जीडीपी वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रही हो सात तिमाहियों में सबसे धीमी तथा भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई के अनुमान 7 प्रतिशत से कम है। इससे कुछ ढांचागत चुनौतियां सामने आती हैं जिनका दीर्घकालीन समाधान आर्थिक प्रगति के लिए जरूरी होगा। अर्थव्यवस्था में सुस्ती बहुआयामी है। उपभोक्ताओं की मांग तथा निजी निवेश में कमी से आर्थिक गतिशीलता धीमी पड़ी है। 'फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स'-एफएमसीजी की बिक्री में कमी आई है, सार्वजनिक व्यापार करने वाली फर्मों के वेतन खर्च में कमी आई है तथा शहरी लोगों का खर्च भी थोड़ा घटा है। नवंबर में कारों की बिक्री में 14 प्रतिशत कमी आई जिससे शहरी उपभोग में कमी का संकेत मिलता है। मुद्रास्फीति में वृद्धि भी जटिलता का संकेत है। अक्टूबर, 2024 में मुद्रास्फीति आरबीआई के लक्ष्य 4 प्रतिशत से आगे निकल कर 5.2 प्रतिशत पर पहुंच गई। जलवायु परिवर्तन के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने तथा सप्लाई श्रृंखला की बाधाओं के कारण सभी क्षेत्रों में खर्च बढ़ा है जिससे लोगों की अतिरिक्त खर्च योग्य सीमा में कमी आई है।

अर्थव्यवस्था में थोड़ी सुस्ती का असर भारत के निर्यातों पर पड़ा है जो

वैश्विक वस्तु व्यापार का केवल 2 प्रतिशत हैं। डालर की मजबूती तथा टैरिफ दरें बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय उत्पादों के लिए प्रतियोगिता बढ़ गई है। इसके साथ ही खासकर कृषि व लघु उद्योगों में रोजगार सृजन बढ़ाने की आवश्यकता सामने आई है। हालांकि, सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार सृजन के अनेक प्रयास किए हैं, पर जमीन पर उनका असर दिखने में कुछ समय लगने की संभावना है। अनेक अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इन स्थितियों में जनता व खासकर ग्रामीण जनता की मांग बढ़ाना बहुत लाभदायक हो सकता है। हालांकि, अच्छे मानसून के कारण कृषि अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है तथा हाल ही में सब्जियों व फलों की कीमतों में कुछ कमी आई है, पर यह संपूर्ण अर्थव्यवस्था को गति देने की स्थिति में नहीं है। मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले दो साल से ब्याज दरों को स्थिर रखा है जिससे कर्ज पर ब्याज काफी अधिक है। इससे बिजनेसों में निवेश के साथ ही उपभोक्ताओं का खर्च घटता है। वैसे भारतीय अर्थव्यवस्था के सुस्त होने के पीछे अनेक वैश्विक कारण भी हैं जिनका प्रभाव कमोबेश दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है। भू-राजनीतिक उथलपुथल खासकर पश्चिम एशिया तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई श्रृंखलायें बाधित हुई हैं। भारत इन संकटग्रस्त क्षेत्रों से अनेक महत्वपूर्ण वस्तुओं का आयात करता रहा है जिनकी कीमतें बढ़ी हैं। इनमें उर्वरक शामिल हैं। दुनिया में घटती मांग तथा जलवायु परिवर्तन संबंधी बाधाओं के कारण निर्यातों तथा खाद्य उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। आरबीआई डालर की तुलना में रुपये के गिरते मूल्य को थामने के लिए डालरों की बिक्री कर रहा है जिससे तरलता पर प्रभाव पड़ा है तथा आर्थिक वृद्धि दर प्रभावित हुई है। हालांकि, यह तथ्य भी है कि रुपया मजबूत होने के कुछ लाभ हैं, पर इससे भारतीय निर्यात ज्यादा महंगे हो सकते हैं तथा उनकी प्रतियोगिता क्षमता कम हो सकती है। समस्या समाधान में वेतन वृद्धि की रणनीति महत्वपूर्ण हो सकती है। नौकरशाही बाधायें घटाने, कर प्रोत्साहन देने तथा श्रम व भूमि कानूनों को सरल बनाने जैसे नीतिगत उपाय भारतीय अर्थव्यवस्था को तेज गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। मुद्रास्फीति से निपटने के साथ ही सप्लाई श्रृंखला मजबूत करने की दिशा में भारत सरकार तेजी से काम कर रही है। आशा है कि इससे अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तेज होगी।

डब्लूटीओ में कृषि वार्ताओं का दौर

डब्लूटीओ की हालिया बैठक में भारत ने मुद्दों के प्राथमिकीकरण पर जोर दिया। इसमें सार्वजनिक स्टाकहोल्डिंग तथा विशेष सुरक्षा व्यवस्थायें शामिल हैं।

उत्तम गुप्ता
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

जेनेवा में 4 दिसंबर, 2024 को विश्व व्यापार संगठन-डब्लूटीओ की कृषि समिति-सीओए की बैठक में भारत ने जोर दिया कि अब तक कृषि संबंधी असमाधित मुद्दों के समाधान को प्राथमिकता दी जाए। इनमें सार्वजनिक स्टाकहोल्डिंग तथा विशेष सुरक्षा व्यवस्थायें-एसएसएम व अमीर देशों द्वारा व्यापार विकृत करने वाली 'काटन सब्सिडी' समाप्त करना शामिल है। भारत ने कहा है कि इनको अन्य मुद्दों के साथ जोड़ने के बजाय अलग से 'प्राथमिकता' दी जाए तथा इनका 'त्वरित निपटान' किया जाए। दूसरी ओर अमेरिका ने कुछ मुद्दों को अन्य पर प्राथमिकता देने की आलोचना की है।

उसका कहना है कि यह लंबे समय से कृषि में गतिरोध का प्रमुख कारण बना हुआ है। भारत ने गुयाना द्वारा कृषि वार्ताओं को डब्लूटीओ की 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन तक टालने का प्रस्ताव भी अस्वीकार कर दिया है जो संभवत: कैमेरून में 2026 में होगी। इसके लिए एक तथाकथित 'कन्वर्जेंस पर गैर-परंपरागत दृष्टिकोण' की पैरवी की गई है। भारत ने जोर दिया है कि फैसिलिटेटर द्वारा की जाने वाली कोई प्रक्रिया 'सहमति आधारित' होनी चाहिए और इसमें डब्लूटीओ के बहुआयामी सिद्धान्तों का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत ने पाठ-आधारित वार्ताओं-टीबीएन पर जोर दिया है। टीबीएन का अर्थ सहमति के पाठ पर आधारित ऐसी प्रक्रिया है जिसे सभी पक्ष स्वीकार करने और उस पर हस्ताक्षर के लिए तैयार हों। वार्ता करने वाले पक्ष इसकी शुरुआत खास समिति के अध्यक्ष द्वारा तैयार पाठ के प्रारूप से कर सकते हैं।

यह प्रस्ताव सदस्य देशों से चर्चा पर आधारित है और इसमें सहमति वाले सभी देशों की राय शामिल की गई है। यह कन्वर्जेंस आधारित दृष्टिकोण के ठीक उलट है जिसमें गैर-बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्थाओं को बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था-एमटीएस पर थोप दिया जाता है। खासकर अंतरराष्ट्रीय और डब्लूटीओ-आधारित मुद्दों के सिद्धान्तकार इस प्रक्रिया को धीरे-धीरे विभिन्न व्यापार व्यवस्थाओं से जोड़ने का माध्यम मानते हैं जिनमें खासकर प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट-पीटीए व एमटीएस शामिल हैं। अन्य लोग कन्वर्जेंस को व्यापार नियमों तथा नीतियों, मानकों और सामान्य स्थितियों के बीच ज्यादा समन्वय का माध्यक मानते हैं जिनमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग के दूसरे क्षेत्र शामिल हैं।

यह विकसित देशों अमेरिका, यूरोपीय संघ-ईयू, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, आदि का सुनियोजित प्रयास है जिसके माध्यम से वे सहमति के आधार पर निर्णय की प्रक्रिया को बाधित करना चाहते हैं जहां हर देश की स्थिति समान होती है। इन देशों का डब्लूटीओ पर ज्यादा प्रभाव है और वे बैठकों का एजेंडा तय कर अक्सर गुयाना जैसे छोटे देशों की ओर से उनको पेश करवाते हैं।

इसलिए भारत ने उचित ही इस दृष्टिकोण को खारिज कर दिया है। लेकिन भारत द्वारा वार्ताओं को 'प्राथमिकता' देने तथा 'त्वरित गति' देने के प्रस्तावों का क्या होगा? 2 अक्टूबर, 2023 को जेनेवा में सीओए की बैठक में ईयू ने भारत की मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया था जिसमें खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के लिए पब्लिक स्टाक होल्डिंग-पीएसएच की स्थाई व्यवस्था शामिल है। इसके अनुसार भारत ने डब्लूटीओ सदस्यों को इस मुद्दे पर टीबीएन यथासंभव शीघ्रातिशीघ्र शुरू करने की मांग रखी है। उसने इसे 26-29 फरवरी, 2024 को अबूधाबी में डब्लूटीओ एमसी-13 में रखने का प्रयास किया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गतिरोध के कारण यह मंत्रिस्तरीय सम्मेलन स्थगित हो गया। इस प्रकार खाद्य सुरक्षा के लिए पीएसएच की स्थाई व्यवस्था बनाने पर भारत के दृष्टिकोण को अमेरिका और ईयू ने भारी विरोध किया।

इसके पहले भी भारत के प्रयासों का यही नतीजा निकला था। जनवरी, 2021 में डब्लूटीओ की ट्रेड पालिसी रिव्यू-टीपीआर बैठक में भारत ने जोर दिया था कि तीन मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर एमसी-12 में लिया जाए। लेकिन 12-17, 2022 को जेनेवा में मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में ये मुद्दे विचारार्थ रखे ही नहीं गए। यह गतिरोध पिछले लगभग दो दशक से जारी है, जबकि भारत ने इन मुद्दों को डब्लूटीओ में दोहा डेवलपमेंट एजेंडे-डीडीए के अंतर्गत उठाया था। विकसित देशों ने नेरोबी में 2015 में हुई एमसी-10 में डीडीए को खारिज कर दिया था।

एक सर्वाधिक विवादास्पद मुद्दा पीएसएच का स्थाई समाधान है। 31 जुलाई, 2014 को जेनेवा में डब्लूटीओ महापरिषद-जीसी बैठक में आशा की एक किरण जगी थी। इसमें भारत ने इस विषय पर समयबद्ध कार्ययोजना का सुझाव दिया था जिसका क्रियान्वयन 2014 समाप्त होने के पहले हो और इसे ट्रेड फैसिलिटेशन एग्रीमेंट-टीएफए में भी संस्तुति दी जाए। यह एक अच्छा रणनीतिक कदम था, लेकिन इसे बीच में ही छोड़ दिया गया। दिसंबर, 2014 में विकसित देश टीएफए से बाहर हो गए तथा विकासशील देशों को 'स्थाई समाधान मिलने तक शांति प्रस्ताव के विस्तार' की रियायत दी गई। इस प्रकार भारत ने स्थाई समाधान के बजाय 'शांति प्रस्ताव के लाभ' को स्वीकार कर लिया।

शांति प्रस्ताव की असलियत समझने के लिए हमें डब्लूटीओ के कृषि समझौते-एओए पर गौर करना होगा। इसके अंतर्गत विकासशील देश एग्रीगेट मेज़रमेंट आफ सपोर्ट-एएमएस नही दे सकते हैं। इसका अर्थ कृषि उत्पादन के कुल मूल्य का 10 प्रतिशत तक सब्सिडी होना है। एएमएस में 'उत्पाद संबंधी' सब्सिडी तथा 'गैर-उत्पाद संबंधी' सब्सिडी शामिल हैं। कृषि निवेशों, जैसे उर्वरक, बीज, सिंचाई व बिजली पर सब्सिडी इसमें शामिल हैं। 'उत्पाद संबंधी' सब्सिडी में किसानों को बाहरी संदर्भ मूल्य-ईआरपी पर आधारित अतिरिक्त न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी शामिल है जो कृषि उत्पाद के अनुसार बढ़ता है। उदाहरणार्थ 2023-24 में एमएसपी से जुड़ा ईआरपी 1986-88 में वैश्विक मूल्य पर आधारित था। यदि विकासशील देश 10 प्रतिशत से अधिक सब्सिडी देता है तो यह डब्लूटीओ प्रतिबद्धता का उल्लंघन होगा। यह भारत के लिए गंभीर चिन्ता का विषय है क्योंकि एएमएस के 10 प्रतिशत से अधिक होने पर उसके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। बाली में 2013 में एमसी-9 में 'शांति प्राविधान' पर सहमति बनी थी जिसके अनुसार, 'यदि कोई विकासशील देश 10 प्रतिशत से अधिक एएमएस देता है तो कोई सदस्य देश इसे 2017 तक चुनौती नहीं देगा, जब डब्लूटीओ उनकी खाद्य सुरक्षा चिन्ताओं के लिए स्थाई समाधान पर गौर करेगा।'

लेकिन इसके साथ अनेक शर्तें भी लगाई गई थीं जिनमें खाद्य पदार्थ खरीद, भंडारण, वितरण व सब्सिडी पर डेटा देना शामिल है। इनमें यह भी शामिल था कि सब्सिडी 'व्यापार विकृति' वाली नहीं होंगी। इसके साथ ही 2013 के बाद क्रियान्वित कार्यक्रम 'शांति प्राविधान' के अंतर्गत नहीं आते हैं। दिसंबर, 2014 में डब्लूटीओ-जीसी ने उपयुक्त निर्णय में परिवर्तन कर कहा कि 'शांति प्राविधान का विस्तार स्थाई समाधान निकलने तक जारी रहेगा।' भारत ने इस परिवर्तन से सहमति प्रकट की। एक दशक बाद भी भारत अभी समाधान की राह देख रहा है। एसएसएम में भी सदस्य देशों को आयात या मूल्य में कमी की स्थिति में 'निश्चित सीमा' से अधिक टैरिफबढ़ाने की अनुमति नहीं है।

2015 में नैरोबी में एमसी-10 ने कहा था कि विकासशील देशों को हांगकांग मंत्रिस्तरीय घोषणा के अनुसार एसएसएम का अधिकार है। लेकिन दो दशक बाद भी एसएसएम की व्यवस्था नहीं बनी है। विकसित देशों ने 'काटन सब्सिडी' भी नहीं छोड़ी है। कुल मिला कर कहें तो डब्लूटीओ में जारी वार्ताओं के बावजूद बहुसंख्य विकासशील देश लक्षित लाभ नहीं प्राप्त कर सके हैं।

इन वार्ताओं में भारत लगभग 80 देशों का नेतृत्व कर रहा है क्योंकि जी 33 में भारत के साथ अफ्रीका, कैरीबियन व प्रशांत देश शामिल हैं। इस स्थिति में विकसित देशों की जिद तथा डब्लूटीओ में उनके प्रभुत्व को देखते हुए एमसी 14 से भी ज्यादा उम्मीद नहीं है।

कार्यस्थल पर निगरानी व्यवस्था

रिमोट और हाइब्रिड कार्य के उदय ने व्यवसायों के संचालन, प्रबंधन और अपने कर्मचारियों की निगरानी करने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

शाईनी शर्मा
(लेखिका, शिक्षाविद हैं)

आधुनिक कार्यस्थल में, रिमोट और हाइब्रिड कार्य के उदय ने व्यवसायों के संचालन, प्रबंधन और अपने कर्मचारियों की निगरानी करने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। सबसे विवादास्पद विकासों में टैटलवेयर या ब्रासवेयर का बढ़ता उपयोग है, जो सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन के सामान्य उपनाम हैं जो काम के घंटों के दौरान कर्मचारियों की गतिविधियों की निगरानी करते हैं।

सामान्यीकृत रिमोट वर्क के आगमन के साथ, कर्मचारियों की नियोक्ता निगरानी में तेजी आई है। आज, ऐसे उपकरण कीस्ट्रोक्स, माउस मूवमेंट, स्क्रीनशॉट और यहां तक कि किसी कर्मचारी के डिवाइस से वीडियो या ऑडियो फीड सहित डेटा की एक विस्तृत श्रृंखला को ट्रैक कर सकते हैं। इतना ही नहीं, बल्कि बहुत उन्नत सिस्टम पैटर्न का विश्लेषण करने, अनुत्पादक व्यवहार को चिह्नित करने या संभावित सुरक्षा उल्लंघनों का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी कर सकते हैं। नियोक्ता दावा करते हैं कि ये उपकरण काम की आदतों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, संवेदनशील डेटा की सुरक्षा करते हैं और समग्र दक्षता में सुधार करते हैं। यह व्यवसायों को उत्पादकता मीट्रिक को ट्रैक करने की अनुमति देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कर्मचारी समय सीमा को पूरा करते हैं और कुशलता से काम करते हैं, खासकर दूरस्थ सेटअप में जहां भौतिक पर्यवेक्षण अनुपस्थित है।

साथ ही, ऐसे निगरानी उपकरण अनधिकृत गतिविधियों की निगरानी करके डेटा उल्लंघन या बौद्धिक संपदा चोरी को रोकने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये उपकरण काम के घंटों या प्रदर्शन के बारे में विवादों में सबूत प्रदान करते हैं, जिससे कर्मचारी गतिविधि का

एक वस्तुनिष्ठ रिकॉर्ड मिलता है। जब पारदर्शी और नैतिक रूप से लागू किया जाता है, तो ये उपकरण जवाबदेही को भी बढ़ावा देते हैं और खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। उपर्युक्त लाभों के बावजूद, टैटलवेयर का उपयोग महत्वपूर्ण नैतिक चिंताओं को जन्म देता है जिसमें सबसे आम बात गोपनीयता है। कर्मचारियों का मानना ???है कि गोपनीयता एक मौलिक अधिकार है, और अत्यधिक निगरानी इसका उल्लंघन कर सकती है। हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 78 प्रतिशत नियोक्ता कर्मचारी के प्रदर्शन या ऑनलाइन गतिविधि को ट्रैक करने के लिए निगरानी सॉफ़्टवेयर का उपयोग करते हैं। जब कर्मचारियों की लगातार निगरानी की जाती है, तो वे अक्सर अमानवीय महसूस करते हैं, जैसे कि वे अविश्वसनीय हैं या केवल डेटा बिंदुओं तक सीमित हैं, जिसके परिणामस्वरूप नियोक्ता और उनकी टीमों के बीच विश्वास खत्म हो जाता है, जिससे सहयोग और वफादारी को बढ़ावा देना मुश्किल हो जाता है। इसके अतिरिक्त, मनोवैज्ञानिक प्रभाव अक्सर उन्हें तनाव, चिंता और बर्नआउट की ओर ले जाता है। कर्मचारी अधिक काम करने या प्रदर्शनकारी उत्पादकता में संलग्न होने के लिए दबाव महसूस कर सकते हैं - वास्तव में योगदान देने के बजाय व्यस्त दिखने के लिए। समय के साथ, यह रचनात्मकता, नवाचार और समग्र नौकरी की संतुष्टि को नुकसान पहुंचा सकता है।

इतना ही नहीं, बल्कि टैटलर के इस्तेमाल से कानूनी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं, जिसमें कंप्यूटर से दूर किए गए काम के लिए अवैतनिक वेतन या निजता में दखलंदाजी के दावे शामिल हैं। कुछ नियोक्ताओं पर अनुचित श्रम प्रथाओं के आरोप लगते हैं, अगर निगरानी संरक्षित गतिविधियों, जैसे कि यूनियन बनाने में हस्तक्षेप करती है? टैटलर द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए, व्यवसायों को कर्मचारियों के अधिकारों के सम्मान के साथ उत्पादकता लक्ष्यों को संतुलित करने का प्रयास करना चाहिए। जैसा कि सही कहा गया है पारदर्शिता सफलता की कुंजी है।

केवल तभी जब कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि उनकी निगरानी की जा रही है, ऐसे टैटलर के उपयोग की आवश्यकताएं या डेटा का उपयोग कैसे किया जाएगा, इससे विश्वास बनाने और साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

जैसे-जैसे व्यवसाय दूरस्थ और हाइब्रिड कार्य की जटिलताओं को नेविगेट करते हैं, उन्हें कार्यस्थल की निगरानी के लिए एक विचारशील और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। केवल पारदर्शिता, निष्पक्षता और व्यक्तिगत अधिकारों के सम्मान को प्राथमिकता देकर, कंपनियां और व्यावसायिक संगठन ऐसा वातावरण बना सकते हैं जो उत्पादकता और मानवीय गरिमा दोनों को महत्व देता है।

आप की बात

महाराष्ट्र में नयी सरकार

देवेंद्र फडणवीस की सरकार और शिवसेना राकंपा के साथ गठबंधन का सामंजस्य करने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गठबंधन को प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए कई उपाय करने होंगे। सर्वप्रथम, सरकार को अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना होगा। इससे जनता को यह विश्वास होगा कि सरकार उनके हितों के लिए काम कर रही है। दूसरा, सरकार को अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना होगा। इससे सरकार को अपने कार्यक्रमों को लागू करने में मदद मिलेगी और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। तीसरा, सरकार को अपने कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक समयबद्ध योजना बनानी होगी। इससे सरकार को अपने कार्यक्रमों को पूरा करने में मदद मिलेगी और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। चौथा, सरकार को अपने कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक प्रभावी मॉनिटरिंग प्रणाली स्थापित करनी होगी। इससे सरकार को अपने कार्यक्रमों की प्रगति की निगरानी करने में मदद मिलेगी और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। सरकार को अपने कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक प्रभावी संचार प्रणाली स्थापित करनी होगी। इससे सरकार को अपने कार्यक्रमों के बारे में जनता को सूचित करने में मदद मिलेगी।

- **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

हिन्दुओं की शरणस्थली

अब तो विश्वास करलो सोए हुए हिन्दुओं! कि विश्व के 200 देशों में से भारत के अतिरिक्त तुम्हारा कोई शरणस्थल नहीं।और यदि है तो केवल दक्षिण में हिन्दमहासागर बचा है। क्योंकि गांधी - नेहरू ने सत्ता के मोह में जिस पाकिस्तान का निर्माण किया था तब लगा था कि एक नये और स्थाई शत्रु को हमने अपनी आस्तीन में पाल लिया। किन्तु 1971 में इन्दिरा गांधी ने एक और नये शत्रु का उपहार देश को दे दिया। क्योंकि बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभान अल्लाह। बांग्लादेश पाकिस्तान से भी दो कदम आगे निकल गया, हिन्दुओं पर अत्याचार करने में। अब वो सेक्युलर जमात जिसका नेतृत्व कांग्रेस और वामपंथी करते हैं, क्या कहेगी ? जो यह कहते नहीं अघाते थे कि इन्दिरा ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके उसे कमज़ोर कर दिया। कमज़ोर नहीं बल्कि एक के स्थान पर दो शत्रु बना दिये।देख लो सेल्यूलरों और गंगा - जमुनी तहज़ीब के झण्डाबरदारों नागों को दूध पिलाने का परिणाम।जिनको पाकिस्तान के खूनी चंगुल से मुक्त कराने को भारत के 3500 जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया उसी के लिए आज भारत और हिन्दू सबसे बड़े शत्रु बन गये। कहां हैं भाई- चारे की दुहाई देने वाले? जरा वो चटगांव और ढाका में जाकर अपने भाई -चारे और गंगा - जमुनी तहज़ीब की लाश को देख लें और फिर देश के हिन्दुओं की आंख में आंख डालकर सीख दें भाई- चारे की।

- **डॉ नरेंद्र टोंक**, मेरठ

बीमारियों की चुनौती

देश में स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों के नफा-नुकसान सामने है। स्वास्थ्य के लिए अनुकूल परिस्थितियों के अभाव में तपेदिक (टीबी) एक बड़ी चुनौती बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबल्यूएचओ) ने 2040 तक भारत में 6.2 करोड़ नए टीबी मामलों आने और उनमें 80 लाख मौतों की आशंका जाहिर की है। यह जीडीपी के लिए भी 146 अरब डॉलर तक नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित होना तय है। इसके विपरीत मलेरिया से काफी हद तक जंग जीतनें को अग्रसर है।कुछ सालों पूर्व दक्षिण-पूर्व एशिया के 8 मलेरिया-प्रभावित देशों के आधे मामले भारत में थे, लेकिन मलेरिया उन्मूलन अभियान से बड़ी सफलता मिली है। डबल्यूएचओ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2023 के बीच भारत में मलेरिया के मामलों में 69 प्रतिशत और मौतों में 68ब की कमी आई। 2017 में जहां मलेरिया के 64 लाख मामले थे, 2023 में 20 लाख रह गए। इससे मौतें भी 11,110 से घटकर 3,500 रह गई। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और जागरूकता के कारण मलेरिया का जोखिम प्रति 1,000 की आबादी पर 20 से घटकर 1.5 रह गया, जो 93 प्रतिशत की कमी दर्शाता है लेकिन अब भी मलेरिया के खिलाफ निर्णायक लड़ाई बाकी बची है।

- **अमृतलाल मारू**, इंदौर

नक्सलवाद की चुनौती

नक्सलवाद, जो विशेष रूप से भारतीय ग्रामीण इलाकों में फैला हुआ है, लंबे समय से देखने में आया है कि हमारे समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। यह एक अत्यंत हिंसक आंदोलन है, जो समाज के पिछड़े और शोषित वर्गों के नाम पर उत्पन्न हुआ, लेकिन आज यह व्यापक रूप से असामाजिक तत्वों द्वारा समर्थित और राजनीतिक एजेंडे के तहत चलाया जाता है। नक्सलियों के आंदोलनों का मूल उद्देश्य सत्ता की स्थापना और शोषण के खिलाफ संघर्ष है। हालांकि, समय के साथ यह आंदोलन हिंसा, आतंकवाद और समाज में असंतुलन का कारण बन चुका है। गृह मंत्री ने नक्सलियों को आत्मसमर्पण की अपील सही ही की है क्योंकि नक्सलवाद के प्रभाव में अनेक गांव और आदिवासी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं, जहां लोग इस विचारधारा को अपनाते हैं, लेकिन इसका परिणाम केवल हिंसा और अशांति के रूप में सामने आता है। नक्सलियों पर लगातार दबाव बना कर केंद्र सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

- **भगवानदास छारिया**, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 18 दिसम्बर 2024

प्रदेश सरकार ने पेश किया 17865 करोड़ का अनुपूरक बजट

● ऊर्जा विभाग को 8587 करोड़ , वित्त को 2438 करोड़, परिवार कल्याण को 1592 करोड़, पशुधन को 1001 करोड़ और पीडब्ल्यूडी के लिए 805 करोड़ रुपए प्रस्तावित

इस वित्तीय वर्ष में दूसरी बार प्रस्तुत किया अनुपूरक बजट, 790.49 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव किए गए हैं सम्मिलित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बाधारहित विकास को अनवरत जारी रखने के लिए योगी सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपना द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। 17,865.72 करोड़ रुपए के इस अनुपूरक बजट में 790.49 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव सम्मिलित किए गए हैं। यह योगी सरकार का इस वित्तीय वर्ष का द्वितीय अनुपूरक बजट है, जो मूल बजट (7 लाख 36 हजार 437.71 करोड़ रुपए) का 2.42 प्रतिशत है। इससे पूर्व योगी सरकार 12,209.93 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट भी प्रस्तुत कर चुकी है। दोनों अनुपूरक बजट को मिलाकर योगी सरकार का वित्तीय वर्ष 2024-25 का कुल बजट अब 7 लाख 66 हजार 513.36 करोड़ रुपए का हो गया है।

योगी सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि द्वितीय अनुपूरक बजट का आकार 17,865.72 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि यह सरकार विकास को प्राथमिकता देने वाली सरकार है और जब भी आवश्यकता होती है तब संवैधानिक तरीके से सदन के माध्यम से अनुपूरक बजट लाने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि अनुपूरक बजट में 790.49 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव सम्मिलित किए गए हैं। साथ ही इसमें केंद्रीय योजनाओं में 422.56 करोड़ रुपए के केंद्रांश की राशि भी अनुमानित है। इसके अतिरिक्त, कंटिजेंसी से जो 30 करोड़ 48 लाख रुपए का पैसा लिया गया था, उसकी भी प्रतिपूर्ति का भी प्रस्ताव इसमें शामिल है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अनुपूरक बजट में विभिन्न विभागों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप बजट जारी किया जाएगा। इसमें ऊर्जा विभाग को 8587.27 करोड़ रुपए, वित्त विभाग को 2438.63 करोड़ रुपए, परिवार कल्याण विभाग को 1592.28 करोड़ रुपए, पशुधन विभाग के लिए 1001 करोड़ रुपए, लोकनिर्माण विभाग के लिए 805 करोड़ रुपए, प्राथमिक शिक्षा विभाग के लिए 515 करोड़ रुपए, सूचना विभाग के लिए 505 करोड़ रुपए, पंचायती राज विभाग के लिए 454.01 करोड़ रुपए और चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए 354.54 करोड़ रुपए का बजट प्राविधानित किया गया है।

योगी सरकार ने इसी वर्ष फरवरी महीने में मूल बजट किया था, जो 7.36 लाख करोड़ रुपए से अधिक का था। इसके बाद योगी सरकार ने 30 जुलाई को 12,209.93 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया था। इसके 5 माह के बाद एक बार फिर योगी सरकार विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यकता के अनुरूप द्वितीय अनुपूरक बजट लेकर आई है। इस बजट को मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित हुई कैबिनेट की बैठक में सर्वसम्मति से स्वीकृत कर लिया गया।

अनुपूरक बजट एक ऐसा वित्तीय दस्तावेज है जिसे सरकार किसी वित्तीय वर्ष के दौरान तब प्रस्तुत करती है. जब उसे अपने पहले से स्वीकृत बजट में अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता होती है। यह बजट उन खर्चों को कवर करने के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जिनको अनुमानित बजट में शामिल नहीं किया गया था, या जो नई परिस्थितियों के कारण आवश्यक हो गए हैं। यह बजट वित्त वर्ष के बीच में किसी विभाग या मंत्रालय की किसी योजना में अतिरिक्त राशि खर्च करने के लिए लाया जाता है।

कांग्रेस नेता फिलीस्तीन का बैग लेकर घूम रहीं, हम नौजवानों को इजराइल भेज रहेः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीएम योगी ने बिना नाम लिए प्रियंका गांधी वाड्रा पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को अपने वक्तव्य के दौरान कई बार विपक्षी सदस्यों पर करारे कटाक्ष किए। उन्होंने बिना नाम लिए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल कांग्रेस की एक नेता संसद में फिलीस्तीन का बैग लेकर घूम रही थीं और हम यूपी के नौजवानों को इजराइल भेज रहे हैं। सीएम योगी यहीं नहीं रुके। उन्होंने विपक्षी सदस्यों को सरकार की योजनाओं और नीतियों को समझने का भी सुझाव दिया। बोले- प्रदेश के नौजवानों के हितों के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। विपक्ष के सदस्य यदि सरकार की योजनाओं और नीतियों के बारे में समझकर अपने क्षेत्र में कार्य करेंगे तो उनके क्षेत्र के नौजवानों का ही भला होगा और उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा, नहीं तो वही होगा जो कुंदरकी में हुआ है।

सीएम योगी बोले, हमें उत्तर प्रदेश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है। सदन में कुम्भ पर भी चर्चा होगी और मुझे लगता है कुम्भ हमारे लिए एक अवसर होगा उत्तर प्रदेश को वैश्विक मंच पर शोकेस करने का, लेकिन इसके लिए अच्छा बोलना और सोचना पड़ेगा। नकारात्मकता को हटाना पड़ेगा। विपक्ष का मतलब नकारात्मक नहीं हो सकता है। विपक्ष का मतलब हर चीज में बुराई करना नहीं हो सकता है। कुछ अच्छा भी करिए, अच्छा सोचिए, अच्छी दिशा में चलिए, अच्छी दिशा में चलेंगे तो आगे अच्छा ही देखने को मिलेगा, लेकिन अगर नकारात्मक दिशा में चलेंगे तो एक तरफ कुआं और एक तरफ खाई ही मिलेगी। नकारात्मकता किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। सीएम ने विपक्ष के सदस्यों से आग्रह किया सदन में आकर मुद्दों को रखें, लेकिन तथ्यों के साथ रखेंगे तो उनकी गरिमा और सम्मान बढ़ेगा। उनके मुद्दे उचित, लेकिन तथ्यहीन-अपुष्ट थे। उन्होंने अपील की कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और विद्वेष को छोड़कर सरकार की नीतियों और योजनाओं के बारे में पढ़ेंगे तो अपने क्षेत्र के नौजवानों का भला कर पाएंगे। नहीं तो आपका वही हाल होगा जो कुंदरकी में हुआ है।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी के अब तक लगभग 5,600 से अधिक नौजवान इजराइल में निर्माण कार्य करने गए हैं। हर नौजवान को वहां रहने और खाने की नि:शुल्क सुविधा के साथ डेढ़ लाख रुपए अतिरिक्त मिल रहे हैं। उन्हें सुरक्षा की भी पूरी गारंटी है। अभी इजराइल के राजदूत आए थे। उन्होंने कहा कि हम यूपी के और भी नौजवानों को ले जाना चाहते हैं, क्योंकि यहां का नौजवान अच्छा कार्य कर रहा है। उसकी स्किल की ताकत को आज दुनिया मान रही है। जब वो नौजवान ये डेढ़ लाख रुपये अपने घर भेजता है तो प्रदेश के ही विकास में योगदान देता है। हमें उन नौजवानों का अभिनंदन करना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि 1947 में जब देश आजाद हुआ था तब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भारत की एवरेज प्रति व्यक्ति आय से अधिक थी और 2017 में जब हमें सत्ता प्राप्त हुई थी, तब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भारत की प्रति व्यक्ति आय की एक तिहाई रह गई थी। आज हम उसे दोगुना करने में सफल हुए हैं। मेरा मानना है कि अगले 5 साल के अंदर उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय फिर से भारत की प्रति व्यक्ति आय से अधिक होगी। प्रदेश की वर्तमान वृद्धि दर इसी दिशा में संकेत देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की नीयत साफ है, नीतियां बहुत स्पष्ट है। सरकार प्रदेश के हर नौजवान के हित को लेकर पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी से कार्य कर रही है और उसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश का स्किल डेवलपमेंट मिशन बेहतरीन काम कर रहा है। 12 लाख से अधिक युवाओं को इस स्किल डेवलपमेंट मिशन से जोड़ा गया है, 6 लाख से अधिक नौजवान इसके माध्यम से रोजगार प्राप्त किए हैं। ग्लोबल मैपिंग के साथ कहां-कहां यूपी के नौजवानों के लिए नौकरी की संभावना हो सकती है, इसके लिए भी सरकार के स्तर पर कार्य प्रारंभ हुआ है। इसमें सामान्य पाठ्यक्रम के साथ दुनिया के अंदर मॉडल कोर्सेज कौन-कौन से हो सकते हैं, इस पर ध्यान दिया जा रहा है। हमारी नेशनल एजुकेशन पॉलिसी भी स्किल मिशन पर बहुत ध्यान दे रही है। स्किल मिशन इसी बात को लेकर है कि जब हमारा नौजवान अपने कॉलेज की पढ़ाई करके निकले तो खुद को असहाय न महसूस करे, बल्कि वह खुद को आत्मनिर्भर-स्वावलंबी महसूस करे। उन्होंने कहा कि सरकार अपने नौजवानों के हितों को समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो मुद्दे यहां उठाए गए हैं, सरकार उसके प्रति अवेयर है। किसी भी नौजवान के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को भी नहीं दी जाएगी।

पिछली सरकार की बदनीयती के कारण नहीं की जा सकी थीं भर्तियांः सीएम

● योगी ने शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी रखा सरकार का पक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन शिक्षा क्षेत्र में सरकार द्वारा किए गए कार्यों को रखा। उन्होंने सपा विधायक मनोज कुमार पारस, पूजा, पंकज पटेल के मुद्दे को महत्वपूर्ण व संवेदनशील बताया, लेकिन नसीहत दी कि सदस्यों को सदन की गरिमा व मर्यादा को ध्यान में रखकर तथ्यपरक बातें रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग में सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। हमारी सरकार ने 1.60 लाख से अधिक भर्तियां शिक्षा विभाग में की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि समग्र शिक्षा (बेसिक, माध्यमिक, उच्च, तकनीकी, व्यावसायिक, चिकित्सा शिक्षा) को लेकर नया चयन बोर्ड (उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग) बनकर तैयार है। वह विभिन्न विभागों से अधियाचन मांगकर नियुक्ति की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। हमारी सरकार ने अकेले शिक्षा विभाग में ही 1.60 लाख से अधिक भर्तियां की हैं। यह वे भर्तियां हैं, जो पिछली सरकार की बदनीयती के कारण भरी नहीं जा सकी थीं।

आरक्षण के नियमों का हो रहा अक्षरशः पालन

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोजगारी देश, दुनिया व उत्तर प्रदेश के सामने चुनौती है। उत्तर प्रदेश दुनिया के अंदर सबसे युवा राज्य है। 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में 56 से 60 फीसदी आबादी वर्किंग फोर्स-युवा है। हमारी सरकार ने राज्य के युवाओं को ध्यान में रखकर अनेक कार्य किए हैं। पिछले सत्र में हमारी सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सार्वजनिक परीक्षा व अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम - 2024 को पारित किया। प्रदेश के युवाओं को ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ सरकारी नौकरियां प्राप्त हो रही हैं। इसमें आरक्षण के नियमों का अक्षरशः पालन किया जा रहा है।

सदस्यों द्वारा रखे गए आंकड़े तथ्यपरक नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर सदस्यों द्वारा रखे गए आंकड़े तथ्यपरक नहीं हैं। यदि उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भर्तियों की प्रक्रिया को पूर्ण करने की बात है तो 69000 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र जारी हुए हैं, वे सभी चार वर्षों से स्कूलों में पढ़ा भी रहे हैं। उससे पहले 68500 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को संपन्न किया गया, क्योंकि उस समय बीएड को एनसीटीई ने उस परीक्षा के योग्य नहीं माना था और उस समय बीटीसी के इतने अभ्यर्थी हमारे पास नहीं थे। इसमें केवल 42 हजार शिक्षकों की भर्ती हो पाई थी, जो आज बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में पढ़ा रहे हैं। इन सभी को नियुक्ति पत्र जारी हुआ।

पिछली सरकारों ने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया था। शिक्षामित्रों को सहायक शिक्षक के रूप में भर्ती किया था। माननीय उच्चतम न्यायालय ने उन्हें खारिज करके सेवाओं को समाप्त करने का आदेश किया था, लेकिन राज्य सरकार ने उन्हें निश्चित मानदेय पर रखा है। वे सभी शिक्षामित्र भी यथावत कार्य कर रहे हैं। उन्हें वेटेज देकर भर्ती प्रक्रिया से जोड़ा गया था। माननीय उच्चतम न्यायालय की मंशा के अनुरूप कदम उठाए गए थे। 44,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग बोर्ड व उच्चतर शिक्षा चयन आयोग बोर्ड के द्वारा संपन्न की जा चुकी है।

सीएम ने कराया हकीकत से वाकिफ

मुख्यमंत्री ने कहा कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में बड़ी विनम्रता से कहूंगा कि पिछड़ी जाति के 27 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर 18 हजार पद आरक्षित होते हैं और पिछड़ी जाति के उसमें 32,200 से अधिक नौजवान भर्ती हुए हैं।

साढ़े सात वर्ष मे सात लाख भर्ती की प्रक्रिया को किया पूराः योगी

● उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 1.56 लाख पुलिस कर्मियों की हो चुकी भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डबल इंजन सरकार में यूपी की बदली पहचान से सदन को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में एक लाख 56 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती अब तक पूरी हो चुकी है। वे सभी कार्य कर रहे हैं, इसमें 22, 700 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। बालिकाओं को भी पुलिस बल में मौका दिया गया है, उनके लिए 20 प्रतिशत पद आरक्षित करते हुए भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। अभी हाल ही में हमारी सरकार ने 60, 200 से अधिक पुलिस की भर्ती प्रक्रिया को बहुत शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न किया है। प्रदेश के अंदर हर जनपद के युवा इस भर्ती में आए हैं। हमारी सरकार ने सात-साढ़े सात वर्ष में सिंचाई, वन, स्वास्थ्य समेत अन्य विभागों में लगभग 7 लाख के करीब भर्ती की प्रक्रिया को पूरा किया है। भर्ती की प्रक्रिया पारदर्शिता और ईमानदारी से हुई है, इस पर कोई प्रश्न नहीं खड़ा कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की स्थिति क्या थी। कौन नहीं जानता कि क्या होता था। आप लोग भूल गए, जब 86 एसडीएम पद में से 56 एक ही जाति विशेष के लोग भर दिए गए। दूसरा, वही प्रयागराज है जहां पब्लिक सर्विस कमीशन के कार्यालय में महीनों तक यूपी के नौजवानों ने धरना दिया था। एक अयोग्य व्यक्ति, उस पद के लिए उपयुक्त नहीं था, जिसकी डिग्री फर्जी थी, उसे आयोग का अध्यक्ष बनाकर पूरे कमीशन और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया था। उस समय कैसे-कैसे लोग अध्यक्ष बनाए गए थे, जो स्वयं एक लेक्चरर होने के एलिजिबिल नहीं था।

विपक्ष ने उठाया बिजली के निजीकरण का मामला, सरकार की नीयत पर सवाल खड़े किए

● ऊर्जा मंत्री एके शर्मा बोले, सरकार आम जनता के साथ ही कर्मचारियों का भी रख रही ध्यान

● जबाव से असंतुष्ट कांग्रेस सदस्यों ने सदन से किया वाकआउट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने बिजली के मुद्दे पर योगी सरकार को घेरा। सपा सदस्य ओमप्रकाश सिंह, नफीस मलिक, आर के सिंह, कमाल अख्तर, कांग्रेस की आराधना मिश्रा मोना ने सरकार द्वारा बिजली को निजी हांथों में दिए जाने का मामला उठाया। इन सदस्यों ने कहा कि बिजली के निजीकरण से जहां विभाग के हजारों कर्मचारी सडक पर आ जायेगा। बिजली की दरे बढ जायेगी । जिससे आम जनता को परेषानी का सामना करना पड़ेगा। कांग्रेस की सदस्य आराधना मिश्रा मोना ने इस मुद्दे पर सरकार से ,स्वेतपत्र लाए जाने की मांग की। सपा कांग्रेस सदस्यों के जवाब में उर्जा मंत्री एके सर्मा ने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों की संकाए निर्मूल है। इस बारे में सरकार जो भी निर्णय लेगी उसमें आम जनता के साथ काम कर रहे कर्मचारियों का भी ध्यान रखा जायेगा। किसी नियमित या संविदा कर्मचारी को निकाला नहीं जायेगा। उन्होंने कहा कि बिजली बेहतर करने की गुजाइश क लिए नए रास्ते खोजे जा रहे है। उन्होंने कहा कि पीपी मांडल को एक बारगी नकार देना ठीक नहीं है। उर्जा मंत्री एके शर्मा के जवाब से असंतुस्ट होकर पहले सपा फिर कांग्रेस के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया।

योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे मजबूतः खन्ना

● विपक्ष की ओर से गलत आंकड़े पेश करने पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में दिया करारा जवाब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विपक्ष द्वारा महिला हिंसा और उत्पीड़न के मुद्दे पर गलत आंकड़े पेश करने पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे मजबूत हुई है। पिछले साढ़े सात वर्षों में यूपी में महिला समेत हर प्रकार के अपराध में गिरावट दर्ज की गई है। अपराधियों को सजा दिलाने में भी प्रदेश सरकार सबसे ज्यादा सफल हुई है। उन्होंने विपक्ष के सवालों को जवाब देते हुए कहा कि 1 जनवरी 2024 से 30 नवंबर के बीच 1090 वीमेन पावर लाइन पर 4,18,504 शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें 4 लाख 9 हजार 912 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसका रेश्यो 97.95 प्रतिशत है। वहीं पेंडिंग 8,592 मामलों के निस्तारण के लिए कार्रवाई की जा रही है।

कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि दहेज मृत्यु के मामले में भी लगातार कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2017 में 2524 मामले सामने आए थे। 1 जनवरी 2024 से 31 अक्टूबर तक इस पर 1418 केस दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में दहेज मृत्यु की 2061 घटनाएं दर्ज की गईं। उन्होंने कहा कि अपराधियों को सजा दिलाने की बात है तो सरकार ने जितनी तेजी से प्रॉसिक्यूशन को मजबूत करते हुए कन्विक्शन कराया है। अभी तक उत्तर प्रदेश सरकार के इतिहास में किसी की सरकार ने नहीं किया।

संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि पॉक्सो एक्ट में 2017 में 415 लोगों को सजा हुई। वहीं 2018 में 631 लोगों को सजा हुई। वर्ष 2019 में 665 और 2020 में 535 और 2021 में 1230, 2022 में 2313 और 2023 में 2841 और अभी इस वर्ष 1 जनवरी से 15 दिसंबर तक 2440 लोगों को सजा दिलाने में सफलता हासिल की गई। स्पेशल अभियान चलाकर 1 जुलाई 2023 से लेकर 11 दिसंबर 2024 तक 48 मृत्युदंड दिए गए। इसी अवधि में 6065 मामलों में आजीवन कारावास, 1046 मामलों में 20 वर्ष और उससे अधिक सजा, 73 मामलों में 15 से 19 वर्ष की सजा, 3610 मामलों में 10 से 14 वर्ष की सजा, 5564 मामलों में 5 से 9 वर्ष की सजा और 22298 मामलों में पांच वर्ष से कम की सजा दिलाने में सफलता मिली।

सुरेश खन्ना ने कहा कि जब से भारतीय न्याय संहिता आई, इसमें 1 जुलाई से लेकर 12 दिसंबर तक 29 लोगों को सजा हुई है। सुरेश खन्ना ने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अभी तक वर्ष 2022 तक की रिपोर्ट उपलब्ध है, उसके मुताबिक हर क्षेत्र में महिलाओं से संबंधित अपराध में गिरावट दर्ज की गई है। दुष्कर्म के मामले में पूरे देश में यूपी का 24वां स्थान है।

डीएम करें सुनिश्चित, शीतलहर के दौरान कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे न सोए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सीएम के निर्देश पर राहत आयुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को भेजा परिपत्र

शीतलहर और सर्द मौसम का सर्वाधिक प्रभाव निराश्रित, असहाय, कमजोर और गरीब तबके पर पड़ता है। शहरी व कस्बाई क्षेत्र में तो कई ऐसे असहाय और गरीब होते हैं जिनके लिए ठंड भरी रातों में वक्त गुजारना मुश्किल होता है। विगत सालों की भांति एक बार फिर योगी सरकार ने सर्द रातों में असहायों की सुध लेने का अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा और स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान तले न सोये, उसे निकटतम रैन बसेरों में आश्रय दिया जाए। मुख्यमंत्री के इस निर्देश पर प्रशासन के अफसरों ने रात्रिकालीन निरीक्षण और भ्रमण का अभियान चलाकर खुले आसमान तले मिलने वाले गरीबों और असहायों को रैन बसेरों में सम्मानजनक तरीके से आश्रय देने की पहल की है। ठंड के प्रतिकूल मौसम में गरीबों और निराश्रितों की सुविधा व सहूलियत के लिए मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में दिए गए दिशानिर्देश के क्रम में प्रदेश के राहत आयुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को एक परिपत्र जारी कर कहा है कि शीतलहर के दौरान कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे न सोये, उन्हें निकटतम रैन बसेरों में विस्थापित किया जाए। राहत आयुक्त के परिपत्र के अनुपालन में गोरखपुर जिला प्रशासन ने नगर मजिस्ट्रेट, सभी अपर नगर मजिस्ट्रेट, सभी एसडीएम और सभी तहसीलदारों को रात्रिकालीन अभियान में जुटने को निर्देशित किया है। गोरखपुर के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं आपदा के प्रभारी अधिकारी विनीत कुमार सिंह के मुताबिक बढ़ते शीतलहर को देखते हुए निराश्रित, असहाय, कमजोर और गरीब व्यक्तियों/ परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक है कि प्रतिदिन वृहद अभियान चलाकर सड़क किनारे सो रहे लोगों को रैन बसेरों तक पहुंचाया जाए। साथ ही पात्र व्यक्तियों को कंबल उपलब्ध कराया जाए और पर्याप्त संख्या में अलाव की व्यवस्था की जाए। सीएम योगी की मंशा और इस निमित्त जारी राहत आयुक्त के निर्देश के अनुपालन में सड़क किनारे सोने वालों को रैन बसेरों में पहुंचाने, अलाव के इंतजाम देखने के लिए अफसरों ने सोमवार रात से भ्रमणशील रहते हुए निरीक्षण शुरू कर दिया है।

'एक देश-एक चुनाव' का फैसला सच्चे लोकतंत्र के लिए घातकः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 'एक देश-एक चुनाव' का फ़ैसला सच्चे लोकतंत्र के लिए घातक साबित होगा। ये देश के संघीय ढांचे पर भी एक बड़ी चोट करेगा। इससे क्षेत्रीय मुद्दों का महत्व ख़त्म हो जाएगा और जनता उन बड़े दिखावटी मुद्दों के मायाजाल मे फंसकर रह जाएगी, जिन तक उनकी पहुँच ही नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संदर्भों में 'एक' शब्द ही अलोकतांत्रिक है। लोकतंत्र बहुलता का पक्षधर होता है। 'एक' की भावना में दूसरे के लिए स्थान नहीं होता। जिससे सामाजिक सहनशीलता का हनन होता है। व्यक्तिगत स्तर पर 'एक' का भाव, अहंकार को जन्म देता है और सत्ता को तानाशाही बना देता है। अखिलेश ने कहा कि एक तरह से ये संविधान को ख़त्म करने का एक और षड्यंत्र भी है। इससे राज्यों का महत्व भी घटेगा और राज्यसभा का भी। कल को ये भाजपा वाले राज्यसभा को भी भंग करने की माँग करेंगे और अपनी तानाशाही लाने के लिए नया नारा देंगे 'एक देश-एक सभा'। जबकि सच्चाई ये है कि हमारे यहाँ राज्य को मूल मानते हुए ही 'राज्यसभा' की निरंतरता का संवैधानिक प्रावधान है। लोकसभा तो पाँच वर्ष तक की समयावधि के लिए होती है। अखिलेश ने प्रश्न किया कि क्या 'एक देश, एक चुनाव' का मुद्दा महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी, बीमारी से बड़ा मुद्दा है जो भाजपाई इसे उठा रहे हैं। दरअसल भाजपा इन बड़े मुद्दों से ध्यान भटका रही है। जनता सब समझ रही है। सच तो ये है कि बीजेपी को तो सोते-जागते सिर्फ़ चुनाव दिखाई देता है, और ये सोचते हैं कि किस तिकड़म से परिणाम इनके पक्ष में दिखाई दे।

कांग्रेस के विधानसभा घेराव कार्यक्रम से घबराई है योगी सरकारः अजय राय

● पुलिस के माध्यम से कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं को डरा-धमकाकर रोकने का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि कांग्रेस के विधानसभा घेराव कार्यक्रम से घबराई योगी सरकार पुलिस के माध्यम से कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को डरा धमकाकर विधानसभा घेराव में शामिल होने पर आने के लिए रोक रही है। प्रदेश के अधिक से अधिक जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट कर धरने में शामिल होने से रोका जा रहा है जो कि निहायत ही शर्मनाक और लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह सरकार तमाम लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रखकर आम जनता की आवाज को कुचल रही है। हम कांग्रेस के लोग इनको साफ शब्दों में चेतावनी देना चाहते हैं कि जिस तरह से यह कल के कांग्रेस के विधानसभा घेराव कार्यक्रम को लेकर पुलिस तंत्र का इस्तेमाल करके हमारे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे है, रोक रहे हैं। कांग्रेस पार्टी मजबूती से इसका जवाब देगी और प्रदेश व्यापी आंदोलन खड़ा करेगी।

अजय राय ने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता सरकार के तानाशाही रवैये, बेरोजगारी, महंगाई, जैसे मुद्दे पर सरकार से दो-दो हाथ करने के लिए तैयार है। चाहे जितनी नुकीली बैरिकेडिंग सरकार कांग्रेसियों को रोकने के लिए लगाए लेकिन अब कांग्रेसी भाजपा के इस कुशासन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने के लिए मन बना चुका है।

युवा कांग्रेस के कार्यक्रम 'यंग इंडिया के बोल' सीजन-5 की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कार्यक्रम का पोस्टर लांच किया

उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा युवाओं को उनकी प्रतिभा को उभारने के लिए तैयार किए गए मंच 'यंग इंडिया के बोल' कार्यक्रम के सीजन-5 की शुरुआत की गई तथा यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम का पोस्टर भी लांच किया गया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह एवं दिनेश कुमार सिंह, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस विनीत कम्बोज, युवा कांग्रेस मध्य के का. अध्यक्ष अंकित तिवारी मौजूद रहे। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के माध्यम से 'यंग इंडिया बोल' कार्यक्रम-सीजन-5 के लांचिंग के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय ने कहा कि कांग्रेस का युवा सरकार के तानाशाही रवैये, बेरोजगारी, महंगाई, जैसे मुद्दे पर सरकार से दो-दो हाथ करने के लिए तैयार है। चाहे जितनी नुकीली बैरिकेडिंग सरकार युवाओं को रोकने के लिए लगाए लेकिन अब युवा भाजपा के इस कुशासन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने के लिए मन बना चुका है।

डीएम की पहल पर समूह की 168 महिलाएं होंगी सशक्त, बनेगी जल जीवन मिशन की सारथी

अटल सभागार में हुई तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत

लखीमपुर खीरी। जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और सराहनीय पहल हुई है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर महिलाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में बनी पानी की टंकी के संचालन के लिए फिटर, प्लंबर और पंप ऑपरेटर के पद पर तैनाती देकर इसके संचालन की जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी। इससे जहां एक तरफ पेयजल सप्लाई की व्यवस्था बेहतर बनेगी। वहीं महिलाओं को भी गांव में ही रोजगार की सुविधा में मिल सकेगी। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अनूठी पहल पर जनपद लखीमपुर खीरी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्लम्बर, फिटर और पंप ऑपरेटर का तकनीकी प्रशिक्षण देकर जल जीवन मिशन से जोड़कर रोजगार प्रदान करते हुए आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। इसके लिए प्रथम चरण में लखीमपुर और नकहा ब्लॉक की 168 महिलाओं का चयन किया गया। प्रशिक्षण हेतु प्रत्येक ट्रेड में 56-56 समूह की महिलाओं का चयन किया गया।मंगलवार को लखीमपुर विकास क्षेत्र के अटल सभागार में प्रथम फेज में लखीमपुर और नकहा ब्लॉक की चयनित सभी 168 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को कुशल ट्रेनर्स द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की शुरुआत हुई। सीडीओ अभिषेक कुमार ने दीप जलाकर कर तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि जिले में डीएम की पहल पर समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण देकर जहां एक और दक्ष बनाया जाएगा। वहीं दूसरी ओर वह रोजगार पाकर आत्मनिर्भर और सशक्त भी बनेंगी। प्रशिक्षण प्राप्त कर यह महिलाएं गांव में पानी की आपूर्ति, वोल्टेज मीटर व मोटर पंप के रख-रखाव का उचित तरह से संचालन करेंगी। इसके लिए तैनाती से पूर्व उन्हें विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। महिलाओं को विशेष तौर पर प्रशिक्षित कर निशुल्क टूल किट वितरित की जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत में अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण वाईके नीरज ने इस अनूठी पहल की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताई।

किसान दिवस का 18 दिसंबर को विकास भवन सभागार में होगा आयोजन

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देश में उप कृषि निदेशक रामचरन राम ने अवगत कराया है कि शासन के निर्देशानुसार कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु जनपद स्तर पर प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार माती में पूर्वाह्न 12:00 बजे से किया जाता है। आयोजित कार्यक्रम में कृषि एवं कृषि समावेशी विभागों यथा उद्यान विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी समिति, लघु सिंचाई विभाग, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, कृषि विज्ञान केन्द्र, अग्रणी बैंक मैनेजर, नेडा एवं फसल बीमा कम्पनी के जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारीएवं मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजित कर कृषकों की समस्याओं को निस्तारित करने के साथ-साथ उपस्थित कृषकों को विभागीय योजनाओं/ कार्यक्रमों एवं नवीनतम/उन्नत कृषि तकनीकी के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने का कार्य भी किया जाता है।

जिला पोषण समिति एवं कनवर्जेंस विभागो की मासिक समीक्षा बैठक

फतेहपुर। जिला पोषण समिति एवं कनवर्जेस विभागो की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप बच्चो, गर्भवती, धात्री महिलाओं, किशोरियों को समय से पोषाहार वितरण किया जाय, ताकि उनके पोषण स्तर में सुधार आ सके साथ ही पोषण ट्रैकर में शत प्रतिशत फीडिंग का कार्य भी कराया जाय। वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण चरणबद्ध तरीके से जल्द से जल्द पूर्ण कराये के लिए कार्यदायी संस्था कार्ययोजना बनाये कि कौन सा केन्द्र किस माह में पूर्ण होगा की रिपोर्ट से भी अवगत कराये एवं बेबी फ्रेंडली शौचालय के निर्माण कार्य शेष है, को जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाय साथ ही ऑपरेशन कायाकल्प के तहत जिन पैरामीटर्स पर कार्य शेष है, को पूर्ण कराया जाय। उन्होंने कहा कि 0-5 वर्ष तक के चिंहित सैम, मैम बच्चों की जाँच बी.एच.एन.डी. दिवस मे अवश्य कराये। 0-5 वर्ष के बच्चों के वजन, लम्बाई संबंधी रजिस्टर अपडेट कराने के निर्देश सीडीपीओ को दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओ, गर्भवती महिलाओं, किशोरियों को अपने व उनके बच्चो के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए जागरूक करे। मैम/सैम बच्चो को चिन्हित कर शासन द्वारा अनुमन्य सुविधाओं को मुहैया कराते हुए पोषण स्तर में सुधार लाया जाय। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी/सीडीपीओ, मुख्य सेविका आंगनबाड़ी केन्द्रों का समयदूसमय पर निरीक्षण करे एवं निरीक्षण की चेकलिस्ट की एक कांपी केन्द्र में रखें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, डीसी एन.आर.एल.एम., खंड विकास अधिकारी, सीडीपीओ आदि उपस्थित रहे।

पाक कला प्रतियोगिता में भिटौरा ब्लाक की सुमित्रा रहीं प्रथम

फतेहपुर। यूआरसी, नगर क्षेत्र के प्रांगण में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जनपद स्तरीय रसोईया पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में समस्त ब्लॉकों से चयनित स्कूलों के रसोइयों ने प्रतिभाग किया। शुभारंभ जिला विकास अधिकारी ने किया। सभी ब्लॉकों के स्कूलों से चयनित कुल तीस रसोइयों ने अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। निर्णायक समिति ने साप्ताहिक मेन्यू से कुल तीन व्यंजन चयनित किए। जिसमें प्रथम समूह को तहरी, द्वितीय समूह को सांभर-चावल, तृतीय समूह को रोटी-सब्जी रसोइयों को बनाने हेतु कहा। निर्णायक समिति ने भोजन का स्वाद, पौष्टिक तत्व, भोजन पकाने का तरीका, स्वच्छता, सुरक्षा हेतु प्रत्येक के लिए 10 अंक एवं सभ्य व्यवहार के लिए 05 अंकों को मिलाकर कुल 55 अंक निर्धारित किये।

पेंशनर दिवस पर सम्मानित हुए पेंशनर, एडीएम ने सुनी समस्याएं

फतेहपुर। अपर जिलाधिकारी अविनाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पेंशनर दिवस का आयोजन किया गया, जिसमे पेंशनर संघ के पदाधिकारी, समस्त विभागो के पेंशनर एवं कार्यालय अध्यक्षों ने प्रतिभाग किया। पेंशनरों द्वारा अपर जिलाधिकारी एवं समन्वयक वरिष्ठ कोषाधिकारी योगेश कुमार पाण्डेय को पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत किया गया। इस मौक़े पर पेंशनरों द्वारा उठाए गए बिंदुओ को सुना गया और उनके निस्तारण बाबत कार्यवाही के निर्देश दिए गए। प्रमुख रूप से बेसिक शिक्षा संघ के अध्यक्ष राशिद अहमद ने राज्य कर्मचारियों की भांति चिकित्सा प्रतिपूर्ति का लाभ एवं छठे वेतन आयोग के बकाए का भुगतान की मांग रखी। अपर जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ कोषाधिकारी ने पेंशनर रशीद अहमद एवं मूलचंद्र सैनी आदि पेंशनरोट को शाल, माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान 25 पेंशनरों के पं. दीनदयाल कैशलेश योजना के कार्ड बनाए गए एवं कार्यक्रम में आए हुए पेंशनर का चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। प्रमुख रूप से एसीएमओ, प्रभागीय निदेशक वन, क्षेत्राधिकारी पुलिस, वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा, जिला विद्यालय निरीक्षक, समस्त कोषागार कर्मचारी आदि

डीएम ने की विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित निर्माण एवं विकास कार्यो की समीक्षा बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की नियमित समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवंटित लक्ष्य की प्राप्ति करने के साथ, योजनाओं से सम्बन्धित त्रुटि रहित आकडें पोर्टल पर फीड करें। संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत प्रगति लायी जाये। जिलाधिकारी द्वारा सी,डी,ई श्रेणी में प्रदर्शित योजनाओं से सम्बन्धित अधिकारियों को विशेष प्रयास कर ए श्रेणी में लाने के निर्देश दिये गये। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्यां की समीक्षा की गयी। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को परियोजनाओं को समयान्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाऐं निर्धारित समयावधि में मानक व गुणवत्ता का पालन करते हुए कार्यो को पूर्ण करायें, सम्बन्धित विभाग निर्माण कार्यो की नियमित समीक्षा करें। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं व सम्बन्धित विभागों को निर्माण कार्यो की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति से सम्बन्धित त्रुटि रहित आकड़ें पोर्टल पर समयान्तर्गत फीड कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी द्वारा कार्यदायी संस्थाओं से विभिन्न निर्माण कार्यो के अद्यतन भौतिक प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। उन्होंने ड्रग वेयर हाउस निर्माण में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर कार्यदायी संस्था एन0बी0सी0सी0 के नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में अधिकारी विशेष ध्यान दे, प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें, शिकायतों का निस्तारण करते समय शिकातकर्ता से बात जरूर की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा प्रशासन गांव की ओर अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी विभाग प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण गांव में ही जाकर करेंगे तथा उसकी फोटो सहित आख्या पोर्टल पर अपलोड कराएंगे। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण शिकायतकर्ता के घर पर/गांव में ही किया जाए।

पोषाहार हार वितरण से गुलजार हो रहे आंगनबाड़ी केंद्र

निघासन - खीरी । स्थानीय विकास क्षेत्र में बाल विकास परियोजना लम्बी दूरी तय करने के बाद पटरी पर लौटी है , सीडीपीओ निघासन पूजा त्रिपाठी वितरण से एक दिन पहले मोबाइल नंबर सहित व्हाट्सएप पर डाल देती हैं ताकि यदि किसी केंद्र पर पोषाहार वितरण में गड़बड़ी हो रही तो उसे तुरंत सही कर लिया जाए ।ताज मिली जानकारी के अनुसार आज स्थानीय विकास क्षेत्र के तिरकौलिया विनौरा बांगलहा तकिया छेदुई पतिया द्वितीय , सहन खेड़ा मोतीपुर , धर्मापुर , इच्छा नगर , झंडी प्रथम , लालपुर द्वितीय भूलनपुर आंगनबाड़ी केंद्र पर एसएलआरएम के माध्यम चखरा द्वारा चक्र टी एच आरए प्लांट से प्राप्त पोषाहार का वितरण शांतिपूर्ण ढंग से किया गया। इसमें कोई दो राय नहीं कि जब से सीडीपीओ निघासन के रूप में पूजा त्रिपाठी ने कमान संभाली है तब से स्थानीय बाल विकास परियोजना वास्तविक रूप से ढर्रे पर लौटी है । दर्जनों आंगनबाड़ी केदो पर पोषाहार का वितरण आराम से किया जा चुका है कहीं पर धांधली की शिकायत नहीं मिली है ।

क्विक न्यूज

डायट में 05 दिवसीय प्रशिक्षण के छठे बैच का हुआ समापन

फतेहपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (फतेहपुर) में डिजिटल लिटरेसी कोडिंग एवं कंप्यूटेशनल थिंकिंग पांच दिवसीय प्रशिक्षण के आज छठे बैच का समापन हुआ जिसमें डिजिटल लिटरेसी, साइबर, नैतिक मूल्य, वोकेशनल कोर्सेज, ए.आई., चरण बद्ध एवं तार्किक सोच, सूचनाओं का सही आकलन, कोडिंग अन्य महत्वपूर्ण विषय वस्तु पाठ्यक्रम उद्देश्य हेतु अति महत्वपूर्ण प्रशिक्षण अध्यापकों को प्रेषित किया जा रहा है, जो की आधुनिक युग में विद्यालय कक्षा कक्ष से लेकर अभिभावकों एवं सामाजिक परिवेश को तकनीकी माध्यम से सुद्रण बनाने की महत्वपूर्ण पहल की विधा का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस मौक़े पर डायट प्राचार्य संजय कुमार कुशवाहा, वरिष्ठ प्रवक्ता आरती गुप्ता, सेवारत प्रशिक्षण प्रभारी विनय कुमार मिश्र, प्रशिक्षण नोडल प्रभारी अतुल कुमार के तत्वाधान में संदर्भ दाता कौशल कुमार अंकुर, प्रदीप कुमार वर्मा, आशीष प्रकाश श्रीवास्तव, मनीष प्रताप सिंह, विष्णु प्रकाश मिश्रा, ध्रुव मिश्र, विपिन त्रिपाठी, सत्येंद्र सिंह की उपस्थिति में प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

आशू-गौरी हत्याकांडः चार दिन बाद भी खुलासा नहीं

असोथर, फतेहपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र में युवक व किशोरी को गोली लगने से हुई मौत के मामले को लेकर चार दिन बीत चुके है, लेकिन अभी तक दोनों के हत्यारों का कोई सुराग नहीं लगा है, जबकि पुलिस युवक व किशोरी के करीबियों को हिरासत में लेकर लगातार पूछताछ करती नजर आ रही है। शुक्रवार की देर शाम कौहन निवासी 22 वर्षीय आशू सिंह पुत्र भन्नू सिंह का घर के पीछे यमुना नदी के कछार में शव मिला था, जिसमें आंसू को गोली मारी गई थी। पुलिस की जांच शुरु हुई थी कि शनिवार के सुबह युवक के शव मिलने वाले स्थान से लगभग तीन किलोमीटर दूर पड़ोसी गांव के मजरे में अरहर के खेत पर 16 वर्षीय किशोरी गौरी पुत्री योगेंद्र सिंह का शव बरामद हुआ था। किशोरी को तीन गोलियां मार कर हत्या की गई थी। युवक व किशोरी के परिजनों की थाने में तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक व किशोरी को गोली मारने की पुष्टि हुई। दोनों की मौत को लेकर पुलिस गहन तरीके से जांच करने में जुटी हुई है। पुलिस की जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ने के साथ ही दोनों के मंदिर में शादी करने की बात सामने आई। पता चला है कि किशोरी के माता-पिता मुख्यमंत्री से मिलकर बेटी की हुई हत्या का खुलासा कर हत्यारे पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

उत्कर्ष स्मॉल बैंक का विस्तार

फतेहपुर। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ;उत्कर्ष एसएफबीएल को फतेहपुर उत्तर प्रदेश में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह विस्तार वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और फतेहपुर के निवासियों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस लॉन्च के साथए बैंक के देश भर में 1008 और उत्तर प्रदेश राज्य में 213 बैंकिंग आउटलेट हो गए हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ गोविंद सिंह ने कहा कि फतेहपुर में हमारा नया बैंकिंग आउटलेट उत्तर प्रदेश में हमारे नेटवर्क को मजबूत करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अपने समृद्ध इतिहास और मजबूत सामुदायिक संबंधों के लिए जाना जाने वाला फतेहपुर राज्य का एक अभिन्न अंग है। यह क्षेत्र कैक्टस गार्डन और अद्वितीय कालिका माता मंदिर जैसे ऐतिहासिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। इस आउटलेट का उद्घाटन फतेहपुर की गतिशील और तेजी से बढ़ती आबादी का समर्थन करने और इस बढ़ते शहर में विकास को बढ़ावा देने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बैंक के द्वारा अपने ग्राहकों को तमाम तरह के वित्तीय उत्पाद और सेवाएं प्रदान कराई जाती हैं जिनमें सेविंग और करेंट अकाउंट्सए फिक्स्ड डिपाजिट और रेकरिंग डिपाजिट जैसी सेवाएं शामिल हैं।

यूनिटी बैंक ने दर्ज कराई उपस्थिति

वाराणसी। नए जमाने के बैंकयूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड यूनिटी बैंक ने अपने आध्यात्मिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध शहर वाराणसी में अपनी शाखा खोलने की घोषणा की है। विद्यापीठ रोड पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी के निकट स्थित यह अत्याधुनिक शाखा पूरे देश में अपनी मौजूदगी का विस्तार करने और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने की बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यूनिटी की लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद और नोएडा में उपस्थिति के साथ उत्तर प्रदेश में अब 30 शाखाएं हैं। सेंट्रम ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन जसपाल बिंद्रा ने यूनिटी बैंक के शीर्ष प्रबंधन की उपस्थिति में नई शाखा का उद्घाटन किया ।यूनिटी बैंक के एमडी और सीईओ इंद्रजीत कैमोत्रा ने कहा हमें वाराणसी में अपना परिचालन शुरू करते हुए काफी अधिक खुशी हो रही है, यह शहर परंपरा और प्रगति का प्रतीक है। आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र के रूप में शहर के महत्व को देखते हुए वाराणसी में अपनी उपस्थिति कायम करना यूनिटी बैंक के लिए एक रणनीतिक कदम है। शहर की उद्यमशीलता और मजबूत स्थानीय अर्थव्यवस्था से बहुत अधिक संभावनाओं के द्वार खुलजाते है।

न्यायिक अधिकारियों ने निरीक्षण कर दी विधिक जानकारी

फतेहपुर। जिला कारागार में निरूद्व बंदियों के अधिकारों व उनकी समस्या से संबंधित निपटान हेतु जिला कारागार का अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अजय सिंह-प्रथम ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक प्रमोद कुमार त्रिपाठी, जेलर अनिल कुमार, डिप्टी जेलर कृपाल सिंह, डिप्टी जेलर अभय कुमार गौतम, डिप्टी जेलर माया, लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल/न्याय रक्षक अमित तिवारी, शिवसौरभ मिश्रा, अशोक कुमार, रोशनी, लिपिक धनश्याम भी शामिल रहे। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय सिंह प्रथम ने निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया। लीगल एड क्लीनिक में कार्यरत पीएलवी/अधिकार मित्र से बंदियों के प्रार्थना पत्रो से संबंधित रजिस्टर का अवलोकन किया। इसके साथ-साथ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल/न्याय रक्षकगणों ने बंदियो को निःशुल्क विधिक सहायता संबंधित जानकारी प्रदान की। पाकशाला का भी निरीक्षण किया, जिसमें सायं कालीन भोजन-आलू, बैगन की सब्जी रोटी व चने की दाल बनता हुआ पाया गया, जिसमें लगभग 35 बन्दी कार्य करते हुये पाये गये। पाकशाला में सफाई व्यवस्था दुरुस्त मिली।

बंधन लाइफ की बीमा सेवाएं उत्तर प्रदेश में उपलब्ध

लखनऊ। देश की अग्रणी जीवन बीमा कंपनी, बंधन लाइफ ने आज बड़े उत्साह से बंधन बैंक के साथ उत्तर प्रदेश में अपनी रणनीतिक साझेदारी एवं विस्तार की घोषणा की। इस विस्तार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में परिवारों के लिए अभिनव और ग्राहक-केंद्रित बीमा योजनाएं प्रदान करना है। बंधन लाइफ के बचत और धन निर्माण प्लान्स, जैसे- आईगारंटी विश्वास, आईइन्वेस्ट-2 और शुभ समृद्धि अब राज्य भर में स्थित बंधन बैंक की 102 शाखाओं में उपलब्ध हैं।यह विस्तार बंधन लाइफ की उस व्यापक योजना का हिस्सा है, जहां वह 2024 के अंत तक देश भर में अपने जीवन बीमा प्लान्स की पेशकश का विस्तार करेगा। यह विस्तार विभिन्न समुदायों के लिए वित्तीय सुरक्षा और मानसिक शांति प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और आकांक्षाओं के साथ उत्तर प्रदेश, सरल और किफायती जीवन बीमा के लिए एक आदर्श क्षेत्र है। राज्य की जनसंख्या में विविधता है, जिसमें नौकरीशुदा कर्मचारी, छोटे व्यवसायी, छात्र और रिटायर्ड लोग शामिल हैं। बंधन लाइफ के चीफ बिजनेस ऑफिसर- बैंकएश्योरेंस, इंद्रनील दत्ता ने कहा, उत्तर प्रदेश में सेवाओं का विस्तार हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उत्तर प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और बढ़ती आय से वित्तीय समाधानों की माँग बढ़ी है। राज्य की उद्यमशीलता की भावना और छोटे व्यवसायों के माध्यम से जीवन बीमा प्लान्स की आवश्यकता और भी स्पष्ट होती है, जो वित्तीय स्थिरता प्रदान करते हैं।

बाइकों के भिडंत में दो बाइक सवार घायल,अस्पताल में भर्ती

कुरारा(हमीरपुर) कस्बा कुरारा के इंडियन बैंक के सामने दो बाइक आमने सामने दोपहर में भिड़ गई। जिससे दोनो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।दोनो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए ले गए। जहां से दोनो को जिला अस्पताल रिफर किया गया है।कस्बा कुरारा के पालीवाल मोहल्ला वार्ड दस निवासी अमित पुत्र राम आसरे यादव बाइक से जा रहा था। तभी इंडियन बैंक के सामने जनपद जालौन के कदौरा थाना क्षेत्र के कुसमरा गांव निवासी विजय पुत्र लालमन ने सामने से आकर टक्कर मार दिया जिससे उंगली में फैक्चर हुआ है। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है।

मलवांः मथुरा के गैंगस्टर की संपत्ति जब्त

फतेहपुर। जिले समेत मथुरा जनपद के विभिन्न थानों में दर्ज मुकदमों में वांछित चल रहे गैंगस्टर अपराधी की पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के दिशा-निर्देशन में मलवां पुलिस ने कस्बे में स्थित पच्चीस लाख रूपए की दुकान को जब्त करने की कार्रवाई की। इस जब्तीकरण कार्रवाई की चर्चा चारों ओर ओती रही। मलवां थाना प्रभारी अभिलाष तिवारी ने बताया कि सोमवार को थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट से संबंधित शातिर गैंगस्टर अभियुक्त मनोज कुमार अग्रवाल पुत्र सुमेरचन्द्र निवासी बेरी थाना फरह जनपद मथुरा की कस्बे में स्थित पच्चीस लाख रूपए की दुकान को जब्त कर लिया। उन्होने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ मथुरा जनपद, हरियाणा के रेवाड़ी व फतेहपुर के मलवां थाने में तीन दर्जन से अधिक मुकदमें पंजीकृत हैं।

सौरिख पुलिस नें तमंचा व कारतूस समेत युवक को दबोचा

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे, अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी छिबरामऊ ओमकारनाथ शर्मा के पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश शर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना सौरिख पुलिस द्वारा एक युवक के पास से तमंचा व कातूस बरामद कर कर हिरासत मे लेकर कार्रवाई की गई है। मंगलवार को अतिरिक्त निरीक्षक संतोष सिंह चन्देल ने हमराह सिपाहियों हेड कांस्टेवल अरविन्द कुमार, कांस्टेवल निहाल सिंह व मनोज कुमार के साथ संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग के दौरान राजवीर सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम निजामपुर थाना सौरिख के पास से तीन सौन पन्द्रह बोर का तमंचा व एक खोखा कारतूस बरामद करते हुये गिरफ्तार किया गया।

स्पेशल इंट्रोडक्टरी प्रशिक्षण शिविर में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

फतेहपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्राचार्य संजय कुमार कुशवाहा के दिशा-निर्देश में संस्थान के डी.एल.एड. बैच 2022 प्रशिक्षुओं का 05 दिवसीय स्काउट मास्टर/गाइड कैप्टन स्पेशल इंट्रोडक्टरी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा हैं। शिविर का उद्घाटन संस्थान के प्राचार्य ने किया।

उन्होंने कहा कि स्काउटिंग के माध्यम से व्यक्ति के व्यक्तिव का निमार्ण होता है। साथ ही एक आदर्श नागरिक तैयार करने की एक पाठशाला है। उद्घाटन के पश्चात प्रशिक्षुओं द्वारा प्रार्थना, झण्डागीत, नियम, प्रतिज्ञा, सिद्यान्त, सैल्यूटिंग, रिर्पोटिंग इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया है। सत्र में बनारस से आये हुए मदन सिंह चौहान (एच.डब्लू.बी) ने कहा कि वर्तमान समय में प्रादेशिक मुख्यालय प्रयागराज के दिशा निर्देशन में स्काउट गाइड का संचालन पूरे प्रदेश में सम्पादित हो रहा है और पाठ्यक्रम के अन्तर्गत इसके प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से रखा गया है, जिससे इसके क्रिया कलापों को सभी युवाओं के माध्यम से समाज तक प्रसारित किया जा सके। इस अवसर पर श्रीमती अर्चना सिंह जिला गाइड कैप्टन, अतुल कुमार प्रवक्ता, श्रीमती शाइस्ता इकबाल प्रवक्ता, अमृत यादव प्रवक्ता डायट आदि उपस्थित रहे। संचालन स्काउट गाइड प्रशिक्षण नोडल प्रभारी डॉ0 रमेश कुमार सोनकर ने किया।

चेयरमैन कुरारा ने डिप्टी सीएम से मिलकर बतायी अपनी पीड़ा

ईओ को तत्काल हटाने की मांग की

हमीरपुर। नगर पंचायत कुरारा की चेयरमैन आशारानी कबीर ने डिप्टी सीएम व नगर विकास मंत्री से मिलकर नगर के विकास में बाधा बने ईओ को तत्काल हटाने की मांग की है,उन्होने कहा कि नगर में अतिक्रमण जोरो पर है मगर अफसरों का सहयोग न मिलने के कारण अतिक्रमण अभियान नही चल पा रहा है। जिससे आय दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। जानकारी के मुताबिक नगर कुरारा के विकास में एकदम ब्रेक लग गया है चेयरमैन व ईओ में आपसी तालमेल न होने के कारण शासन ने आने वाली योजनाएं संचालित नही हो पा रही है,बंदन योजना के तहत शासन से आया 95 लाख रुपये का बजट वापस लौट गया है इस धनराशि से नगर का कायाकल्प हो जाता है मगर ईओ राम बदन यादव की हठधर्मिता के चलते विकास एक दम अवरुद्ध हो गया है। चेयरमैन आशारानी कबीर ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्ये व नगर विकास मंत्री एके शर्मा से मिलकर अपनी पीड़ा बतायी है। हालाकि नगर विकास मंत्री ने उनकी समस्या को शीघ्र ही हल करने के आश्वासन दिया है। इधर चेयरमैन व ईओ की खीचतान के चलते छोटे कर्मियों का बेतन नही मिल पा रहा है,सरकारी भुगतना एकदम रुक गये है,साफ सफाई व प्रकास व्यवस्था पर भी असर आ रहा है,चेयरमैन ने बताया कि नगर में अततिक्रमण जोरो पर है लोगो को निकलना मुश्किल हो रहा है। आय दिन सड़क दुर्घटनाएं होती है इसके लिये कमेटी गठन करने के लिये कई मर्तवा मांग कर चुकी है मगर कोई सुनने वाला नही है,डिप्टी सीएम से चेयरमैन ने बताया कि शासन से बजट आवंटन होने के बाद भी वह नगर का विकास नही करा पा रही है इससे भाजपा की छवि खराब

लक्ष्य से कम वसूली होने पर राठ मंडी सचिव का रोका वेतन

हमीरपुर। कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मंडी समिति राठ की लक्ष्य के सापेक्ष वसूली प्रगति खराब पाए जाने पर मंडी सचिव राठ का वेतन रोकने के निर्देश दिए। कहा कि मंडी समितियो में बिचौलिए नही पाए जाने चाहिए। बिचौलियों को चिन्हित कर एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाए। मंडी में किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करायी जाय। बैठक में जिलाधिकारी ने वाणिज्य कर विभागए स्टांप एवं पंजीयन विभाग आबकारी विभाग परिवहन विभागए वन विभाग खनन विभाग विद्युत विभाग एमंडी समिति नगरीय निकायों की वसूली की समीक्षा की तथा लक्ष्य के सापेक्ष वसूली को प्राप्त करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कर करेत्तर से संबंधित सभी विभागों द्वारा प्रवर्तन कार्यों को बढ़ाया जाए तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंतर्गत वसूली का जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है उसको समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए । राजस्व कार्यों की समीक्षा में जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व विवादों एवं भूमि विवादों का युद्ध स्तर पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण हो। पाच वर्ष से अधिक पुराने वादों का शत प्रतिशत निस्तारण कर दिया जाय। पैमाइश पत्थर गड़ी से संबंधित प्रकरणों का मिशन मोड में निस्तारण किया जाय। कहा कि लंबित पेंशन प्रकरणों को 10 दिन के अंदर निस्तारित किया जाय इसमें किसी तरह की शिथिलता न बरती जाए। न्यायालयों एवं विभिन्न आयोगो के पेंडिंग कार्य शीघ्र निस्तारित किए जाएं । उन्होंने कहा कि खतौनी खसरा वरासत अमल दरामद के पेंडिंग कार्यों को समयबद्ध ढंग से निस्तारित करें तथा सभी वरासत समय से दर्ज हो । कहा कि सभी अमीनो के वसूली के कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आय जाति निवास संबंधी प्रमाण पत्रों को समयबद्ध ढंग से बनाया जाए तथा आईजीआरएस एमुख्यमंत्री हेल्पलाइन संदर्भ का नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाएए इनके अंतर्गत प्राप्त होने वाली शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण किया जाएए शिकायतों के निस्तारण के पश्चात लाभार्थियों से फीडबैक भी लिया जाए किसी भी दशा में शिकायत डिफाल्टर संदर्भ की श्रेणी में न आने पाए जिले के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सपा शिक्षकसभा जिलाध्यक्ष के चाचा के निधन पर लगा तांता

जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों ने व्यक्त किया शोक

कन्नौज। छिबरामऊ में समाजवादी शिक्षक सभा कन्नौज जिलाध्यक्ष अमित यादव के चाचा का पडोसी जनपद कानपुर स्थित अस्पताल में इलाज दौरान निधन हो गया। जिससे नगर सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड गई। उनके चाचा के निधन की सूचना पर उनके आवास पर पहुंचे जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों ने शोक संवेदनायें व्यक्त कर ढाढस बंधाया।बताते चलें कि विगत कई दिनों से समाजवादी शिक्षक सभा कन्नौज जिलाध्यक्ष अमित यादव के चाचा सुरेश चन्द्र का कानपुर स्थित अस्पताल में ब्रेन हेमरेज का इलाज चल रहा जहां बीतीशाम इलाज के दौरान उनका अचानक निधन हो गया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। उनके चाचा के निधन की खबर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों एवं शुभचिंतकों के बीच गहरा दुःख है। जनप्रतितिधियों पूर्व सपा विद्यायक अरबिन्द सिंह यादव, सोनू यादव, दलगंजन यादव, टिल्लू यादव, दीपक यादव, अजय यादव, मोनू यादव, चन्द्रजीत यादव, योगेश शर्मा, पारूल यादव, अर्पित शुक्ला सहित तमाम लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 18 दिसम्बर 2024

आईआईटी-मद्रास ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले में सांस्कृतिक उत्कृष्टता कोटा शुरू किया

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले में ललित कला और संस्कृति उत्कृष्टता (एफएसीई) कोटा शुरू करने वाला देश का पहला आईआईटी बन गया है। संस्थान के निदेशक वी. कामकोटि ने यह जानकारी दी। कामकोटि के मुताबिक, एफएसीई कोटा शैक्षणिक सत्र 2025-26 से शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कोटे का मकसद ललित कला और संस्कृति में उत्कृष्टता हासिल करने वाले छात्रों को पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित करना है। आईआईटी-मद्रास इससे पहले शैक्षणिक सत्र 2024-25 से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले में खेल कोटा शुरू करने वाला पहला आईआईटी भी बना था। कामकोटि के अनुसार, एफएसीई कोटा के तहत आईआईटी-मद्रास के सभी बीटेक और बीएस पाठ्यक्रमों में दो-दो सीटें आवंटित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन दो सीटों में से एक महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगी, जबकि दूसरी सीट लिंग तटस्थ होगी।कामकोटि ने कहा, आईआईटी-मद्रास अपने प्रत्एक स्नातक पाठ्यक्रम में एफएसीई दाखिले के जरिए उन भारतीय नागरिकों और भारत के विदेशी नागरिकोंभारतीय मूल के व्यक्तियों (ओसीआईपीआईओ) के लिए दो अतिरिक्त सीटें बनाकर सीटों की पेशकश करेगा। जिन अभ्यर्थियों ने जेईई (एडवांस्ड)-2025 के लिए पंजीकरण के समय भारतीय नागरिकों के समान समझे जाने का विकल्प चुना है, वे एफएसीए कोटे के तहत दाखिले के लिए पात्र होंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को इस कोटे के तहत दाखिले के लिए आईआईटी-मद्रासाएफएसीई प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। कामकोटि ने कहा, एफएसीई के तहत प्रवेश प्रक्रिया संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण (जेओएसएए) पोर्टल के जरिए नहीं, बल्कि आईआईटी-मद्रास के बनाए एक अलग पोर्टल पर होगी, जिसमें एफएसीई के माध्यम से दाखिला देने में दिलचस्पी रखने वाले अन्य आईआईटी भी हिस्सा ले सकते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 के लिए केवल आईआईटी-मद्रास ललित कला और संस्कृति उत्कृष्टता कोटे के तहत सीटों की पेशकश कर रहा है।

ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को शर्म करनी चाहिए, जनता देख रही है : अमित शाह

नई दिल्ली(भाषा)। चुनाव में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर संदेह उठाए जाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि जब दो राज्यों के विधानसभा के चुनाव परिणाम एक ही दिन आए हों और एक में किसी पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया हो और दूसरे में वह जीत गई हो तो ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को शर्म करनी चाहिए क्योंकि जनता देख रही है। राज्यसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान किसी की नकल नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में विभिन्न देशों के संविधानों की अच्छी बात लेने के साथ साथ इसमें अपने देश की परंपराओं का पूरा ध्यान रखा गया है।

शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उनकी ओर संकेत करते कहा, अभी कुछ राजनेता आए हैं, 54 साल की आयु में अपने को युवा कहते हैं। घूमते रहते हैं और (कहते हैं कि सत्तारूढ़ दल वाले) संविधान बदल देंगे, संविधान बदल देंगे। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि संविधान बदलने का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 368 में ही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 16 साल शासन किया जिसमें 22 बार संविधान में संशोधन किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल शासन किया और इस दौरान उसने संविधान में 77 बार परिवर्तन (संविधान संशोधन) किए।

गृह मंत्री ने दावा किया कि संविधान संशोधन में यह देखने वाली बात है कि किसने देश के नागरिकों की भलाई के लिए संशोधन किए और किसने अपनी सत्ता को बचाए रखने के लिए इसमें परिवर्तन किए। उन्होंने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी सरकार के शासनकाल में किए गए संविधान संशोधनों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संविधान में पहला संशोधन

नागरिकों के मूलभूत अधिकार में कटौती करने के लिए लाया गया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी के लोग चुनाव हारने के बाद ईवीएम को लेकर घूमते हैं कि ईवीएम ने हरा दिया। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने ईवीएम संबंधी 24 अर्जियों को नकार दिया तथा निर्वाचन आयोग ने तीन दिन तक ईवीएम को हैक करने के लिए लोगों को आमंत्रित किया किंतु कोई नहीं आया।

उन्होंने कहा कि हाल में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो गया। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि जो द्रोह जनादेश के साथ किया गया, उसका दंड महाराष्ट्र की जनता ने दिया। शाह ने कहा, उसी दिन वो (कांग्रेस) झारखंड में जीते। महाराष्ट्र में ईवीएम खराब है और झारखंड में टप्प से जाकर, नए कपड़े पहन कर शपथ ले ली। अरे भाई जरा तो शर्म करो, जनता देख रही है। उन्होंने देश में आपातकाल लगाए जाने और चुनी हुई सरकार को अनुच्छेद 356 लगाकर गिराने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की।

इंडिया के चश्मे से देखने से भारत को कभी नहीं समझा जा सकता : गृहमंत्री

नई दिल्ली (भाषा)। संविधान को मजबूत करने के लिए देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त कराए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि यदि इंडिया के चश्मे देखा जाए तो भारत को कभी नहीं समझा जा सकता। उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाने वाले विपक्षी दलों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उन्हें शर्म करनी चाहिए। राज्यसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान किसी की नकल नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में विभिन्न देशों के संविधानों की अच्छी बात लेने के साथ साथ इसमें अपने देश की परंपराओं का पूरा ध्यान रखा गया है। गृह मंत्री ने गुलामी की मानसिकता से निकलने पर बल देते हुए कहा, अगर इंडिया के चश्मे से देखोगे तो भारत कभी समझ नहीं आएगा। पूरा जीवन निकल जाएगा। इसीलिए इन्होंने (विपक्षी दलों ने) अपने गठबंधन का नाम भी इंडिया रखा है।

संसदीय समिति ने किसान हितों की रक्षा को एमएसपी की कानूनी गारंटी की वकालत की

नई दिल्ली(भाषा)। संसद की एक समिति ने सरकार से कृषि उपज के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने की सिफारिश की है। समिति ने तर्क दिया है कि इस तरह के उपाय से किसानों के आत्महत्या के मामलों में काफी कमी आ सकती है और उनकी (किसानों को) वित्तीय स्थिति बेहतर की जा सकती है। कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता वाली कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर संसद की स्थाई समिति ने मंगलवार को कानूनी रूप से गारंटीशुदा एमएसपी के संभावित लाभ पर प्रकाश डालते हुए संसद को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में कहा गया, समिति दृढ़ता से अनुशंसा करती है कि कृषि और किसान कल्याण विभाग जल्द से जल्द कानूनी गारंटी के रूप में एमएसपी को लागू करने के लिए एक रूपरेखा घोषित करे। मौजूदा समय में, सरकार कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर 23 उत्पादों के लिए एमएसपी तय करती है। समिति ने तर्क दिया कि कानूनी रूप से बाध्यकारी एमएसपी न केवल किसानों की आजीविका की रक्षा करेगा बल्कि ग्रामीण आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगा और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को बढ़ाएगा। समिति की प्रमुख सिफारिशों में - किसानों की आत्महत्या को कम करने के लिए एक मजबूत एमएसपी प्रणाली को लागू करना, फसल अवशेष के प्रबंधन के लिए किसानों को मुआवजा प्रदान करना, खेत मजदूरों को न्यूनतम जीवनयापन मजदूरी के लिए राष्ट्रीय आयोग की स्थापना करना, किसानों एवं खेत मजदूरों के लिए ऋण माफी योजना शुरू करना और कृषि विभाग का नाम बदलकर उसमें खेत मजदूरों को शामिल करना है। समिति ने इस बात पर जोर दिया कि एमएसपी के माध्यम से सुनिश्चित आय किसानों को कृषि कामकाज में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगी, जिससे उत्पादकता और स्थिरता में वृद्धि हो सकती है। समिति ने यह भी सुझाव दिया कि सरकार प्रत्एक फसल मौसम के बाद संसद में एक बयान दे, जिसमें एमएसपी पर उपज बेचने वाले किसानों की संख्या बताई जाए तथा एमएसपी और बाजार मूल्य के बीच अंतर का विवरण दिया जाए। उल्लेखनीय है कि कृषि उपज के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी वर्ष 2021 में आंदोलन करने वाले किसानों की प्रमुख मांगों में से एक थी। किसानों के आंदोलन के कारण सरकार को तीन कृषि कानूनों को वापस लेने और एमएसपी मामले पर गौर करने के लिए एक समिति गठित करने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

उत्तरकाशी में सांप्रदायिक सौहार्द कायम रखा जा रहा है : उच्च न्यायालय में राज्य सरकार ने कहा

नैनीताल (भाषा)। उत्तरकाशी में एक मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद के बीच राज्य सरकार ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय को बताया है कि शहर में सांप्रदायिक सौहार्द कायम रखा जा रहा है और इसे बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा। यह बात मस्जिद की सुरक्षा के लिए गुहार लगाने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई के दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ के सामने राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता जे एस विर्क ने कही। उच्च न्यायालय ने पूर्व में उत्तरकाशी के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को मस्जिद के आसपास के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था कायम रखने तथा स्थिति से अदालत को अवगत कराते रहने के निर्देश दिए थे।

विवादित मस्जिद उत्तरकाशी शहर में भटवाड़ी मार्ग पर स्थित है। दक्षिणपंथी संगठनों का कहना है कि मस्जिद अवैध है, जबकि याचिकाकर्ताओं का दावा इसके बिल्कुल उलट है। दक्षिणपंथी संगठनों की ओर से मस्जिद के विरोध में एक दिसंबर को प्रस्तावित महापंचायत से कुछ दिन पहले नवंबर में याचिकाकर्ता अल्पसंख्यक सेवा समिति ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान जिला प्रशासन ने कहा था कि मस्जिद के आस-पास महापंचायत के लिए अनुमति नहीं दी गई तथा निषेधात्मक आदेश लागू किए गए थे। जिला प्रशासन ने हालांकि, कुछ शर्तों के साथ लोगों को एकत्रित होने की इजाजत दे दी थी। शहर में बड़ी तादाद में पुलिस बल की तैनाती के बीच महापंचायत शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई थी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने दलील दी कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए महापंचायत में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण दिए गए। राज्य सरकार के वकील ने हालांकि दावा किया कि महापंचायत का आयोजन पुलिस की निगरानी में हुआ था और उसमें कोई भड़काऊ भाषण नहीं दिए गए। इस बीच, याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय से ऐसे दस्तावेज जमा करने के लिए और समय मांगा है, जिससे यह सिद्ध हो सके कि मस्जिद वक्फ या ट्रस्ट की है।

ढांचागत परियोजनाओं में मेड इन इंडिया मशीनरी का इस्तेमाल करें: गडकरी

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने परियोजना लागत में कमी लाने के लिए बुनियादी ढांचा उद्योग के हितधारकों से मेड इन इंडिया मशीनरी का इस्तेमाल बढ़ाने का मंगलवार को अनुरोध किया। गडकरी ने उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ढांचागत परियोजनाओं की गुणवत्ता पर कोई समझौता किए बगैर इनकी लागत घटाने के प्रयास किए जाने चाहिए क्योंकि पुल एवं सुरंग परियोजनाएं बेहद अहम हैं। गडकरी ने ढांचागत क्षेत्र के कंपनी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारे पास अच्छी प्रौद्योगिकी होनी चाहिए। लेकिन उसी के साथ हमें लागत कम करने पर भी ध्यान देना चाहिए। उसके लिए आप सभी लोगों से मेरा अनुरोध है कि मेड इन इंडिया मशीनरी किस तरह संभव हो सकती है। यह हमारा सपना है और हम सबके लिए मिशन भी है। ढांचागत परियोजनाओं में भारी मशीनों का इस्तेमाल होता है जिनका एक बड़ा हिस्सा आयातित होता है। देश में भारी ढांचागत मशीनों का निर्माण अभी सीमित स्तर पर ही होता है। इस अवसर पर गडकरी ने कहा कि जोजिला सुरंग परियोजना का 55 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। यह प्रस्तावित सुरंग श्रीनगर-करगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर 11,578 फीट की ऊंचाई पर जोजिला दें से होकर गुजरने वाली है। भारी बर्फबारी के कारण सर्दियों में राजमार्ग बंद हो जाता है जिससे लद्दाख क्षेत्र का संपर्क कश्मीर से कट जाता है।

भारत बन रहा है एक विकसित समाज: मुर्मू

अमरावती(भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि चिकित्सा पेशे में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनका महत्वपूर्ण योगदान दर्शाता है कि भारत वास्तव में एक विकसित समाज बन रहा है। मुर्मू ने यहां मंगलागिरी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि समग्र स्वास्थ्य को निरंतर बढ़ावा देना तथा सभी के लिए स्वास्थ्य सुनिश्चित करना इस संस्थान के प्रत्एक चिकित्सा पेशेवर का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा, चिकित्सा पेशे में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनका महत्वपूर्ण योगदान यह दर्शाता है कि हम वास्तव में एक विकसित समाज बन रहे हैं। इससे यह तथ्य भी उजागर होता है कि अवसर मिलने पर हमारी बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना सहित कई योजनाएं शुरू की हैं और उपचार में कठिनाइयों का सामना करने वालों के लिए इलाज सुलभ बनाया है। मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार के साथ-साथ जागरूक समाज की भी यह जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करे कि कोई भी व्यक्ति वित्तीय या अन्य कारणों से चिकित्सा सेवाओं से वंचित न रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय चिकित्सक अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर विकसित देशों में अग्रणी स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे देशों से लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए भारत आते हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व मानचित्र पर किफायती चिकित्सा पर्यटन के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के चिकित्सक इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवा चिकित्सकों से ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को चिकित्सा देखभाल और सेवाएं प्रदान करने को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समग्र स्वास्थ्य देखभाल के संदर्भ में योगासन और प्राणायाम को आधुनिक दृष्टिकोण से भी स्वीकार किया गया है। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव, आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। एम्स-मंगलागिरि की आधारशिला 2015 में रखी गई थी और एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच को 30 अगस्त, 2018 को शामिल किया गया था, जो आज उत्तीर्ण हुए।

संभल के श्री कार्तिक महादेव मंदिर में भक्तों ने भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की

संभल (भाषा)। संभल के श्री कार्तिक महादेव मंदिर (भस्म शंकर मंदिर) में मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों से आए भक्तों ने भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारी शशिकांत शुक्ला ने बताया, चूंकि मंगलवार भगवान हनुमान का दिन होता है इसीलिए आज सुबह करीब चार बजे मंदिर की सफाई की गई, भगवान हनुमान को चोला चढ़ाया गया, हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव का श्रृंगार किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

शुक्ला ने कहा, यह सोचकर मेरा दिल व्यथित हो जाता है कि इतने वर्षों तक देवी-देवता अंधेरे में रहे और मूर्तियों को कुएं में फेंक दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संभल के जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को धन्यवाद दिया।

मंगलवार को मंदिर में आए श्रद्धालु विक्की कुमार ने कहा, हम संभल में रहते हैं। इतना प्राचीन मंदिर 46 साल बाद खुला है, इसलिए आज मंगलवार के दिन मैं अपने परिवार के साथ दर्शन करने आया हूं। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि संभल में भस्म शंकर मंदिर के कुएं के अंदर तीन खंडित मूर्तियां मिलीं। मंदिर को 46 साल तक बंद रहने के बाद पिछले हफ्ते फिर से खोला गया था। श्री कार्तिक महादेव मंदिर (भस्म शंकर मंदिर) को 13 दिसंबर को फिर से खोला गया था जब अधिकारियों ने कहा था अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान उन्हें यह ढांचा मिला था। मंदिर में भगवान हनुमान की मूर्ति और शिवलिंग स्थापित थे। यह 1978 से बंद था। मंदिर के पास एक कुआं भी है जिसे अधिकारियों ने फिर से खोलने की योजना बनाई थी। शाही जामा मस्जिद से करीब एक किलोमीटर दूर यह मंदिर खग्गू सराय इलाके में है। अदालत के आदेश पर किए गए शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान 24 नवंबर को हिंसा भड़क गई थी जिसमें चार लोगों की जान चली गई और पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हो गए थे।

जिला प्रशासन ने कुंए और मंदिर की कार्बन डेटिंग के वास्ते भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को पत्र लिखा है। कार्बन डेटिंग प्राचीन स्थलों से मिली पुरातात्विक कलाकृतियों के काल निर्धारण की एक प्रविधि है। प्रशासन ने कहा कि भक्तों ने मंदिर में आना शुरू कर दिया है और चौबीसों घंटे इसकी सुरक्षा की जा रही है। जिलाधिकारी ने पहले कहा था, यह कार्तिक महादेव का मंदिर है। यहां एक कुआं मिला है। यह अमृत कूप है। यहां सुरक्षा गार्ड स्थाई रूप से तैनात किए गए हैं और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। मंदिर में पूजा भी शुरू हो गई है। यहां अतिक्रमण है, जिसे हटाया जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या मंदिर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा? उन्होंने कहा था, सबसे पहले मंदिर की प्राचीनता सुनिश्चित की जाएगी। इस बीच, अतिक्रमण के तौर पर चिह्नित एक मकान के मालिक मतीन अहमद ने कहा कि उनके घर के नक्शे में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, ऊपर के हिस्से में करीब ढाई फुट की बालकनी है। सिर्फ यही हिस्सा अतिक्रमण है। हमने प्रशासन से बात की है और इसे तोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह काम चार से पांच दिन में पूरा हो जाएगा। अहमद ने बताया कि उन्होंने अपनी बालकनी को तिरपाल से ढक दिया है ताकि तोड़फोड़ के दौरान मंदिर को नुकसान न पहुंचे।

अदालत ने अटाला मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए आदेश को टाला

जौनपुर (भाषा)। जौनपुर की एक अदालत ने उच्चतम न्यायालय के सभी अदालतों को पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 के तहत धार्मिक स्थलों से संबंधित मामलों में आदेश पारित करने से परहेज करने के निर्देश के मद्देनजर यहां अटाला मस्जिद के सर्वेक्षण क लिए आदेश पारित करने की तारीख अगले साल दो मार्च तक टाल दी है। हिंदू पक्ष ने मांग की है कि विवादित संपत्ति को अटला देवी मंदिर घोषित किया जाए और सनातन धर्म के अनुयायियों को इस स्थल पर पूजा करने का अधिकार दिया जाए। जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश चंद्र पांडेय ने बताया कि दीवानी न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) सुधा शर्मा की अदालत ने सोमवार को अटाला मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए आदेश पारित करने की तिथि अगले साल दो मार्च तक के लिए टाल दी।

पेज 1 का शेष

जाड़े की...

केंद्र के वायु गुणवत्ता पैनल ने सोमवार को शीतकालीन वायु प्रदूषण नियंत्रण योजना के तहत सबसे सख्त चरण 4 प्रतिबंध लगाए, जिसमें सभी निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध शामिल है, क्योंकि प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण क्षेत्र की वायु गुणवत्ता गंभीर हो गई है। सर्दियों के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत चरण 4 प्रतिबंधों में दिल्ली में गैर-जरूरी सामान ले जाने वाले प्रदूषणकारी ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध और दसवीं और बारहवीं को छोड़कर स्कूली कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में अनिवार्य रूप से स्थानांतरित करना भी शामिल है। उत्तरी राज्यों में जहां शीत लहर और घने कोहरे की आशंका है, वहीं तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में मौसम में बदलाव के बीच बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि अगले दो दिनों तक शीत लहर जारी रहेगी और दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर को प्रभावित करेगी। 17 से 20 दिसंबर तक राजस्थान में भी इसी तरह की स्थिति रहने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा...

आवास परियोजनाएं 2010 और 2012 के बीच शुरू की गई थीं, लेकिन निर्धारित समय अवधि में पूरी नहीं हुईं। इन परियोजनाओं में लगभग 2,900 इकाइयाँ विकसित की जानी थीं। अल्फा कॉर्प द्वारा अनंता (पूर्व में अर्थ कोपिया), सेक्टर 112, गुरुग्राम, फरवरी 2011 में शुरू की गई एक आवासीय परियोजना है; अर्थ सफायर कोर्ट, ग्रेटर नोएडा, जुलाई 2010 में शुरू की गई एक वाणिज्यिक परियोजना है और ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर स्थित अर्थ टेकोन, जून 2012 में शुरू की गई एक मिश्रित परियोजना है।

नीट-यूजी..

की तर्ज पर DIGI-EXAM प्रणाली शुरू करने की सिफारिश की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल परीक्षा देने वाला उम्मीदवार ही इच्छित कार्यक्रम में शामिल हो। शिक्षा मंत्री ने यह भी घोषणा की कि अगले साल से कुछ कक्षाओं के लिए NCERT की पाठ्यपुस्तकों की कीमत कम होगी और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), जो वर्तमान में प्रति वर्ष पाँच करोड़ पाठ्यपुस्तकें छापती है, अगले साल से क्षमता को बढ़ाकर 15 करोड़ करने के लिए काम कर रही है। प्रधान ने यह भी बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों की संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई है, जो 2014 में 14,974 से बढ़कर 2024 में 30,415 हो गई है। उन्होंने कहा, प्रवेश, स्थानांतरण और सीबीएसई संबद्धता प्रक्रिया अब पूरी तरह से ऑनलाइन हैं। केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और सीबीएसई 100 प्रतिशत ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं। व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले स्कूल 2014 में 960 से बढ़कर 2024 में 29,342 हो गए हैं। कौशल शिक्षा में छात्र नामांकन 2014 में 58,720 से बढ़कर 2024 में 30.8 लाख से अधिक हो गया है।

दिल्ली के...

के अनुसार, उत्तर-पश्चिम दिल्ली के सरस्वती विहार स्थित क्रिसेंट पब्लिक स्कूल से बम की धमकी के संबंध में सूचना मिली। इसके बाद दमकल विभाग, स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दल और श्वान दस्ते के कर्मचारियों ने तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। कुछ और स्कूलों को भी इसी तरह ई-मेल के जरिए धमकी मिली हैं और जांच जारी है। हालांकि, चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत प्रदूषण रोधी उपायों के फिर से लागू होने के बाद दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों ने मंगलवार को हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन और ऑफलाइन) में कक्षाओं का संचालन शुरू कर दिया। संशोधित ग्रैप कार्यक्रम के अनुसार, चरण चार के तहत दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में कक्षा छह से नौ और 11वीं के छात्रों के लिए कक्षाएं हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन और ऑनलाइन) में संचालित होनी चाहिए। हालांकि, कक्षा 10 और 12 के छात्रों को स्कूल जाना होगा। सोमवार को भी आरके पुरम स्थित डीपीएस सहित करीब 20 स्कूलों को ई-मेल भेजकर धमकी दी गई थी। इससे पहले 14 दिसंबर को आरके पुरम के इसी डीपीएस सहित आठ स्कूलों को एक जैसा ईमेल मिला था, जिसमें बम जैकेट के जरिए विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। इसके एक दिन पहले 13 दिसंबर को लगभग 30 स्कूलों को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद उनके परिसर की कई एजेंसियों ने तलाशी ली। नौ दिसंबर को कम से कम 44 स्कूलों को इसी तरह के ईमेल मिले थे जिसके बाद दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

द इम्पीयिल...

लोगो से संबंधित है, जिसे एक प्रतिष्ठित होटल की सद्भावना का प्रतीक माना जाता था। होटल के संयुक्त मालिक भाई हरदेव सिंह अकोई और जसदेव सिंह अकोई ट्रेडमार्क और उसके उपयोग में कुछ बदलावों पर असहमत थे। जसदेव सिंह अकोई द्वारा एकतरफा बदलावों का आरोप लगाते हुए, हरदेव सिंह अकोई ने ट्रेडमार्क की अखंडता को बनाए रखने और अनधिकृत उपयोग को रोकने के लिए न्यायालय से हस्तक्षेप करने की मांग की। होटल का निर्माण संधू जाट जागीरदार एस.बी.एस. रंजीत सिंह, आर.बी.एस. के बेटे द्वारा किया गया था। नारायण सिंह को ब्रिटिश राज द्वारा 1911 के राज्याभिषेक दरबार में सम्मानित किया गया, जब नई दिल्ली को भारत की नई राजधानी घोषित किया गया था। होटल का आधिकारिक उद्घाटन 1936 में भारत के वायसराय लॉर्ड विलिंगडन ने किया था। इस होटल में उनकी पत्नी लेडी विलिंगडन भी मौजूद थीं, जिन्होंने होटल का नाम चुना और उस पर सिंह चिह्न लगाया।

उमर...

रूप से मिले। वे अधिक विनम्र, विनम्र और मिलनसार थे।' पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला, मुफ्ती मोहम्मद सईद, गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती भी समान रूप से मेहमाननवाज थे और अक्सर अपने आवास पर मेहमानों से मिलकर दोपहर और रात के खाने की बैठकों में बातचीत करते थे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव कॉलेजियम के समक्ष पेश हुए

नई दिल्ली (भाषा)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक कार्यक्रम में कथित तौर पर विवादास्पद बयान देने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव मंगलवार को उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम के समक्ष पेश हुए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यादव प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम के समक्ष पेश हुए और इस दौरान उनसे दिए गए बयानों पर अपना पक्ष रखने को कहा गया। शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर को बयानों पर आधारित खबरों का संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय से रिपोर्ट मांगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव द्वारा दिए गए भाषण पर अखबारों में छपी खबरों का संज्ञान लिया है। उच्च न्यायालय से विवरण और जानकारियां मंगाई गई हैं तथा मामला विचाराधीन है।

निर्धारित मानदंडों के मुताबिक, किसी न्यायाधीश के खिलाफ किसी विवादास्पद मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम द्वारा संबंधित उच्च न्यायालय से रिपोर्ट मांगी जाती है, तो भारत के प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले शीर्ष न्यायालय के कॉलेजियम के समक्ष उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। आठ दिसंबर को विहिप के एक कार्यक्रम में न्यायमूर्ति यादव ने अन्य बातों के अलावा कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है। वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय में विहिप के विधिक प्रकोष्ठ और उच्च न्यायालय इकाई के प्रांतीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

एक देश, एक चुनाव संबंधी विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले विधेयक को विपक्षी दलों के भारी विरोध के बीच मंगलवार को निचले सदन में पेश किया और कहा कि इस पर व्यापक विचार-विमर्श के लिए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और उससे जुड़े संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 को निचले सदन में पुर:स्थापित करने के लिए रखा, जिनका विपक्षी दलों ने पुरजोर विरोध किया। सदन में मत विभाजन के बाद संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 को पुर:स्थापित कर दिया गया। विधेयक को पेश किए जाने के पक्ष में 269 वोट, जबकि विरोध में 198 वोट पड़े।

इसके बाद मेघवाल ने ध्वनिमत से मिली सदन की सहमति के बाद संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 को भी पेश किया। दोनों विधेयकों को पुर:स्थापित किए जाने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपराह्न करीब एक बजकर 55 मिनट पर सदन की कार्यवाही अपराह्न तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी। यह पहली बार था कि नए सदन में किसी विधेयक पर इलेक्ट्रॉनिक मत विभाजन हुआ। विधेयक पर विपक्षी दलों के विरोध के बीच, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब मंत्रिमंडल में चर्चा के लिए विधेयक आया था, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं मंशा जताई थी कि इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचार के लिए भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने विधेयक पेश किए जाने का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह संविधान के मूल ढांचे पर हमला है। उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रमुख सहयोगी तेलुगू देसम पार्टी (तेदेपा) और शिवसेना ने विधेयक का समर्थन किया। कानून मंत्री मेघवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से संबंधित प्रस्तावित विधेयक राज्यों की शक्तियों को छीनने वाला नहीं है, बल्कि यह विधेयक पूरी तरह संविधान सम्मत है। उन्होंने विधेयक को जेपीसी के पास भेजने की विपक्ष की मांग पर भी सहमति जताई। विधेयक का विरोध करते हुए कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि यह विधेयक बुनियादी ढांचे पर हमला है और इस सदन के विधाई अधिकार क्षेत्र से परे है। उन्होंने कहा कि भारत राज्यों का संघ है और ऐसे में केंद्रीकरण का यह प्रयास पूरी तरह संविधान विरोधी है। उन्होंने आग्रह किया कि इस विधेयक को वापस लिया जाना चाहिए।

विधेयक का विरोध करते हुए समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव ने दावा किया, यह संविधान की मूल भावना को खत्म करने का प्रयास है। यादव ने कहा कि इस विधेयक को वापस लिया जाना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि यह प्रस्तावित विधेयक संविधान के मूल ढांचे पर हमला है और यह अल्ट्रा वायर्स (कानूनी अधिकार से परे) है। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक को स्वीकार नहीं किया जा सकता। बनर्जी ने कहा कि राज्य विधानसभाएं केंद्र और संसद के अधीनस्थ नहीं होती हैं, यह बात समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से संसद को कानून बनाने का अधिकार है, उसी तरह विधानसभाओं को भी कानून बनाने का अधिकार है। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह राज्य विधानसभाओं की स्वायत्तता छीनने का प्रयास है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि कोई भी दल हमेशा सत्ता में नहीं रहेगा, एक दिन सत्ता बदल जाएगी। बनर्जी ने कहा, यह चुनावी सुधार नहीं है, एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षाओं और सपनों को पूरा करने के लिए लाया गया विधेयक है। द्रमुक नेता टीआर बालू ने सवाल किया कि जब सरकार के पास दो- तिहाई बहुमत नहीं है तो फिर इस विधेयक को लाने की अनुमति आपने कैसे दी? इस पर बिरला ने कहा, मैं अनुमति नहीं देता, सदन अनुमति देता है। बालू ने कहा, मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि इस विधेयक को जेपीसी के पास भेजा जाए और विस्तृत विचार-विमर्श के बाद इसे सदन में लाया जाए।

एक राष्ट्र, एक चुनाव मतदान प्रक्रिया को प्रोत्साहन देगा, आर्थिक विकास को मिलेगी गति : कोविंद

कोलकाता (भाषा)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को यहां कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव संबंधी केंद्र का प्रस्ताव अगर लागू हो जाता है, तो इससे चुनाव प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिलेगा और देश के आर्थिक विकास में भी यह मददगार साबित होगा। कोविंद देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष थे। इस समिति का गठन भारत सरकार ने सितंबर 2023 में किया था। कोविंद ने यहां एक आदिवासी संगठन के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाता हर साल वोट मांगने वाले राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों से मुलाकात कर थक गए हैं और शायद अब वे उनका इतनी बार सामना नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, एक साथ चुनाव को पूरी तरह से लागू करने में पांच से 10 साल का वक्त लग सकता है। जब 2029-2030 में

या उसके बाद यह प्रस्ताव पूरी तरह से लागू हो जाएगा, तो मतदाताओं को हर साल एक या दूसरे चुनाव के लिए मतदान केंद्रों पर नहीं जाना पड़ेगा। इससे आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर मौजूदा 7.23 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत तक और बढ़ जाएगी।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, सोचिए कि यदि मौजूदा जीडीपी में 1.5 अंक जोड़ दिए जाएं, तो 10 प्रतिशत (जीडीपी) के आंकड़े तक पहुंचने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। तब हमारा देश दुनिया की शीर्ष तीन-चार आर्थिक महाशक्तियों में शामिल हो जाएगा। कोविंद ने दावा किया कि एक राष्ट्र एक चुनाव से पूरी प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा, अगर उम्मीदवारों को हर साल लोगों से वोट मांगना है, तो उन्हें यह बताना होगा कि विकास का वादा क्यों नहीं पूरा किया गया। हर साल होने वाले चुनावों के कारण लोग कभी-कभी मतदान केंद्रों पर जाने से कतराने लगते हैं। उन्होंने कहा कि समिति की 18,000 पन्नों की रिपोर्ट सार्वजनिक मंच पर उपलब्ध है और इससे आर्थिक प्रशासन सुचारू हो जाएगा। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, यदि आप एक स्थान पर बैठें, तो आप माउस क्लिक करके या मोबाइल पर इसे देख सकते हैं और इसके लिए अलग-अलग पुस्तकालयों में जाने की आवश्यकता नहीं है।

फडणवीस मुझे मंत्रिमंडल में शामिल करने के पक्ष में थे: भुजबल

नागपुर (भाषा)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष अजित पवार पर नए मंत्रिपरिषद में उन्हें शामिल नहीं किए जाने को लेकर परोक्ष रूप से हमला किया और दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा कि राकांपा अध्यक्ष अजित पवार पार्टी के लिए वैसे ही निर्णय लेते हैं जैसे भाजपा के लिए फडणवीस और शिवसेना के लिए एकनाथ शिंदे करते हैं।

एक दिन पहले की गई जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना टिप्पणी को लेकर अटकलों के बीच भुजबल ने कहा कि वह बुधवार को राकांपा कार्यकर्ताओं और एवला निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से चर्चा करने के बाद कुछ कहेंगे। प्रमुख ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता ने कहा कि वह मंत्री नहीं बनाए जाने से निराश नहीं हैं, लेकिन अपने साथ किए गए व्यवहार से अपमानित महसूस कर रहे हैं। भुजबल ने नासिक में पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि उन्हें मई में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा गया था, लेकिन उनका नाम कभी तय नहीं हुआ। एवला सीट से विधानसभा चुनाव जीतने के कुछ हफ्ते बाद भुजबल ने कहा कि हाल में उन्हें राज्यसभा सीट की पेशकश की गई थी। उन्होंने कहा, मैंने नासिक से लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव स्वीकार कर लिया। जब मैं इस साल की शुरुआत में राज्यसभा में जाना चाहता था, तो मुझे विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा गया। मुझे आठ दिन पहले राज्यसभा सीट की पेशकश की गई थी, जिसे मैंने अस्वीकार कर दिया। भुजबल ने पूछा, उन्होंने तब मेरी बात नहीं सुनी, अब वे इसे (राज्यसभा सीट) दे रहे हैं। क्या मैं आपके हाथों का खिलौना हूं? उन्होंने सवाल किया, क्या आपको लगता है कि जब भी आप मुझे कहेंगे मैं खड़ा हो जाऊंगा, जब भी आप मुझे कहेंगे मैं बैठ जाऊंगा और चुनाव लड़ूंगा?

आगे तेजी से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था: सीतारमण

नई दिल्ली(भाषा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 5.4 प्रतिशत की उम्मीद से कम वृद्धि अस्थाई स्थिति है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाली तिमाहियों में वृद्धि की रफ्तार बढ़ेगी। सीतारमण ने लोकसभा में वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान की पहली अनुपूरक मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत ने मजबूत और सतत वृद्धि देखी है। पिछले तीन वर्षों में जीडीपी वृद्धि दर औसतन 8.3 प्रतिशत रही है। उन्होंने कहा, चालू वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में वास्तविक वृद्धि दर क्रमश: 6.7 प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत रही है। दूसरी तिमाही में 5.4 प्रतिशत वृद्धि की दर उम्मीद से कम है...वास्तव में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही न केवल भारत के लिए बल्कि अन्य देशों के लिए भी चुनौतीपूर्ण रही है।

सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इसका श्रेय देश के लोगों को जाता है जो अपनी

आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उसे पूरा कर रहे हैं, जिससे अर्थव्यवस्था में योगदान मिल रहा है। वित्त मंत्री ने कहा, दूसरी तिमाही की उम्मीद से कम वृद्धि दर अस्थाई मामला है और आने वाली तिमाहियों में आर्थिक वृद्धि की रफ्तार अच्छी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में कोई व्यापक नरमी की स्थिति नहीं है। विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े आधे क्षेत्र मजबूत बने हुए हैं। सीतारमण ने कहा, विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर सुस्ती की आशंका नहीं है, क्योंकि यह कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित है...औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 23 विनिर्माण क्षेत्रों में से लगभग आधे अब भी मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, जुलाई और अक्टूबर, 2024 के बीच केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 6.4 प्रतिशत बढ़ा है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय का निर्धारण किया है। सीतारमण ने कहा, मुझे लगता है कि आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और वृद्धि को बनाए रखने के लिए हम जो कदम उठा रहे हैं, उसमें प्रमुख पूंजीगत व्यय है। हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इसके जरिए अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़े और उसे अधिक गति मिले। उन्होंने कहा, पूंजी खाते पर खर्च किए गए प्रत्एक रुपए के लिए गुणक प्रभाव कभी-कभी 4.3 तक पहुंच जाता है। वहीं यदि आप राजस्व खाते पर खर्च करते हैं, तो प्रत्एक एक रुपए के लिए आपको केवल 0.98 मिलते हैं। सीतारमण ने महंगाई के बारे में कहा कि राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) शासन में इसे बेहतर ढंग से काबू में रखा गया है, जबकि संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) सरकार में यह दहाई अंक तक पहुंच गई थी।

ईडी ने 22,280 करोड़ रुपए की संपत्तियां बैंकों को, वैध दावेदारों को लौटाईं: वित्त मंत्री

नई दिल्ली(भाषा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीड़ितों या सही दावेदारों को 22,280 करोड़ रुपए की संपत्तियां वापस कर दी हैं और आर्थिक अपराधियों के खिलाफ लड़ाई निरंतर जारी रहेगी। सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच पर लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भगोड़े विजय माल्या की 14,131.6 करोड़ रुपए की संपत्ति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी मामले में 1,052.58 करोड़ रुपए की संपत्ति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और निजी बैंकों को वापस कर दी गई है। वित्त मंत्री के जवाब के अनुसार, मेहुल चोकसी मामले में 2,565.90 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की गई हैं और उन्हें नीलाम किया जाएगा।

एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें 2025 से सस्ती होंगी, कक्षा 9-12 के लिए नई किताबें 2026 तक: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को घोषणा की कि अगले साल से कुछ कक्षाओं के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्यपुस्तकों की कीमतें घटाई जाएंगी। प्रधान ने कहा कि एनसीईआरटी मौजूदा समय में हर साल पांच करोड़ पाठ्यपुस्तकें छापती है और अगले वर्ष से इस क्षमता को बढ़ाकर 15 करोड़ करने की दिशा में काम किया जा रहा है। शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि नौवीं से 12वीं कक्षा के लिए अद्यतन पाठ्यक्रम के अनुसार नई पाठ्यपुस्तकें 2026-27 शैक्षणिक सत्र से उपलब्ध होंगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, एनसीईआरटी अगले शैक्षणिक वर्ष में 15 करोड़ गुणवत्तापूर्ण और किफायती किताबें प्रकाशित करेगी... फिलहाल वह करीब पांच करोड़ पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करती है। पाठ्यपुस्तकों की मांग और आपूर्ति के संबंध में पहले कई चिंताएं रही हैं, लेकिन अब इनका समाधान किया जाएगा। प्रधान ने कहा, चूंकि, छपने वाली किताबों की संख्या अधिक होगी, तो कुछ कक्षाओं के लिए पाठ्यपुस्तकों की कीमतें कम की जाएंगी। किसी भी कक्षा की पाठ्यपुस्तकों की कीमतें नहीं बढ़ाई जाएंगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभिभावकों पर कोई वित्तीय बोझ न पड़े। उन्होंने बताया कि नए

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (एनसीएफ) के अनुसार, पाठ्यपुस्तकों को अद्यतन करने की प्रक्रिया जारी है। प्रधान ने कहा, प्रक्रिया जारी है और नौवीं से 12वीं कक्षा के लिए पाठ्यपुस्तकें शैक्षणिक सत्र 2026-27 तक तैयार हो जाएंगी। उन्होंने कहा, 15 में से सात ग्रेड के लिए नई पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं और अगले शैक्षणिक वर्ष में चार और ग्रेड के लिए पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करा दी जाएंगी। कला, शारीरिक शिक्षा और कल्याण (कक्षा 3-8) तथा व्यावसायिक शिक्षा (कक्षा 6-8) के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार की जा रही हैं। सभी अनुसूचित भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार की जा रही हैं और ऑनलाइन मंचों के माध्यम से सुलभ बनाई जा रही हैं। प्रधान ने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों की संख्या 2014 में 14,974 से बढ़कर 2024 में 30,415 हो गई है। उन्होंने कहा, दाखिला, स्थानांतरण और सीबीएसई से संबद्धता की प्रक्रिया अब पूरी तरह से ऑनलाइन है। केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और सीबीएसई शत प्रतिशत ई-ऑफिस मंच पर काम कर रहे हैं। व्यावसायिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने वाले स्कूल 2014 में 960 से बढ़कर 2024 में 29,342 हो गए हैं। कौशल शिक्षा में छात्रों का नामांकन 2014 में 58,720 से बढ़कर 2024 में 30.8 लाख से अधिक हो गया है। एक अलग संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान शिक्षा के बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विकास हुआ है। उन्होंने कहा, ...जिसके कारण सात भारतीय संस्थान-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मुंबई और आईआईटी मद्रास, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु तथा दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग में जगह मिली है।

इजराइल में हमास हमले की अनदेखी कर रहे हैं प्रियंका, कांग्रेस : जावड़ेकर

तिरुवनंतपुरम(भाषा)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने मंगलवार को कांग्रेस नेता और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा की संसद में फलस्तीन के लोगों के प्रति समर्थन दिखाने के लिए आलोचना की। प्रियंका द्वारा संसद में फलस्तीन लिखा हुआ बैग लेकर जाने के एक दिन बाद जावड़ेकर ने आरोप लगाया कि उन्होंने और उनकी पार्टी ने कभी इजराइली क्षेत्र में हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकवादी हमले की निंदा नहीं की। उन्होंने कहा कि इस हमले के कारण युद्ध छिड़ गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रियंका का कृत्य कांग्रेस के दोहरे चरित्र और तुष्टीकरण की राजनीति को दर्शाता है। जावड़ेकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रियंका गांधी फलस्तीन का बैग लेकर आती हैं, लेकिन उन्होंने और कांग्रेस ने हमास के आतंकी हमले की कभी निंदा नहीं की, जिससे युद्ध शुरू हुआ।

इंडोनेशिया ने भारत के साथ रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग को लेकर रुचि दिखाई

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने इंडोनेशिया के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ रणनीतिक संबंधों को बढ़ाने को लेकर व्यापक चर्चा की और इस दौरान दक्षिण पूर्वी एशियाई देश ने रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग करने में गहरी रुचि दिखाई। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजाफ्री सजामसोएद्दीन और एडमिरल त्रिपाठी के बीच हुई बैठक में रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर प्रमुखता से चर्चा हुई। नौसेना प्रमुख रविवार से इंडोनेशिया की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और संयुक्त अभ्यास सहित रक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

एडमिरल त्रिपाठी ने बताया कि भारत अपनी नौसेना की उन्नति में सहायता के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहा है और सजाफ्री ने इस क्षेत्र में हुई तीव्र प्रगति की सराहना की। बयान के मुताबिक मंत्री ने इंडोनेशिया की रक्षा प्रौद्योगिकी में सुधार के लिए मिलकर काम करने के प्रति उत्साह व्यक्त किया। भारत-इंडोनेशिया रक्षा संबंधों को विस्तार देने पर चर्चा की गई। इस दौरान परिचालन संबंधी भागीदारी और संयुक्त प्रशिक्षण पहल सहित समुद्री सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में त्रिपाठी ने दोनों पक्षों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग के संभावित अवसरों को रेखांकित किया। भारतीय नौसेना ने पिछले सप्ताह कहा था कि एडमिरल त्रिपाठी की यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत समुद्री संबंधों को रेखांकित करती है।

जम्मू-कश्मीर सरकार भर्तियों में हिंदी, संस्कृत की कर रही है अनदेखी : एबीवीपी

जम्मू(भाषा)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के नेतृत्व में सैकड़ों विद्यार्थियों ने जम्मू-कश्मीर सरकार पर भर्ती में हिंदी और संस्कृत के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए मंगलवार को विरोध मार्च निकाला और यहां राजमार्ग पर मुख्य तवी पुल को अवरुद्ध करते हुए धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार पर जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग (जेकेपीएससी) द्वारा 10 प्लस टू कक्षाओं में पढ़ाने के लिए व्याख्याता के पदों के लिए हाल ही में जारी भर्ती अधिसूचना में हिंदी और संस्कृत को दरकिनार करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अरबी और फारसी जैसी विदेशी भाषाओं को बढ़ावा दे रही है, जिन्हें भर्ती अधिसूचना में शामिल किया गया है। प्रदर्शनकारियो ने हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए जम्मू विश्वविद्यालय से शहर में मार्च निकाला और क्षेत्रीय और भाषाई भेदभाव को रेखांकित किया। एबीवीपी नेता सुरिंदर सिंह ने कहा, यह मौजूदा सरकार द्वारा क्षेत्रीय और भाषाई भेदभाव है। हिंदी और संस्कृत जैसी राष्ट्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के बजाय उन्हें जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। ये भाषाएं हमारी पहचान का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हम किसी भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार द्वारा हिंदी और संस्कृत के ऊपर अरबी और फारसी जैसी विदेशी भाषाओं को प्राथमिकता देना एक सुनियोजित साजिश है। यह हमारी सभ्यता पर हमला है और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

एबीवीपी नेता अनीता देवी ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ भर्ती का मामला नहीं है, यह हमारी सांस्कृतिक पहचान की लड़ाई है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने जेकेपीएससी द्वारा 12 नवंबर को जारी अधिसूचना में हिंदी और संस्कृत विषय के व्याख्याता पदों को छोड़ देने पर निराशा जताई, जबकि 575 अन्य शिक्षण पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। प्रदर्शन के दौरान कई छात्रों ने गिरफ्तारी दी। वरिष्ठ पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा उनसे नाकाबंदी हटाने की अपील की, इसके बावजूद प्रदर्शन जारी रहा। कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया। केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जम्मू स्थित कई संगठनों ने सरकार के इस कदम की निंदा की है और गंभीर परिणाम की चेतावनी दी है। भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने कहा, नेकां सरकार ने अभी-अभी सत्ता संभाली है और उसने जम्मू के युवाओं की वैध आकांक्षाओं को दरकिनार करते हुए अपनी कश्मीर-केंद्रित नीतियों को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। यह अस्वीकार्य है और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कांग्रेस ने राज्यों के बीच जल विवादों को बढ़ावा दिया, किसानों के लिए कुछ नहीं किया: मोदी

जयपुर (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि किसानों के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले न तो खुद किसानों के लिए कुछ करते हैं न ही दूसरों को कुछ करने देते हैं। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नीति विवाद की नहीं संवाद की है और वह व्यवधान में नहीं, समाधान में विश्वास रखती है। मोदी राजस्थान सरकार के कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर यहां दादिया में आयोजित एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने ऊर्जा, सड़क व रेलवे से जुड़ी 46,300 करोड़ रुपए से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मोदी ने कहा, ए परियोजनाएं, राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगी। ए परियोजनाएं, राजस्थान को देश के सबसे कनेक्टेड राज्यों में से एक बनाएंगी। इससे राजस्थान में निवेश को बल मिलेगा, रोजगार के अनगिनत अवसर बनेंगे। राजस्थान के पर्यटन को, यहां के किसानों को, मेरे नौजवानों साथियों को इससे बहुत फायदा होगा। राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्यान्वयन में गत कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विलंब की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कहा, ईआरसीपी को कांग्रेस ने कितना लटकाया, ए भी कांग्रेस की नीयत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। ए किसानों के नाम पर बातें बड़ी-बड़ी करते हैं लेकिन किसानों के लिए न खुद कुछ करते हैं और न ही दूसरों को करने देते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में नर्मदा नदी का पानी पहुंचाने के लिए बड़ा अभियान चलाया। मोदी ने आरोप लगाया, तब उसे रोकने के लिए भी कांग्रेस और कुछ एनजीओ (गैर सरकारी संगठनों) द्वारा तरह-तरह के हथकंडे अपनाए गए। मोदी ने कहा, हमारी नदियों का पानी बहकर सीमा पार चला जाता था, लेकिन हमारे किसानों को इसका लाभ नहीं मिलता था। कांग्रेस, समाधान के बजाय, राज्यों के बीच जल-विवाद को ही बढ़ावा देती रही। ...राजस्थान ने तो इस कुनीति के कारण बहुत कुछ भुगता है। उन्होंने कहा कि जैसे ही मध्य प्रदेश व राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी तो पार्वती कालीसिंध चम्बल परियोजना-एमपीकेसी लिंक परियोजना पर समझौता हो गया।

मोदी ने कहा, भाजपा की नीति विवाद की नहीं, संवाद की है। हम विरोध में नहीं, सहयोग में विश्वास करते हैं। हम व्यवधान में नहीं, समाधान पर यकीन करते है। इसलिए हमारी सरकार ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को स्वीकृत भी किया और इसका विस्तार भी किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पार्वती, कालीसिंध, चंबल परियोजना से राजस्थान के 21 जिलों को सिंचाई के लिए पानी के साथ-साथ पेयजल भी मिलेगा और इससे राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों के विकास में तेजी आएगी। मोदी ने कहा कि बीते एक

वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने में मुख्यमंत्री भजनलाल और उनकी पूरी टीम ने बहुत परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा की डबल इंजन की सरकारें सुशासन का प्रतीक बन रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा जो भी संकल्प लेती हैं उसे पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास करती है। उन्होंने दावा किया, आज देश के लोग कह रहे हैं कि भाजपा, सुशासन की गारंटी है। और तभी तो एक के बाद एक राज्यों में आज भाजपा को इतना भारी जनसमर्थन मिल रहा है। देश ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है। बीते 60 साल में हिंदुस्तान में ऐसा नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की जनता ने 60 साल के बाद वोट देकर लगातार तीसरी बार एक ही दल की सरकार बनवाई है। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों तथा राजस्थान विधानसभा उपचुनावों में पार्टी की जीत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, बीते 10 साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है। इन 10 साल में हमने देश के लोगों को सुविधाएं देने, उनके जीवन से मुश्किलें कम करने पर बहुत जोर दिया है। आजादी के बाद के 5-6 दशकों में कांग्रेस ने जो काम किया, उससे ज्यादा काम हमने 10 साल में करके दिखाया है।

मोदी ने कहा, 21वीं सदी के भारत के लिए नारी का सशक्त होना बहुत जरूरी है। नारी शक्ति को मजबूत करने के लिए हम अनेक नई योजनाएं बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में देश की 10 करोड़ महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं, जिनमें राजस्थान की लाखों महिलाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने लखपति दीदी योजना, नमो ड्रोन दीदी योजना और बीमा सखी योजना जैसी योजनाओं पर प्रकाश डाला। मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जल संरक्षण की दिशा में काम करने और लोगों को इसके बारे में जागरूक करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल तो है ही, भाजपा एक विराट सामाजिक आंदोलन भी है। भाजपा के लिए दल से बड़ा देश है। हर भाजपा कार्यकर्ता, देश के लिए जागरूक और समर्पित भाव से काम कर रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और अपनी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल व भागीरथ चौधरी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित अन्य नेता भी मौजूद थे। इससे पहले मोदी खुली जीप में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, उनके एक तरफ मुख्यमंत्री शर्मा और दूसरी तरफ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ खड़े थे। वाहन के साथ महिलाओं का एक समूह सिर पर कलश लेकर चल रहा था। कार्यक्रम के दौरान मोदी ने नदियों को आपस में जोड़ने के प्रतीक के रूप में एक कलश में विभिन्न नदियों का पानी भी मिलाया।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 18 दिसंबर, 2024

रूस के परमाणु रक्षा बल के प्रमुख और उनके सहायक की विस्फोट में मौत

भाषा। मॉस्को

रूस के परमाणु, जैविक और रासायनिक रक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की मंगलवार सुबह यहां एक आवासीय अपार्टमेंट ब्लॉक के पास एक स्कूटर में छिपाकर लगाए गए विस्फोटक की चपेट में आने से मौत हो गई। रूस की जांच समिति ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की सेना के एक अधिकारी ने कहा कि इस हमले को सेवा ने अंजाम दिया है। इगोर किरिलोव जब अपने कार्यालय से निकल रहे थे उस दौरान विस्फोटक की चपेट में आ जाने से उनकी मौत हो गई। यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध में अपनी कार्वाइयों के लिए किरिलोव (54) पर ब्रिटेन और कनाडा सहित कई देशों ने प्रतिबंध लगा रखे थे। सोमवार को यूक्रेन की सुरक्षा सेवा या एसबीयू ने उनके खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की, जिसमें उन पर प्रतिबंधित रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल का निर्देश देने का आरोप लगाया गया। एसबीयू के एक अधिकारी ने कहा कि इस हमले के पीछे एजेंसी का हाथ है। नाम न बताने की शर्त पर बात करने वाले अधिकारी ने कहा कि किरिलोव एक युद्ध अपराधी है और उसे निशाना बनाया जाना पूरी तरह से वैध है। एसबीयू ने कहा है कि उसने फरवरी 2022 में 4,800 से अधिक अवसरों पर युद्ध के मैदान में रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया है। मई में अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि उसने यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ क्लोरोपिक्रिन का उपयोग किया है, जो प्रथम विश्व युद्ध में पहली बार इस्तेमाल की गई जहरीली गैस है। रूस ने यूक्रेन में किसी भी रासायनिक हथियार के प्रयोग से इनकार किया है तथा कीव पर युद्ध में विषैले तत्वों के प्रयोग का आरोप लगाया है।

ऑस्ट्रेलियाई राज्य ने पूजा स्थलों में विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के एक राज्य की सरकार ने बढ़ते यहूदी विरोधवाद से निपटने के लिए प्रदर्शनकारियों पर नए प्रतिबंध लगाए जाने का मंगलवार को प्रस्ताव रखा, जिनमे पूजा स्थलो के बाहर प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगाया जाना भी शामिल है।मेलबर्न मे इस महीने आगजनी करने वालो ने एक यहूदी उपासनागृह को नुकसान पहुंचाया था और प्रदर्शनकारियो ने एक सप्ताह पहले सिडनी के उपासना गृह मे श्रद्धालुओ को तीन घंटे तक बंद रखा था। इन घटनाओ के बाद विक्टोरिया की प्रीमियर जैसिंटा एलन ने नए कानून प्रस्तावित किए है। एलन ने कहा, यह शांतिपूर्ण विरोध नही है। यह खतरनाक व्यवहार है। उन्होने कहा, यहूदी विरोधवाद एक कैंसर है और हमे यहूदी विरोधी भावना की इस बुराई, नस्लवाद की बुराई के सभी रूपो से लड़ने मे कोई कसर नही छोड़नी चाहिए। उनके कार्यालय ने एक बयान मे कहा कि नए कानून भय एवं उत्पीड़न से मुक्त होकर एकत्र होने और प्रार्थना करने के लोगो के अधिकार की रक्षा करेंगे। यह कानून ऑस्ट्रेलिया द्वारा आतंकवादी संगठनो के रूप मे सूचीबद्ध समूहो के झंडे फहराने और प्रतीको को प्रदर्शित करने पर भी प्रतिबंध लगाएंगे।

रूस में हमले के लिए यूक्रेन को अमेरिकी हथियार के इस्तेमाल की अनुमति का फैसला पलट सकते हैं ट्रंप

पाम बीच (अमेरिका)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को संकेत दिया कि वह राष्ट्रपति जो बाइडन के उस हालिया फैसले को पलट सकते हैं जिसके तहत यूक्रेन की सेना को रूस के अंदरूनी क्षेत्र में हमला करने के लिए अमेरिका के हथियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। ट्रंप ने पिछले महीने बाइडन द्वारा लिए गए निर्णय को मूर्खतापूर्ण बताया। उन्होंने इस बात पर भी असंतोष जाहिर किया कि बाइडन ने यह निर्णय लेने से पहले आगामी प्रशासन से सलाह नहीं ली। यूक्रेन लंबे समय से अपनी सीमा से सैकड़ों मील दूर रूसी ठिकानों पर हमला करने के वास्ते अमेरिकी हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति चाहता था। हालांकि, प्रतिबंधों में ढील के साथ, बाइडन ने रूस के अंदरूनी क्षेत्र में हमले के लिए यूक्रेन को अमेरिका द्वारा मुहैया कराई गई आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम का उपयोग करने की अनुमति दे दी। ट्रंप ने अपने मार-ए-लागो रिजॉर्ट में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, मुझे नहीं लगता कि इसकी अनुमति दी जानी चाहिए थी, खास तौर पर उस वक्त जब मेरा प्रशासन काम संभालने वाला है। इस बारे में मैं क्या सोचता हूं, यह जाने बिना उन्होंने ऐसा किया। मैं उन्हें ऐसा करने के लिए नहीं कहता। मुझे लगता है कि यह एक बड़ी गलती थी। यह पूछे जाने पर कि क्या वह बाइडन प्रशासन के फैसले को वापस लेने पर विचार करेंगे, ट्रंप ने कहा, हो सकता है। मुझे लगता है कि ऐसा करना बहुत मूर्खतापूर्ण बात थी। व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने ट्रंप की आलोचना पर पलटवार करते हुए कहा कि यह निर्णय पिछले महीने के चुनाव से पहले, महीनों के विचार-विमर्श के बाद लिया गया। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मौजूदा प्रशासन के आगामी प्रशासन के साथ समन्वय को लेकर कहा, मैं आपको केवल इतना स्पष्ट तौर पर कह सकता हूं चुनाव के बाद से हमने उनसे विभिन्न स्तरों पर जो बातचीत की है, उसमें हमने उन्हें इसके पीछे के तर्क, इसके मकसद, हम ऐसा क्यों कर रहे हैं, इस बारे में स्पष्ट रूप से बताया है।

वानुअतु में 7.3 तीव्रता का भूकंप आया

वेलिंगटन। दक्षिण प्रशांत महासागर मे वानुअतु के तट के पास मंगलवार को 7.3 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने यह जानकारी दी। भूकंप 57 किलोमीटर की गहराई पर आया। उसका केंद्र द्वीपीय राष्ट्र के सबसे बड़े शहर पोर्ट विला के पास था। यह तत्काल स्पष्ट नही हो पाया कि भूकंप से कोई क्षति हुई या नही। भूकंप के इस झटके के बाद उसी स्थान पर 5.5 तीव्रता का दूसरा झटका भी आया।यूएसजीएस ने वानुअतु के कुछ तटों पर सुनामी की लहरो की चेतावनी दी है। वानुअतु 80 द्वीपों का समूह है, जहां लगभग 330,000 लोग रहते है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दो आतंकवादी मारे गए

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत मे दो आतंकवादी मारे गए और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक प्रमुख कमांडर सहित 16 अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आतंकवाद-रोधी विभाग (सीटीडी) के एक बयान मे कहा गया है कि पंजाब-खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के सीमावर्ती क्षेत्र मे पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। बयान मे कहा गया है, आतंकवादियो ने कोटानी ताल इलाके मे पुलिस दल पर हथगोले, रॉकेट और भारी हथियारो से हमला किया। पुलिस दल ने जवाबी कार्वाई की, जिसमे मंगलवार को दो आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा सीटीडी ने पंजाब मे एक बड़ी आतंकवादी साजिश को विफल कर दिया तथा पिछले सात दिनो मे पूरे प्रांत मे इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन (आईबीओ) के दौरान कई प्रतिबंधित संगठनो से जुड़े 16 आतंकवादियो को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगो मे प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का प्रमुख कमांडर उमर भी शामिल है।

श्रीलंका पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा में कटौती

कोलंबो। श्रीलंका मे पूर्व राष्ट्रपतियो को दी जाने वाली निजी सुरक्षा मे कटौती करके सालाना 120 करोड़ रुपए बचाए जाएंगे। देश की संसद मे यह मंगलवार को यह जानकारी दी गई। सरकार ने पहले ही घोषणा की है कि पूर्व राष्ट्रपतियो को दी जाने वाली सुरक्षा मे एक जनवरी से कटौती की जाएगी।जन सुरक्षा मंत्री आनंद विजेपाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार का उद्देश्य पूरे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और सुरक्षा (पूर्व राष्ट्रपतियो के लिए) मे कटौती करने का निर्णय सरकार की नीति के अनुरूप है। विजेपाल ने कहा, हमने देश से वादा किया था कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उच्च पदो पर बैठे लोग बाकी नागरिको के समान ही हो। हम यातायात नियमो की अनदेखी करके सड़को पर तेज गति से चलने वाले अति विशिष्ट व्यक्तियो के काफिलो की संस्कृति को खत्म करना चाहते है।

वेंटिव का पेशकश खुलेगा

इंडी। वेंटीव हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड जिसे पहले आईसीसी रियल्टी-इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। कंपनी 20 दिसंबर2024 को इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के संबंध में अपनी बोलीध्प्रस्ताव खोलेगी। एंकर निवेशक बोली तिथि बोली प्रस्ताव खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले हैए जो गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024 है। बोली, प्रस्ताव समापन तिथि मंगलवार 24 दिसंबर 2024 है। इक्विटी शेयरों ;प्रत्येक 1 रुपए अंकित मूल्यद्ध का कुल प्रस्ताव आकार 16,000 मिलियन रुपए तक हैए जिसमें 16,000 मिलियन रुपए तक का नया निर्गम शामिल है कुल प्रस्ताव आकार। इस इश्यू का मूल्य बैंड 610 रुपये से 643 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। कर्मचारी आरक्षण भाग में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 30 रुपये की छूट दी जा रही है । न्यूनतम 23 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 23 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं।

बांग्लादेश के विधि सलाहकार ने विजय दिवस पर मोदी की पोस्ट की निंदा की

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने विजय दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट की निंदा करते हुए कहा है कि इस जीत में भारत केवल एक सहयोगी था, इससे ज्यादा कुछ नहीं। विजय दिवस 16 दिसंबर 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किए जाने की याद में मनाया जाता है। भारत की ऐतिहासिक जीत के कारण बांग्लादेश अस्तित्व में आया था।नजरुल की टिप्पणी को मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने भी सोशल मीडिया पर साझा किया। मोदी ने 1971 की ऐतिहासिक जीत में भारतीय सैनिकों के योगदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट साझा की थी। नजरुल ने उस पोस्ट का स्क्रीनशॉट संलग्न करते हुए सोमवार को बंगाली में फेसबुक पर लिखा, मैं इसका कड़ा विरोध करता हूं। 16 दिसंबर, 1971 बांग्लादेश का विजय दिवस है। भारत इस जीत में केवल एक सहयोगी था, इससे ज्यादा कुछ नहीं। द डेली स्टार अखबार ने मंगलवार को बताया कि मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने नजरुल की पोस्ट को साझा किया।इस बीच, भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के संयोजक हसनत अब्दुल्ला ने भी मोदी के पोस्ट की आलोचना की। उन्होंने फेसबुक पर लिखा कि यह बांग्लादेश का मुक्ति संग्राम था और यह पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश की आजादी के लिए था। उन्होंने कहा कि मोदी ने दावा किया कि यह पूरी तरह से भारत का युद्ध था एवं उसकी उपलब्धि थी और उनके कथन में बांग्लादेश के अस्तित्व की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा, जब भारत इस स्वतंत्रता को अपनी उपलब्धि बताता है तो मैं इसे हमारी स्वतंत्रता, संप्रभुता और एकता के लिए खतरे के रूप में देखता हूं। हमारे लिए भारत द्वारा पैदा किए इस खतरे के खिलाफ लड़ना जरूरी है। हमें यह लड़ाई जारी रखनी होगी। मोदी ने सोमवार को एक्स पर लिखा था।

डोभाल भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि वार्ता में भाग लेने के लिए बीजिंग पहुंचे

भाषा। बीजिंग

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल बुधवार को होने वाली भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता में भाग लेने के लिए मंगलवार को बीजिंग पहुंचे। इस वार्ता का उद्देश्य पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय तक प्रभावित रहे द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करना है। डोभाल अपने चीनी समकक्ष और विदेश मंत्री वांग ई के साथ विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 23वें दौर की वार्ता करेंगे। इस दौरान पूर्वी लद्दाख से सैनिकों की वापसी और गश्त को लेकर दोनों देशों के बीच 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। चीन ने इस महत्वपूर्ण वार्ता से पहले मंगलवार को कहा कि वह 24 अक्टूबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर रूस के कजान में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की बैठक के दौरान बनी आम सहमति के आधार पर प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने के लिए तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक संवाददाता सम्मेलन में विशेष प्रतिनिधि वार्ता के बारे में पूछे जाने पर कहा कि चीन दोनों नेताओं (मोदी और चिनफिंग) के बीच बनी अहम आम सहमति को साकार करने, वार्ता और संचार के माध्यम से आपसी विश्वास एवं भरोसा बढ़ाने, अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने तथा द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ एवं सतत तरीके से आगे बढ़ाने के मकसद से भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा था, 23 अक्टूबर को कजान में दोनों नेताओं की बैठक के दौरान बनी सहमति के अनुसार दोनों विशेष प्रतिनिधि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के प्रबंधन पर चर्चा करेंगे और सीमा से जुड़े मुद्दे का निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तलाशेंगे। मोदी और शी की इस बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष ने ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की थी। इसके बाद चीन-भारत सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक हुई। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ और उसके बाद उसी साल जून में गलवान घाटी में घातक झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था।

पोप ने आत्मकथा में अपनी इराक यात्रा के दौरान बम विस्फोट की परोक्ष साजिश का खुलासा किया

रोम, 17 दिसंबर (एपी) पोप फ्रांसिस मंगलवार को 88 साल के हो गए और इस अवसर पर उनके बारे में कुछ खुलासे हुए। पोप फ्रांसिस की आगामी आत्मकथा के अंशों के अनुसार, 2021 में उनकी इराक यात्रा के दौरान आत्मघाती हमलावरो ने उन पर हमला करने की साजिश रची थी, हालांकि हमला करने से पहले ही हमलावरो को मार गिराया गया। इतालवी दैनिक कोरिएरे डेला सेरा ने मंगलवार को होपः द ऑटोबायोग्राफी के कुछ अंश प्रकाशित किए, जिसे अगले महीने 80 से अधिक देशो मे जारी किया जा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी मंगलवार को फ्रांसिस के 88वे जन्मदिन पर अन्य अंश प्रकाशित किए। इतालवी अंशों में, फ्रांसिस ने इराक की अपनी ऐतिहासिक मार्च 2021 की यात्रा को याद किया, जो किसी पोप द्वारा की गई पहली यात्रा थी। इसके अनुसार उस समय कोविड-19 का प्रकोप था और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बहुत अधिक थी, खासकर मोसुल मे। इसके अनुसार तबाह हो चुका उत्तरी शहर इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियो का मुख्यालय था, जिसके भयानक शासन की वजह से ईसाई समुदाय के अधिकतर लोगों से क्षेत्र को खाली कर दिया था।

बोलीविया के अभियोजकों ने यौन शोषण मामले में पूर्व राष्ट्रपति मोरालेस की गिरफ्तारी की मांग की

ला पाज (बोलीविया)। बोलीविया मे अभियोजको ने यौन शोषण मामले मे सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस की गिरफ्तारी की मांग की। आरोप है कि मोरालेस का 15 वर्षीय किशोरी से एक बच्चा है। मामले में बयान दर्ज कराने के आदेश की अवज्ञा के बाद मोरालेस की गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया है, हालांकि इस वारंट को अभी एक न्यायाधीश द्वारा अनुमोदित किया जाना है।मोरालेस, 2019 तक, 13 साल तक बोलीविया की सत्ता मे रहे थे। सितंबर मे पहली बार गिरफ्तारी की बात सामने आने के बाद से मोरालेस चपारे के ग्रामीण इलाके मे छिपे हुए है। यह इलाका उनके कट्टर समर्थको से घिरा है।मोरालेस पर आरोप है कि 2016 मे एक किशोरी का उन्होंने यौन उत्पीड़न किया और किशोरी से उनका एक बच्चा है। बोलीविया के कानून के तहत इसे दुष्कर्म माना जाता है। मोरालेस ने गिरफ्तारी के आदेश पर फिलहाल कोई टिप्पणी नही की है, लेकिन उन्होंने पहले इस तरह के दुराचार मे खुद की संलिप्तता से इनकार किया था। मोरालेस ने कहा था, यह मुझे राजनीतिक रूप से तबाह करने की साजिश है।

देश में किसी भी वीपीएन को बाधित नही किया गया है: पाक दूरसंचार नियामक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दूरसंचार नियामक ने स्पष्ट किया है कि क्षमता होने के बावजूद देश मे किसी भी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) को बाधित नही किया गया है और न ही भविष्य मे ऐसा करने की कोई योजना है। यह जानकारी पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) के अध्यक्ष हाफिज-उर-रहमान ने सोमवार को नियामक की वार्षिक रिपोर्ट के विमोचन के मौके पर दी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, रहमान ने स्पष्ट किया कि अब तक किसी भी वीपीएन को ब्लॉक नही किया गया है और भविष्य मे ऐसा कुछ करने की कोई योजना नही है। उन्होंने कहा, हमने पहले भी कहा है और मै इसे अब दोहराता हूं: हम वीपीएन को ब्लॉक कर सकते है, लेकिन हम ऐसा नही करेंगे। आज तक, किसी भी वीपीएन को ब्लॉक नही किया गया है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब कई महीनों से यह खबर चल रही थी कि नियामक ने वीपीएन को पंजीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पंजीकरण की समयसीमा 30 नवंबर से आगे बढ़ा दी गई थी। हालांकि, वीपीएन निलंबन के लिए नई समयसीमा की घोषणा नही की गई थी।

ऑस्ट्रिया का ब्लुम एक्सपीरियंस सेंटर देगा नया अनुभव

इंडियाना।. ब्लुम दुनिया की अग्रणी फर्नीचर फिटिंग्स निर्माता कंपनी ह जो उच्च गुणवत्ता वाली फर्नीचर फिटिंग्स में विशेषज्ञता रखती है। इसके मुख्य उत्पादों में नवीन लिफ्ट सिस्टम्स, हिंग्सए पुल आउट सिस्टम्स और पॉकेट डोर सॉल्यूशंस शामिल हैं। कंपनी के आठ उत्पादन संयंत्र ऑस्ट्रिया के वोरार्लबर्ग में स्थित हैं, साथ ही इसके उत्पादन स्थल पोलैंड, ब्राज़ील, चीन और अमेरिका में भी हैं। देशभर में अपने नेटवर्क को नई गति प्रदान करते हुए ब्लुम इंडिया को लखनऊ उत्तर प्रदेश में अपने नए एक्सपीरियंस सेंटर के शुभारंभ की घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है। ब्लुम इंडिया के सेल्स डायरेक्टर ी समीर वाइंगणकर ने 17 दिसंबर को इस सेंटर फर्नीलाइन हार्डवेयर सॉल्यूशंसका विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित साझेदार एवं सेंटर के मालिक विजय यादव, जयप्रकाश शुक्ला और हंसराज यादव भी उपस्थित रहे। ब्लुम एक्सपीरियंस सेंटरफर्नीलाइन हार्डवेयर सॉल्यूशंस सेक्टर-6 गोमती नगर एक्सटेंशनमें खुला है। उत्तर भारत में ब्लुम इंडिया के विस्तार की सकारात्मक प्रगति को लेकर आशावादी दृष्टिकोण साझा करते हुएए ब्लुम इंडिया के सेल्स डायरेक्टर समीर वाइंगणकर ने कहा कि फर्नीलाइन का शुभारंभ ब्लुम इंडिया की विकास गाथा का एक नया अध्याय है। हमें अपने विश्वसनीय साझेदार फर्नीलाइन हार्डवेयर सॉल्यूशंस के साथ मिलकर इस ब्लुम एक्सपीरियंस सेंटर को लॉन्च करने पर बेहद खुशी हो रही है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज और सेना प्रमुख मुनीर ने देश में सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने देश मे प्रमुख सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा के लिए एक बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों ने हाल ही मे इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ द्वारा इस्लामाबाद मे किए गए विरोध प्रदर्शन पर भी चर्चा की। इस प्रदर्शन मे कई लोग मारे गए थे। सरकार ने सोमवार को आयोजित बैठक का ब्यौरा आधिकारिक तौर पर साझा नही किया, लेकिन समाचार पत्र डॉन ने बैठक से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया कि बैठक मे 24 नवंबर को डी-चौक पर हुए विरोध प्रदर्शन पर भी चर्चा की गई और हिंसा तथा कानून प्रवर्तको की हत्या मे शामिल किसी भी व्यक्ति को नही बख्शने का संकल्प व्यक्त किया गया। सूत्र ने कहा, "यह निर्णय लिय गया कि सुरक्षाकर्मियो की हत्या करने वालो और राज्य की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालो के प्रति कोई नरमी नही बरती जाएगी।

सारेगामापा के कंटेस्टेंट्स को दुनिया ने सुना

ग्लोबल। पिछली रात मुंबई में सारेगामापा लाइव कॉन्सर्ट के मंच पर संगीत और हुनर का जबर्दस्त जादू देखने को मिला। ज़ी टीवी के इस शो के पांच शानदार कंटेस्टेंट्स ने प्लेबैक सिंगर दिव्या कुमार के साथ परफॉर्म किया। यह ज़ी टीवी के लिए गर्व का मौका थाए क्योंकि ऐसा कम ही होता है जब किसी रियलिटी शो के कंटेस्टेंट्स को अपने सीज़न के खत्म होने से पहले ही टिकटेड कॉन्सर्ट में परफॉर्म करने का मौका मिले। सारेगामापा लाइव कॉन्सर्ट इन शानदार टैलेंट्स और उनकी मेहनत का जश्न था। उनकी दमदार परफॉर्मेंस ने उनकी काबिलियत और हुनर को ऐसे पेश किया कि दर्शक देखते ही रह गए। इस इवेंट में कंटेस्टेंट्स . रियाए महर्षिए उज्वलए श्रद्धा और पार्वती ने दिव्या कुमार के साथ मिलकर पुराने क्लासिक और नए सुपरहिट्स गानों का ऐसा कॉकटेल पेश किया कि दर्शक झूम उठे। इस कॉन्सर्ट में ज़ी टीवी के शो जमाई नंण् 1 के स्टार्स अभिषेक मलिक एवं सिमरन कौरए और जाने अनजाने हम मिले के आयुषी खुराना और भरत अहलावत भी मौजूद थे। ये चारों सितारे पूरे इवेंट में मस्ती करते नजर आए। उन्होंने हर परफॉर्मेंस पर तालियां बजाईं और दर्शकों के साथ माहौल का पूरा लुत्फउठाया। सिमरन कौर जो जमाई न 1 में रिद्धि का किरदार निभा रही हैंए ने कहाए श्हाल के दिनों में यह सबसे एंटरटेनिंग कॉन्सर्ट्स में से एक था। सारेगामापा के इन कंटेस्टेंट्स को इतना शानदार परफॉर्म करते देखना वाकई दिल को छू लेने वाला अनुभव था। उनकी एनर्जीए टैलेंट और गानों में इमोशनल गहराई वाकई कमाल की है। अभिषेक मलिकए जो जमाई नंण् 1 में नील का किरदार निभा रहे हैंए ने कहाए श्क्या शानदार रात थी! स्टेज पर मौजूद टैलेंट वाकई लाजवाब था। दिव्या कुमार हमेशा की तरह कमाल की थीं।

गाजा में इजराइली हमले में एक ही परिवार के कम से कम 8 लोगों की मौत

भाषा। यरुशलम

गाजा में इजराइली हमले में एक ही परिवार के कम से कम आठ लोग मारे गए, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। फलस्तीनी चिकित्सा कर्मियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय की एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवा के अनुसार, सोमवार देर रात गाजा शहर के मध्य पड़ोसी नगर दाराज में एक घर पर हमला किया गया। बचावकर्मियों ने मलबे के नीचे से दो महिलाओं और चार बच्चों सहित आठ लोगों के शव बरामद किए। एसोसिएटेड प्रेस को मिली हताहतों की सूची के अनुसार, मलबे से बरामद शवों में एक पिता और उसके तीन बच्चे तथा बच्चों की दादी शामिल हैं। इस हमले पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 14 महीनों में गाजा में इजराइली बमबारी और आक्रमण में 45,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय के आंकड़ों में लड़ाकों और असैन्य नागरिकों के बीच अंतर नहीं किया गया है, लेकिन उसका कहना है कि मृतकों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। इजराइल ने यह अभियान हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर किए गए हमले के प्रतिशोध में शुरू किया था, जिसमें आतंकवादियों ने लगभग ।,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 250 अन्य का अपहरण कर लिया था, जिनमें से लगभग 100 लोग अब भी कैद में हैं।

ट्रैवल एजेंट के धोखे का शिकार हुई भारतीय महिला 22 साल बाद पाक से स्वदेश लौटी

लाहौर (पाकिस्तान)। पिछले 22 वर्षों से पाकिस्तान में रह रही एक भारतीय महिला सोमवार को लाहौर में वाघा सीमा के रास्ते अपने वतन लौट आई। महिला को एक ट्रैवल एजेंट धोखे से पाकिस्तान ले गया था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मूल रूप से मुंबई की हमीदा बानो 2002 में पाकिस्तान के हैदराबाद पहुंची थीं। बानो के अनुसार, एक एजेंट ने उन्हें दुबई में नौकरी दिलाने का वादा करके धोखा दिया। बानो ने बताया कि एजेंट उन्हें दुबई ले जाने के बजाय पाकिस्तान के सिंध प्रांत के हैदराबाद जिले में ले आया। एक सरकारी अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, सोमवार को वह कराची से विमान से यहां पहुंचीं और इसके बाद वह वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत पहुंचीं। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उन्हें विदा किया। बानो ने अपने परिवार से मिलने की बात पर बहुत खुशी जाहिर की। बानो ने कहा कि उन्होंने भारत लौटने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें यह दिन देखने को मिला। वर्ष 2022 में स्थानीय यूट्यूबर वलीउल्लाह मारूफ ने अपने व्लॉग में साझा किया था कि हमीदा बानो ने 2002 में भारत छोड़ दिया था, जब एक भर्ती एजेंट ने उन्हें दुबई में रसोइया की नौकरी दिलाने का वादा किया था।

रिश्तों की पूंजी होते हैं खास उपहार : शोधकर्ता

भाषा। बाथ (ब्रिटेन)

क्रिसमस आने को है और ऐसे में करीबी दोस्तों, रिश्तेदारों के लिए उपहार खरीदने का एक अलग ही उत्साह होता है। लेकिन प्रियजनों की रूचियों, उनकी उम्र, और उनके व्यक्तित्व को ध्यान में रखकर उपहार देना बहुत मायने रखता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, ब्रिटेन में इस साल क्रिसमस के लिए खरीदे जाने वाले उपहारों पर लगभग 600 पाउंड का खर्च किया जा सकता है, इसलिए उपहार देने की लागत अधिक हो सकती है। इसलिए यह सोचना सही है कि निवेश करने पर यह कैसे पता चले कि उपहार प्राप्त करने वाला व्यक्ति खुश है या नहीं। हमें शोध करने से पता चला है कि लोगों को उनकी पसंद के अनुसार दिए जाने वाले खास उपहार बेहद पसंद आते हैं और वे इसे प्राप्त कर आभार भी व्यक्त करते हैं। खास उपहार का मतलब ऐसे उपहारों से है जिसे आप उस व्यक्ति की पसंद, नापसंद, रुचि और प्रेम के अनुसार सोच-समझर खरीदते हैं या तैयार करवाते हैं। हमने शोध में पाया कि दुनिया भर में थोक के भाव बनने वाले उपहारों के बजाय लोग ऐसे उपहारों को ज्यादा पसंद करते हैं जो उनकी रूचियों को ध्यान में रखकर दिए जाते हैं। खास उपहारों को प्राप्त करने पर लोगों की भावनाएं सामने आती हैं और वे इसे देने वाले पर गर्व भी महसूस करते हैं। प्राप्तकर्ताओं को इससे यह भी पता चलता है कि उपहार देने वाले व्यक्ति ने कितनी गहराई से उसके बारे में सोचा। शोध से पता चला है कि सबसे अच्छा उपहार मिलने से व्यक्ति बहुत खुश होता है और थोड़ा हैरान भी होता है। लेकिन इसके लिए देने वाले से कुछ हद मेहनत की अपेक्षा की जाती है। किसी चीज को खास बनाने, उसे अनोखा बनाने के लिए समय निकालने से वह उपहार एक साधारण वस्तु से एक सार्थक अनुभव में बदल जाता है। इसे प्राप्त करने वाले को बहुत सम्मानित और उन्हें अधिक महत्वता दिए जाने की अनुभूति होती है। उदाहरण के लिए, कल्पना करें कि आपका कोई दोस्त आपके साथ बिताए गए किसी सुखद पल की तस्वीर के साथ कुशन या मग तैयार करवा कर उसे उपहार के रूप में आपको देता है। ऐसे में उस उपहार को तैयार करने में वे जो ध्यान देते और जो उनका इरादा होता है, उसकी सिर्फ सराहना ही नहीं की जाती बल्कि उसे गहराई से महसूस भी किया जाता है। आज कल कई सारी कंपनियां लोगों को कस्टमाइजेशन मंच प्रदान करती हैं जो उपयोगकर्ताओं को उनकी पसंद और सुविधाओं के अनुसार उपहार बनवाने में मदद करती हैं। आप अपनी पसंद का रंग, विशेषता, चित्र या शब्द जोड़कर घड़ियां, कैलेंडर, टी-शर्ट आदि तैयार करा सकते हैं। यह ब्रांड और निर्माताओं के लिए पसंद के अनुसार तैयार कराई गईं वस्तुएं बेचने का अच्छ अवसर होता है लेकिन इसमें थोड़ा सुधार करने की आवश्यकता है। शख्सियत को ध्यान में रखकर उपहार दें:व्यस्त जीवन जीने वाले लोगों के लिए सादगी मायने रखती है। इसलिए ब्रांड अगर ग्राहक के व्यक्तित्व को ध्यान में रखकर उपहार पेश करते हैं तो निश्चित रूप से पाने वाले का दिल बाग बाग हो जाएगा। साथ में आप कोई प्यारा सा संदेश भी भेज सकते हैं। ए छोटी छोटी बातें आपकी दोस्ती को बहुत खास बना सकती हैं। उपहार देना एक पुरानी परंपरा है। कभी-कभी, दोस्त और रिश्तेदार हमारे लिए सिर्फ उपहार खरीदते हैं, जो बहुत अच्छा लगता है। लेकिन जब वे इन उपहारों में कुछ व्यक्तिगत अनुभव और कुछ रचनात्मकता को जोड़ते हैं तो यह हमारे साथ उनके रिश्ते को और मजबूत करता है। असली जादू तो किसी खास को बेहद खास महसूस कराने में है। चाहे वह अपने हाथों से तैयार की गई चॉकलेट बार हो या कोई आभूषण। ऐसे खास उपहार केवल उपहार नहीं हैं बल्कि ए आपके रिश्तों की पूंजी हैं।

विस्कॉन्सिन के स्कूल में गोलीबारी में शिक्षक और एक छात्र की मौत

मैडिसन (अमेरिका)। अमेरिकी प्रांत विस्कॉन्सिन के स्कूल में सोमवार को 15 वर्षीय छात्रा द्वारा की गई गोलीबारी में एक शिक्षक और अन्य छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि एबंडैंट लाइफ स्कूल में गोलीबारी करने वाली छात्रा की भी मौत हो गई है। पुलिस ने सोमवार रात संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गोलीबारी की यह घटना स्कूल के एक अध्ययन कक्ष में हुई और इसकी सूचना दूसरी कक्षा के एक विद्यार्थी ने पुलिस को दी। विस्कॉन्सिन पुलिस ने बताया कि छात्रा की पहचान नताली रूपनो के रूप में हुई है। मैडिसन पुलिस प्रमुख शॉन बार्न्स ने बताया कि गोलीबारी में छह अन्य लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों में दो छात्र भी शामिल हैं जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बार्न्स ने बताया कि एक शिक्षक और तीन छात्रों को मामूली चोट आई हैं, जिनमें से दो को सोमवार शाम ही छुट्टी दे दी गई। बार्न्स ने कहा, इस इमारत में हर बच्चा, हर व्यक्ति पीड़ित है और शायद इस जख्म से कभी नहीं उबर पाएगा... हमें यह पता लगाने और समझने की कोशिश करनी होगी कि आखिर हुआ क्या।

राहुल, जडेजा और पुछल्ले बल्लेबाजों ने बचाया फॉलोआन

आस्ट्रेलिया से तीसरा टेस्ट ड्रा की ओर बढ़ा

भाषा। ब्रिसबेन

केएल राहुल और रविंद्र जडेजा के संयम से भरे अर्धशतकों की मदद से भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट के वर्षाबाधित चौथे दिन फॉलोआन बचा लिया हालांकि अब यह मैच ड्रॉ की ओर मुड़ता दिख रहा है। जडेजा ने 123 गेंद में 77 रन बनाए जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल था। वहीं राहुल 84 रन बनाकर आउट हुए जिन्होंने 139 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके लगाए। खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त किए जाने तक भारत ने नौ विकेट पर 252 रन बना लिए थे। जसप्रीत बुमराह दस और आकाश दीप 27 रन बनाकर खेल रहे हैं। भारतीय टीम अभी भी आस्ट्रेलिया से 193 रन पीछे है। आस्ट्रेलिया को अब दोबारा बल्लेबाजी के लिए उतरना होगा और ब्रिसबेन के मौसम को देखते हुए मैच का कोई नतीजा निकलता नहीं दिखता। बुधवार को भी बारिश की संभावना जताई गई है। दसवें नंबर पर उतरे बुमराह और 11वें नंबर पर आए आकाश दीप की तारीफ करनी होगी जिन्होंने टीम को फॉलोआन के स्कोर 246 रन के पार पहुंचाया और अब तक 33 रन जोड़ चुके हैं। ए दोनों तब साथ आए जब जडेजा को पैट कमिंस ने आउट कर दिया था और भारत का स्कोर नौ विकेट पर 213 रन था। इससे पहले इससे पहले अपने कल के स्कोर चार विकेट पर 51 रन से आगे खेलते हुए भारतीय बल्लेबाजों ने जुझारूपन दिखाया और राहुल संकटमोचक साबित होते दिखे। राहुल भाग्यशाली रहे जिन्हें दिन की पहली गेंद पर दूसरी स्लिप में स्मिथ ने जीवनदान दिया जबकि पैट कमिंस गेंदबाज थे। उस समय राहुल 33 रन पर थे। आस्ट्रेलिया ने उनके लिए तीन स्लिप और एक गली फील्डर लगाया था ताकि राहुल को गलती करने पर मजबूर कर सके। लेकिन राहुल ने ढीली गेंदों का इंतजार किया और कोई जोखिम नहीं उठाया। कमिंस ने उन्हें आफ स्टम्प के बाहर भी गेंदें डाली जिन्हें या तो उन्होंने छोड़ दिया या रक्षात्मक खेला ऐसा लग रहा था मानो वह चेतेश्वर पुजारा की बल्लेबाजी के वीडियो देखकर आए हैं कि आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को कैसे थकाना है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा (10) एक बार फिर नाकाम रहे। उन्होंने आफ स्टम्प पर पड़ती कमिंस की गेंद पर बल्ला अड़ाया और विकेट के पीछे एलेक्स कैरी ने उन्हें चपलता से चलता कर दिया। आर अश्विन और वॉशिंगटन सुंदर पर जडेजा को तरजीह दिए जाने पर कइयों ने सवाल उठाए थे लेकिन इस हरफनमौला ने अपनी उपयोगिता साबित कर दी।

पिंडली की चोट के कारण भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो सकते है हेजलवुड

ब्रिसबेन। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को तीसरे टेस्ट के दौरान दाहिनी पिंडली में लगी चोट के कारण भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाकी मैचों से बाहर रहना पड़ सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चोट के कारण हेजलवुड ब्रिसबेन टेस्ट में अब आगे नहीं खेल सकेंगे जिससे ऑस्ट्रेलिया का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा , जोश हेजलवुड की दाहिनी पिंडली में खिंचाव आ गया है जिससे वह भारत के खिलाफ ब्रिसबेन टेस्ट में आगे नहीं खेल पाएंगे। उन्हें टेस्ट श्रृंखला के बाकी मैचों से बाहर रहना पड़ सकता है। तैंतीस बरस के हेजलवुड चौथे दिन एक ही ओवर डाल पाए थे जब उन्हें मैदान से जाना पड़ा। उन्होंने मैदान से बाहर जाने से पहले कप्तान पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ और फिजियो निक जोनेस से बात की। बाद मे चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए हेजलवुड के स्कैन किए गए। ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच डेनियल विटोरी ने दिन के खेल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस मे कहा, वह काफी निराश है। उन्होंने कहा, (उन्हें) आज सुबह वार्म-अप में यह महसूस हुआ, उन्होंने अच्छा प्रयास किया, उनके लिए दोबारा चोटिल होना दुर्भाग्यपूर्ण है। साइड स्ट्रेन की एक और चोट के बाद और यहां पिंडली में खिंचाव आना, यह उसके लिए बेहद कठिन है। हेजलवुड बाजू मे खिंचाव के कारण एडीलेड मे दूसरे टेस्ट से बाहर रहे थे।

राहुल की सफलता का मंत्र: शुरुआती 30 ओवर में डिफेंस मजबूत रखो, पुरानी गेंद पर रन बनाओ

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भारतीय सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल की सफलता का मंत्र शुरुआती 30 ओवर में डिफेंस मजबूत रखना और गेंदबाजों को सम्मान देना है। राहुल ने संवाददाताओं से कहा, देखिए, मुझे पूरा यकीन है कि हर किसी की अपनी-अपनी योजनाएं होती है... आपको शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के रूप में थोड़ी किस्मत की भी जरूरत होती है। उन्होंने कहा, अगर आप शुरुआती 10-15 ओवर में अच्छा खेल पाते है और थोड़ा आत्मविश्वास हासिल कर लेते है तो आपके लिए चीजें थोड़ी आसान हो जाती है, फिर आप अच्छा महसूस करने लगते है और आपको ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा गेंद के साथ गति और उछाल के साथ खेलने में मजा आने लगता है। राहुल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अब तक धैर्य और दृढ़ता की मिसाल रहे है जबकि अन्य भारतीय बल्लेबाज नई गेंद के खिलाफ कमजोर नजर आए है। राहुल की सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि श्रृंखला की शुरुआत से पहले वह पहली पसंद के सलामी बल्लेबाज नहीं थे। उन्होंने पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया और फिर कप्तान रोहित शर्मा ने स्वयं निचले क्रम में उतरने का फैसला किया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि यह सब विदेशी परिस्थितियों में बुनियादी बातों पर टिके रहने के बारे में है और उन्हें गेंदबाजों को उचित सम्मान देना भी शामिल है, विशेषकर जब गेंद सख्त और नई हो तब। राहुल ने कहा, यह सभी के लिए उन शुरुआती 20-30 गेंद को पार करने के बारे में है और हर कोई ऐसा करने की पूरी कोशिश कर रहा है और यह एक लंबी श्रृंखला है। हमने अब तक तीन मैच में पांच पारियां खेली है इसलिए मुझे यकीन है कि हम अगली बार जब हम बल्लेबाजी करेंगे तो हर कोई अपनी खुद की योजना बनाएगा। शुरुआती 30 ओवर में आप केवल एक ही चीज कर सकते है वह है हर कोई ऐसा करने की पूरी कोशिश करे कि आप अपने डिफेंस को मजबूत करें, कोशिश करें और सम्मान करें कि पहले 30 ओवर गेंदबाजों का समय है और उन्हें उनका समय दे, गेंदो को छोड़ें, जितना संभव हो उतना ठोस खेलने की कोशिश करें और फिर गेंद के पुराने होने पर इसका फायदा उठाने की कोशिश करें। तो यही मेरी योजना है और यह बहुत सरल है और मुझे यकीन है कि यह सभी के लिए योजना है। अपने शरीर से दूर शॉट खेलने का प्रयास नही करने के अलावा राहुल ने गेंदो को छोड़ने का भी प्रयास किया है जबकि अन्य बल्लेबाज ऑफ स्टंप के करीब की गेंदो को खेलने के दोषी रहे है।

स्कोरबोर्ड

आस्ट्रेलिया पहली पारी : 445 रन, **भारत पहली पारी :** यशस्वी का मार्श बो स्टार्क 4, राहुल का स्मिथ बो लियोन 84, गिल का मार्श बो स्टार्क,कोहली का कैरी बो हेजलवुड 3, पंत का कैरी बो कमिंस 9, रोहित का कैरी बो कमिंस 10,जडेजा का मार्श बो कमिंस 77, नीतिश रेड्डी बो कमिंस 16, सिराज का कैरी बो स्टार्क,बुमराह नाबाद 10, आकाश दीप नाबाद 27, **अतिरिक्त :** 10 रन , कुल योग : 74 . 5 ओवर में नौ विकेट पर 252 रन , **विकेट पतन :** 1-4, 2-6, 3-22, 4-44, 5-74, 6-141, 7-194, 8-201, 9-213, **गेंदबाजी :** स्टार्क 24-3-83-3, हेजलवुड 6-2-22-1, कमिंस 20.5-2-80 . 4, लियोन 21- 0 - 54-.1, हेड 1 - 0-1- 0, मार्श 2- 0-6-0

एसए 20 के तीसरे सत्र में कमेंट्री करेंगे उथप्पा

जोहानिसबर्ग। भारत के पूर्व क्रिकेटर और 2007 टी20 विश्व कप विजेता रॉबिन उथप्पा नौ जनवरी से शुरू हो रहे बेतवे एसए 20 लीग के तीसरे सत्र में कमेंट्री करेंगे। नौ जनवरी से आठ फरवरी तक चलने वाली इस टी20 लीग का सीधा प्रसारण भारत में वायकॉम 18 के चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म स्पोटर्स 18 और जियो सिनेमा पर किया जाएगा। आयोजकों द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार उथप्पा के साथ कमेंट्री टीम में महान बल्लेबाज केविन पीटरसन, शॉन पोलाक , स्टुअर्ट ब्रॉड और क्रेस मौरिस भी होंगे।

खेल मंत्री ने फिट इंडिया साइकिलिंग ड्राइव लॉन्च किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में फिट इंडिया साइकिलिंग ड्राइव को हरी झंडी दिखाई। इस पहल का उद्देश्य साइकिल को परिवहन के एक स्थाई और स्वस्थ साधन के रूप में बढ़ावा देना है। स्टेडियम से रायसीना हिल्स और वापसी तक की तीन किलोमीटर की यात्रा में करीब 500 साइकिल चालक शामिल हुए। इस कार्यक्रम को मांडविया ने रक्षा खडसे, राज्य मंत्री (खेल), सांसद तेजस्वी सूर्या के साथ-साथ पेरिस पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता सिमरन शर्मा, राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीतू घणघस और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार सहित कई अन्य खिलाड़ियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई।

हॉकी इंडिया ने राउरकेला और रांची में दर्शकों को मुफ्त प्रवेश देने की घोषणा की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग के राउरकेला और रांची में होने वाले पुरूष और महिला मुकाबलों के लिए दर्शकों को स्टेडियम में मुफ्त प्रवेश देने की मंगलवार को घोषणा की।आठ टीम वाली पुरुषों की हॉकी इंडिया लीग नए प्रारूप मे 28 दिसंबर से राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम मे खेली जाएगी और एक फरवरी 2025 को संपन्न होगी। महिलाओं की लीग मे चार टीम होगी और यह 12 से 26 जनवरी तक रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ पर खेली जाएगी।हॉकी इंडिया ने साथ ही कहा कि लीग की पहुंचाने को बढ़ाने के लिए पुरूष और महिला वर्ग के कुछ चुनिंदा मैच एक-दूसरे के स्थलों पर आयोजित किए जाएंगे। टिकट बिक्री से होने वाली आय को छोड़कर हॉकी इंडिया का लक्ष्य खेल और इसके उत्साही समर्थकों के बीच एक मजबूत संबंध बनाना है ।

संतोष ट्रॉफी: ओडिशा ने गोवा, दिल्ली ने तमिलनाडु को हराया

हैदराबाद। ओडिशा ने संतोष ट्रॉफी के लिए 78वी सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैपियनशिप मे ग्रुप बी मैच में पूर्व चैपियन गोवा को 2-0 से हराया जबकि दिल्ली ने तमिलनाडु पर जीत के साथ अपना विजई क्रम जारी रखा। पिछले मैच में दिल्ली के खिलाफ हार का सामना करने वाले ओडिशा ने चार मिनट के अंदर दो गोल कर पांच बार के चैम्पियन गोवा को चौका दिया। ओडिशा के लिए राहुल मुखी (60वें मिनट) और कार्तिक हंतल (64वें मिनट) ने गोल दागे। इस जीत के साथ ही ओडिशा ग्रुप तालिका में चौथे से तीसरे पायदान पर आ गया। दिन के दूसरे मैच में दिल्ली ने तमिलनाडु को इसी अंतर से मात दी। भरान्यू बंसल (सातवे) और आशीष साव (65वे) के गोल से दिल्ली ने टूर्नामेंट में अपनी जीत का सिलसिला पांच मैचों तक बढ़ा दिया। इस हार के बाद तमिलनाडु छह टीमों की ग्रुप तालिका में पांचवें पायदान पर है।

मंधाना वनडे और टी20 दोनों रैंकिंग में शीर्ष तीन में पहुंची

भाषा। दुबई

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से दूसरे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गईं।बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम मैच में 105 रन की पारी खेली जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को मुंबई में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 54 रन बनाए।मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान के नुकसान से 13वें जबकि हरलीन देओल नौ स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो स्थान के नुकसान से पांचवें पायदान पर हैं।भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी 48 स्थान की लंबी छलांग के साथ 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि रेणुका ठाकुर 28वें से संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं।इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट दो स्थान के फायदे से 11 स्थान पर हैं। उन्होंने नाबाद 65 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला 2-। से जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। पर्थ में 50 रन बनाने वाली एशलेग गार्डनर 16वें से 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि ताहलिया मैकग्रा आठ स्थान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं। अनाबेल सदरलैंड 15 स्थान के फायदे से 29वें पायदान पर हैं। भारत के खिलाफ 110 रन की मैच विजई पारी खेली थी।गार्डनर गेंदबाजी रैंकिंग में भी दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं जो उनके करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। वह ऑलराउंडर की सूची में भी चौथे से दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं।

मंधाना की अर्धशतकीय पारी से भारत ने नौ विकेट पर 159 रन बनाए

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टी20

नवी मुंबई। स्मृति मंधाना (62) की श्रृंखला में लगातार दूसरी अर्धशतकीय पारी और रिचा घोष (32) की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ने मंगलवार को यहां वेस्टइंडीज महिला टीम के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नौ विकेट पर 159 रन बनाए। एक छोर से विकेटों के लगातार पतन के बीच मंधाना ने तीन बार मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए 41 गेंद की पारी में नौ चौके और एक छक्का लगाया। मंधाना ने 14वें ओवर तक एक छोर संभाले रखा तो वहीं उनके आउट होने के बाद रिचा ने 17 गेंद की अपनी आक्रामक पारी में छह चौके जड़ें जिससे भरत 150 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रहा। श्रृंखला के पहले मैच में 73 रन बनाने वाली मंधाना ने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ तेजी से रन बनाना शुरू किया लेकिन रोड्रिग्स 15 गेंद की पारी में दो चौके की मदद से 13 रन बनाने के बाद हेली मैथ्यूज (36 रन पर दो विकेट) की गेंद पर पगबाधा हो गई। पदार्पण कर रही राघवी बिष्ट प्रभावित करने में नाकाम रही और महज पांच रन बनाकर एफी फ्लेचर (28 रन पर दो विकेट) का शिकार बन गई। दीप्ति शर्मा (17) ने कुछ अच्छे शॉट लगाए लेकिन रिचा के साथ गफलत का शिकार होकर रन आउट हो गई। अपने चार ओवर में महज 14 रन खर्च करने वाली डॉटिन ने भारतीय पारी की शुरुआत में सलामी बल्लेबाज उमा छेत्री (चार) को चलता किया। उन्होंने रिचा घोष को भी चलता किया और टीम के खराब क्षेत्ररक्षण के बीच कुछ शानदार बचाव किए। उन्होंने बाउंड्री के पास छलांग लगाकर छह रन के लिए जा रही गेंद को रोकने के बाद राधा यादव (सात) का कमाल का कैच लपका। मंधाना ने अपनी पारी में कुछ शानदार चौके लगाए।

क्विक न्यूज

भारत नवंबर 2025 में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। भारत अगले साल नवंबर में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की मेजबानी करने के लिए तैयार है जो अलग हुई विश्व मुक्केबाजी (डब्ल्यूबी) संस्था के प्रति उसके समर्थन की पुष्टि करता है।भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) इसके साथ ही तीसरी विश्व मुक्केबाजी कांग्रेस की भी मेजबानी करेगा, जिसमें अध्यक्ष पद और कार्यकारी बोर्ड के चुनाव होंगे। इस साल की शुरुआत में नए शासी निकाय में शामिल होने का विकल्प चुनने के बाद यह टूर्नामेंट बीएफआई की मेजबानी में पहला अंतरराष्ट्रीय आयोजन होगा। पिछली बार बीएफआई ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) की महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप की मेजबानी की थी।बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ऐसे प्रतिष्ठित आयोजनों की मेजबानी के लिए विश्व मुक्केबाजी द्वारा मान्यता मिलना भारत के लिए गर्व की बात है।

गावस्कर के सुझावों का स्वागत पर उम्मीद है कि वह अन्य खिलाड़ियों को भी सुझाव देंगे: राजकुमार

नई दिल्ली। सुनील गावस्कर ने रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे विराट कोहली को सिडनी में सचिन तेंदुलकर की 241 रन की ऐतिहासिक पारी का अनुसरण करने की सलाह दी जिसमें उन्होंने एक भी कवर ड्राइव नही खेला था लेकिन इस सलाह को भारत के मौजूदा स्टार बल्लेबाज के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने खारिज कर दिया और वह इस सुझाव से बिल्कुल भी खुश नही है।कोहली को किशोरावस्था में कोचिंग देने वाले दिल्ली के पूर्व ऑफ स्पिनर राजकुमार ने मंगलवार को पीटीआई से कहा, सुनील गावस्कर एक महान खिलाड़ी रहे हैं और उनके सुझावों का हमेशा स्वागत है लेकिन मुझे उम्मीद है कि वह दूसरों को भी उनकी बल्लेबाजी के बारे में सुझाव देंगे। टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन और 34 शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी गावस्कर ने कोहली का नाम नही लिया बल्कि अपनी कमेंट्री के दौरान खिलाड़ियों के बारे में विस्तार से बात की। वह 2008 से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दो पारियों के आधार पर यह कहना अनुचित होगा कि वह फॉर्म से बाहर है। वह इस श्रृंखला में पहले ही शतक बना चुके है।

बुमराह, आकाशदीप ने फॉलोऑन देने की ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फेरा: विटोरी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि भारतीय पुछल्ले बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप के बीच मजबूत साझेदारी ने फॉलोऑन देने की उनकी योजना को विफल कर दिया। विटोरी ने पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बाद ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी घोषित नही करने के फैसले का भी बचाव किया। तीसरा टेस्ट ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा है। लोकेश राहुल (84) और रविंद्र जडेजा (77) की अर्धशतकीय पारियों के बाद बुमराह (नाबाद 10) और आकाश दीप (नाबाद 27) ने आखिरी विकेट के लिए 39 रन की अटूट साझेदारी करके फॉलोऑन टालकर भारत को शर्मनाक स्थिति से बचा लिया। विटोरी ने चौथे दिन के खेल के बाद कहा, मुझे लगता है कि मैच से परिणाम हासिल करने का एकमात्र तरीका फॉलोऑन के लिए मजबूर करना था। उन्होंने कहा, हमने आखिरी विकेट हासिल करने की बेताबी दिखाई। जब जडेजा आउट हुए तो हमने सोचा कि हमारे पास वास्तव में अच्छा मौका है लेकिन बुमराह और आकाश दीप ने वास्तव में संघर्षपूर्ण साझेदारी थी। न्यूजीलैंड के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, इस मैच में दुर्भाग्य से काफी समय बर्बाद हो गया है और इसने चीजों को मुश्किल बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया की सरजमी पर अपना पहला मैच खेल रहे आकाश दीप जब क्रीज पर आए तब भारत का स्कोर नौ विकेट पर 213 रन था और टीम को फॉलोऑन से बचने के लिए और 33 रन की जरूरत थी।

केएल यूनिवर्सिटी स्मार्ट कैंपस अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली। केएल डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी को बीईई नेशनल एनर्जी कंजर्वेशन अवार्ड्स (एनईसीए-2024) में इनोवेशन अवार्ड फॉर प्रोफेशनल श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित ऑल-इंडिया स्मार्ट कैंपस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह समारोह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हुआ, जहां मुख्य अतिथि के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शामिल हुए। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ने ऊर्जा संरक्षण और स्थायी प्रयासों के लिए यूनिवर्सिटी को सम्मानित किया है। यह पुरस्कार केएल डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के ऊर्जा कुशल और पर्यावरण के अनुकूल कैंपस के लिए दिया गया है।केएल डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ. जी परधा सारधी वर्मा ने कहा, सस्टेनेबिलिटी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ एक पहल नहीं, बल्कि हमारे संस्थान का मूल दर्शन है। यह राष्ट्रीय पुरस्कार हमारे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार कैंपस बनाने के प्रयासों का प्रमाण है, जो देशभर के शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक मिसाल है। हम केवल ऊर्जा बचाने पर नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार प्रगति की एक विरासत बनाने में विश्वास रखते हैं।केएल डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी की ओर से प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डीन डॉ. वी. राजेश ने यह पुरस्कार बीईई के महानिदेशक श्रीकांत नागुलापल्ली से लिया। यह सम्मान यूनिवर्सिटी के सतत विकास में योगदान को दर्शाता है।

मोटरबाइक बढ़ाएगा रफ्तार का रोमांच

मुंबई। मिड-साई 250सीसी-750सीसी मोटरसाईकल सेगमेंट में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड नअपने प्रि-ओन्ड मोटरसाईकल बिजनेस, रिओन का विस्तार किया। अब भारत के 236 शहरों में ग्राहक और रॉयल एनफील्ड बाईक प्रेमी अपनी पुरानी मोटरसाईकल को बेचकर नई रॉयल एनफील्ड बाईक आसानी से खरीद सकेंगे। 2023 में भारत के कुछ शहरों में पुरानी रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल खरीदने और बेचने के लिए रॉयल एनफील्ड का एक पारदर्शी प्लेटफॉर्म, रिओन पेश किया गया था। अब भारत के 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 236 शहरों में 475 रॉयल एनफील्ड डीलरशिप्स पर रिओन की सुविधा उपलब्ध है। यह भरोसेमंद और प्योर मोटरसाईक्लिंग अनुभव पेश करने वाली मोटरसाईकल प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा। रॉयल एनफील्ड ने इस नेटवर्क विस्तार के अलावा एक्सचेंज बेनेफिट्स के साथ पहला लॉयल्टी प्रोग्राम भी पेश किया है। इस प्रोग्राम द्वारा ग्राहक अपनी पुरानी रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल को रिओन के आरई-टू-आरई एक्सचेंज के माध्यम से नई मोटरसाईकल से बदल सकते हैं। रिओन के विस्तार के बारे में यादविंदर सिंह गुलेरिया, चीफ कमर्शियल ऑफिसर, रॉयल एनफील्ड ने कहा, ''रॉयल एनफील्ड में हम निरंतर इनोवेट कर रहे हैं ताकि रॉयल एनफील्ड का मालिक बनने की खुशी ज्यादा से ज्यादा राईडिंग प्रेमियों को मिल सके। कुछ ही शहरों से शुरू होकर केवल एक साल में 236 शहरों तक रिओन का विस्तार ग्राहकों को रॉयल एनफील्ड मोटरसाईकल खरीदने का आसान अनुभव प्रदान करने का हमारा वादा प्रदर्शित करता है, फिर चाहे वो अपनी पहली मोटरसाईकल खरीद रहे हों या फिर पुरानी मोटरसाईकल को अपग्रेड कर रहे हों।

रोहन फिर बने डीडीसीए के अध्यक्ष

टूर्नामेंटों में ज्यादा खिलाड़ियों के साथ टीम भेजने के बारे में सीएसी से बात कर रहा हूं: जेटली

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष चुनाव में बड़ी जीत के बाद रोहन जेटली ने क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) से विवरण मांगा है कि बीसीसीआई आयु-समूह के विभिन्न टूर्नामेंटों के लिए खिलाड़ियों की बड़ी संख्या के साथ दिल्ली की टीमों को क्यों भेजा जा रहा है। दिवंगत राजनेता अरुण जेटली के बेटे 35 वर्षीय रोहन को।,577 वोट मिले, जबकि उनके एकमात्र प्रतिद्वंद्वी और पूर्व भारतीय खिलाड़ी कीर्ति आजाद को 777 वोट मिले। आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभालने के बाद रोहन ने कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि विभिन्न आयु वर्ग के आयोजनों के लिए 25 से 30 तक की संख्या में बड़ी टीमें भेजी गई हैं। क्रिकेट सलाहकार समिति में भारत के पूर्व खिलाड़ी गुरशरण सिंह और निखिल चोपड़ा शामिल हैं। जेटली ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, जब मुझे पता चला कि इतने सारे खिलाड़ी यात्रा कर रहे हैं तो मैंने क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) से बात की। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि मामले पर गौर किया जा रहा है। जेटली ने एक हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) का वादा किया जहां खिलाड़ियों को एक मजबूत प्रतिभा पहचान प्रणाली से चुना जाएगा। उन्होंने कहा, हम एक हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) की उम्मीद कर रहे हैं जहां हमारे प्रतिभा पहचान करने वालों द्वारा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। रोहन ने

साव को विजय हजारे ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम में जगह नहीं

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव को विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए मंगलवार को मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया क्योंकि उनका प्रदर्शन लगातार खराब चल रहा है। इससे परेशान इस खिलाड़ी को यह पूछने पर मजबूर होना पड़ा कि मुझे और क्या देखना है? यह टूर्नामेंट 21 दिसंबर से शुरू हो रहा है। कभी भारत के सबसे प्रतिभावान खिलाड़ियों में शामिल रहे और टेस्ट पदार्पण पर शतक जड़ने वाले 25 वर्षीय पृथ्वी के लिए मौजूदा सत्र भूलने वाला रहा है। फिटनेस और अनुशासनात्मक कारणों से पृथ्वी को रणजी ट्रॉफी लीग चरण के बीच से ही बाहर कर दिया गया था लेकिन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए उनकी टीम में वापसी हुई जिसे मुंबई ने जीता। नवंबर में आईपीएल नीलामी में भी किसी फ्रेंचाइजी ने उनके लिए बोली नहीं लगाई। शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता में भी उनका प्रदर्शन प्रभावशाली नहीं रहा। उन्होंने कुछ मौकों पर अच्छी शुरुआत की लेकिन अर्धशतक जड़ने में नाकाम रहे। पृथ्वी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, भगवान मुझे बताओ, मुझे और क्या देखना है? 65 पारियां, 55.7 की औसत और 126 के स्ट्राइक रेट से 3399 रन (विजय हजारे में) के बावजूद मैं काफी अच्छा नहीं हूं।

यूपी 65 एके इंफ्रा ने दोहरी जीत से जमाई धाक

सिंधी प्रीमियर लीग

लखनऊ। उम्दा बल्लेबाजी के सहारे यूपी 65 एके इंफ्रा ने सिंधी प्रीमियर लीग नेशनल लेवल 2024 के दूसरे दिन रोमांचक मैच में सिल्वर स्ट्राइकर्स दृ अवध हास्पिटल को 10 रन से हराया। फ्रि यूपी 65. एके इं.। ने अपने दूसरे मैच में रायल स्ट्राइकर्स दृ रायल कैफे को 8 विकेट से हराकर दो जीत के साथ धाक जमाई। सिंधी कॉउंसिल ऑफइंडिया यूथ विंग के द्वारा आयोजित लीग के आशियाना स्थित मल्टी एक्टिविटी सेंटर पर खेले जा रहे मैचों में आज टीम हसल दृ महेश नमकीन ने मैन ऑफद मैच करण आडवाणी ;41 रनए 3 विकेट के आलराउंड खेल से आलमबाग रायल्स दृ सेलिब्रेशन को 12 रन से हराया। दूसरी ओर पीएसवाईृ सिल्वर लीफ़लखनऊ यूनाईटेड ,सिंध, शिव सखी दृमेरी गोल्ड, द पाल पिच बर्नर , शीतल इंफ्रा ने अपने.अपने मैचों में जीत दर्ज की।यूपी 65ृ एके इंफ्रा ने सिल्वर स्ट्राइकर्सृ अवध हास्पिटल के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट पर 96 रन बनाए। निखिल ने 28, कुशल रहेजा ने 17,मैन ऑफद मैच देवेश इशरानी व यश हीरानी ने 16.16 रन का योगदान किया। जवाब में सिल्वर स्ट्राइकर्स दृ अवध हास्पिटल 2 विकेट पर 86 रन ही बना सका। टीम से वरुण रिंगानी 23 व अंकित 22 ही टिक कर खेल सके। इस मैच से पूर्व संतजादा साई मोहन लाल साहिब शिव शांति संत आसुदाराम आश्रम और सिंधी कॉउंसिल ऑफइंडिया यूथ विंगद्ध के राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र खत्री ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके मैच की शुरुआत कराई। अपने दूसरे मैच में यूपी 65. एके इंफ्रा ने मैन ऑफद मैच आकाश चेलानी ;19द्ध व ॠतिक मेघानी 15 की नाबाद पारियों से रायल स्ट्राइकर्स दृ रायल कैफे को 8 विकेट से हराया।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण स्टोक्स बाहर, न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराया

हैमिल्टन। कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण मंगलवार को बल्लेबाजी नहीं कर सके और इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में चाय ब्रेक से पहले ही 423 रन से पराजय झेलनी पड़ी। स्टोक्स को तीसरे दिन ही गेंदबाजी के दौरान बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और वह फील्डिंग नहीं कर सके। जीत के लिए 658 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 234 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड ने रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत की बराबरी की और इंग्लैंड को क्लीन स्वीप से भी रोका। न्यूजीलैंड ने 2018 में श्रीलंका को 423 रन से ही हराया था। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट आठ विकेट से और दूसरा 323 रन से जीता था। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 18 रन से आगे खेलना शुरू किया। पहली पारी में 204 रन की बढत लेने वाली न्यूजीलैंड टीम ने दूसरी पारी में 453 रन बनाए थे। तीसरे विकेट के लिए जो रूट (54) और जैकब बेथेल (76) ने 104 रन की साझेदारी की और लग रहा था कि दोनों टिककर मैच को ड्रॉ की ओर ले जाएंगे।

क्या गंभीर और नायर भारतीय बल्लेबाजों को तकनीकी खामियों से छुटकारा दिला सकतें है?

भाषा। नई दिल्ली

रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के दौरान अपने विकेट गंवाने के तरीके के कारण आलोचना का सामना करना पड़ रहा है लेकिन युवा शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल और ऋषभ पंत भी क्रीज पर समय बिताने के लिए जरूरी धैर्य नहीं दिखा रहे जिससे टीम की समस्या काफी बढ़ गई है। टेस्ट मैच में बल्लेबाजी में धैर्य सबसे बड़ा हथियार है और यह खिलाड़ी में समय के साथ विकसित होता है। कोहली 2014 से 2019 के बीच जब अपने स्वर्णिम दौर में थे तब उन्होंने इस धैर्य को अच्छे से दिखाया था। लोकेश राहुल ने अपनी शानदार तकनीक के दम पर वर्तमान श्रृंखला के दौरान पर्थ और ब्रिसबेन में क्रमश: 77 और 84 रन की पारी खेल इन परिस्थितियों से निपटने के तरीके के बारे में बताया है। जायसवाल की बात करें तो पर्थ में दूसरी पारी में 161 रन को छोड़कर उन्होंने निराश ही किया है। वह जिस तरह से क्रीज के पास कदमों का इस्तेमाल करते है उससे पगबाधा होने का खतरा बना रहता है। गिल ऑफ स्टंप के बाहर वाली गेंदों को शरीर से दूर खेलते हुए ड्राइव लगाने को आतुर हो रहे हैं और इस कोशिश में लगातार अपना विकेट गंवा रहे है। अपने आक्रामक रवैए के लिए पहचाने जाने वाले पंत भी क्रीज से पांच मीटर दूर टप्पा खाकर उछाल लेने वाली गेंदों से सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे है। मुख्य कोच गौतम गंभीर और उनके सहायक अभिषेक नायर इस समस्या का समाधान ढूंढ सकते हैं। नायर को मुंबई क्रिकेट जगत में माइंड कोच और लाइफ कोच के मिश्रण के तौर पर जाना जाता है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान सम्पादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उनका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001